@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

# कौमी पत्रिका
## राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 26 फरवरी 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 87 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

## आम चुनाव में बड़ी जीत हासिल करेगी भाजपा: स्वामी

पटना, 25 फरवरी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने दावा किया कि हिंदू गौरव बढ़ने से आगामी लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी के बड़ी जीत हासिल करने की संभावना है। हालांकि, उन्होंने इसमें किसी मोदी मैजिक की भूमिका को खारिज किया। स्वामी रविवार को यहां एक विधि सम्मेलन में बोले रहे थे। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा और इसके वैचारिक मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में व्यक्ति की तुलना में संगठन और सिद्धांत को ज्यादा महत्व दिया जाता है। स्वामी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाजपा के 370 से ज्यादा सीटें जीतने और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के 400 का आंकड़ा पार करने के दावे के बारे में पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि भाजपा अपने पिछले चुनावी प्रदर्शन को पीछे छोड़ देगी। पहली बार हिंदू अपनी पहचान पर गर्व महसूस कर रहे हैं। उन्हें अब वह संकोच महसूस नहीं होता, जो (पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल) नेहरू के समय में उन पर थोपा गया था। हालांकि, पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, कुछ लोग सोच सकते हैं कि यह बदलाव उनकी (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) वजह से हुआ है। हमें ऐसी चीजों को महत्व देने की जरूरत नहीं है। मुझे नहीं लगता कि मोदी मैजिक जैसा कुछ है। भाजपा-आरएसएस में व्यक्ति को कोई महत्व नहीं दिया जाता है। यह कांग्रेस की संस्कृति रही है। स्वामी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की एनडीए में वापसी का भी स्वागत किया।

# पीएम मोदी ने पांच नए एम्स का किया उद्घाटन

**सिम्मी कौर बब्बर**

गांधीनगर, 25 फरवरी। पश्चिम बंगाल के कल्याणी स्थित नए एम्स के उद्घाटन पर केंद्रीय मंत्री निसिथ प्रमाणिक ने कहा कि पीएम मोदी जो वादा करते हैं, उसे पूरा करते हैं। आज उन्होंने कल्याणी और देश भर में अन्य स्थानों पर एम्स का उद्घाटन किया। पश्चिम बंगाल सरकार को राज्य के लोगों के लिए केंद्र सरकार के साथ समन्वय में काम करना चाहिए ताकि वे राजस्थान, एमपी, यूपी, असम और अन्य भाजपा शासित राज्यों के लोगों की तरह लाभ उठा सकें। पीएम मोदी ने देश को पांच नए एम्स समर्पित किए। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा कि यह ऐतिहासिक घटनाओं में से एक है। वास्तव में पीएम मोदी देश को बदल रहे हैं। पश्चिम बंगाल के कल्याणी में एम्स एक मील का पत्थर है। पीएम मोदी ने कहा कि एयरपोर्ट से लेकर इस कार्यक्रम तक आज कई लोग को देखने का मुझे सौभाग्य मिला। पुराने साथियों के चेहरे कई वर्षों बाद देखने का अवसर मिला। सभी को मैंने प्रणाम किया, क्योंकि मुझे अच्छा लगा। मैं भाजपा के राजकोट के साथियों को भी धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने इस भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। पीएम मोदी ने कहा कि 13 हजार करोड़ रुपये की पीएम विश्वकर्मा योजना से अभी तक लाखों लोग जुड़ चुके हैं। इससे उन्हें

अपने व्यापार, हुनर को बढ़ाने में मदद मिल रही है। इस योजना के मदद से गुजरात में 20 हजार से ज्यादा लोगों की ट्रेनिंग पूरी हो चुकी है। हमारी योजनाओं से लोगों को फायदा हुआ है। हम लोगों को सम्मानित कर रहे हैं। जब हमारे साथी सशक्त होते हैं, तो विकसित भारत का मिशन सशक्त होता है। जब मोदी भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की मोदी गारंटी देता है, तो उसका लक्ष्य सबका आरोग्य और समृद्धि है। जो आज ये प्रोजेक्ट देश को मिले हैं, ये हमारे संकल्प को पूरा करेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि जन औषधी केंद्र में 80 प्रतिशत डिस्काउंट पर दवा मिलने से गरीब, मध्यम वर्गों को लाभ मिला। हमने मध्यम वर्गों पर पड़ने वाले बोझ को कम किया। उज्ज्वला योजना के जरिए भी लोगों को लाभ मिला। टैक्स पेयर को भी हमारी सरकार में लाभ मिला है। हम बिजली का बिल जीरो करने पर जुटे हैं। हम बिजली से कमाई का भी काम कर रहे हैं। देश के लोगों की योजना से बचत और कमाई भी कराएंगे। हम देश के हर परिवार को सौर ऊर्जा का उत्पादक बना रहे हैं। सूर्य और पवन ऊर्जा के बड़े प्लांट भी लगा रहे हैं। आज मैंने गुजरात के कच्छ में ऐसे प्लांट का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने करोनो को कैसे हराया, इसकी चर्चा पूरी दुनिया में होती है। हम इसलिए कर पाए क्योंकि पीछे 10 वर्षों में भारत का हेल्थ सिस्टम पूरी तरह से बदल गया है। बीते दशक में एम्स, मेडिकल कॉलेज का विस्तार हुआ है। हमने छोटी-छोटी बीमारियां के लिए गांव-गांव में डेढ़ लाख से ज्यादा आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाएं है। आज देशभर में 706 मेडिकल कॉलेज हैं। राजकोट स्थित सार्वजनिक कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि आज के कार्यक्रम से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए देश के दूसरे राज्यों से भी कई लोग जुड़े हैं। मैं उन सभी लोगों का स्वागत करता हूं।

## भाजपा जल्द जारी कर सकती है उम्मीदवारों की पहली सूची: येदियुरप्पा

चिकमंगलूर, 25 फरवरी। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक के पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा ने रविवार को कहा कि उम्मीद है कि भाजपा 3-4 दिनों में आम चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर देगी। पीएम मोदी की लोकप्रियता के कारण पूरे देश में भाजपा के पक्ष में माहौल बना हुआ है। येदियुरप्पा ने कहा कि हमें तीन या चार दिन में पता चल जाएगा कि उम्मीदवार कौन है और पार्टी ने क्या कोई बदलाव किया है। कर्नाटक में आम चुनाव को लेकर भाजपा के पक्ष में माहौल बना हुआ है। राज्य की सभी 28 लोकसभा सीटें जीतने का पार्टी का लक्ष्य है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम ऐसा करने में सफल होंगे क्योंकि राज्य के लोग केंद्र में पीएम मोदी का नेतृत्व चाहते हैं। गौरतलब है कि भाजपा ने 2019 के आम चुनावों में राज्य की कुल 28 में से 25 सीटों पर जीत हासिल की थी, यहां तक कि भाजपा द्वारा समर्थित निर्दलीय सुमलता अंबरीश भी मांड्या में विजयी हुई थीं। भाजपा द्वारा मंड्या सीट गठबंधन सहयोगी जद(एस) को देने की संभावनाओं की चर्चाओं के बीच येदियुरप्पा ने कहा कि ऐसे कोई भी बात नहीं है, इसको लेकर कोई बातचीत नहीं हुई है। मेरे पास इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। आने वाले कुछ दिनों में सभी चीजें स्पष्ट हो जाएंगी। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे के खिलाफ चल रहे प्रचार पर येदियुरप्पा ने कहा कि हम जानते हैं कि इसके पीछे कौन है, मुझे विश्वास है कि शोभा करंदलाजे हिम्मत नहीं हारेंगी।

# इनेलो प्रदेश अध्यक्ष नफे सिंह राठी की ताबड़तोड़ गोलियों से भूनकर हत्या

**तेजिन्दर कौर बब्बर**

बहादुरगढ़ (हरियाणा), 25 फरवरी। हरियाणा के बहादुरगढ़ में इनेलो के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व विधायक नफे सिंह राठी समेत चार को गोलियां मारी गई। उनकी कार पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं गई। चारों को शहर के ब्रह्मगक्ति संजीवनी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां नफे सिंह राठी समेत दो की मौत हो गई है। गाड़ी की खिड़कियों में भी कई गोलियों के निशान हैं। अंधाधुंध फायरिंग के बाद पुलिस जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, हमला पूरी प्लानिंग के तहत किया हुआ प्रतीत हो रहा है। तीन सुरक्षा कर्मियों को भी कई गोलियां लगी हैं। बराही फाटक के पास की घटना है। हमलावर आई-10 गाड़ी में सवार होकर आए थे। नफे सिंह राठी के साथ मांडोठी गांव के जयकिशन की भी मौत हो गई। वहीं उनके गनमैन और ड्राइवर की हालत गंभीर बताई जा रही है। नफे सिंह राठी को गोलियां लगने की सूचना जैसे-जैसे क्षेत्र में फैली लोग अस्पताल के बाहर जुटना शुरू हो गए हैं। अस्पताल के बाहर सैकड़ों लोग पहुंच चुके हैं। नफे सिंह राठी

समेत दो की मौत हो गई है। हरियाणा ढ्ढह्लष्ठ प्रमुख नफे सिंह राठी पर हमले की सूचना पर झज्जर एसपी अर्पित जैन ने कहा, हमें फायरिंग की एक घटना की सूचना मिली। सीआईए और एसटीएफ की टीमें काम कर रही हैं। आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा... प्रमुख नफे सिंह राठी पर हुए कथित हमले पर झज्जर एसपी अर्पित जैन ने कहा, हमें फायरिंग की एक घटना की सूचना मिली। सीआईए और एसटीएफ की टीमें काम कर रही हैं। हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में इनेलो प्रदेश अध्यक्ष नफे सिंह राठी की गोली मार कर हत्या करने का समाचार बेहद दु:खद है। यह प्रदेश की कानून व्यवस्था को दर्शाता है। इस घटना ने स्पष्ट कर दिया कि कानून व्यवस्था का दिवाला पिट चुका है। प्रदेश में आज कोई भी अपने आपको सुरक्षित महसूस नहीं कर पा रहा है। दिवंगत आत्मा को मेरी श्रद्धांजलि व परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं। ईश्वर से प्रार्थना है कि परिवारजनों को यह कष्ट सहन करने की शक्ति प्रदान करें। हमले में घायल हुए सुरक्षाकर्मियों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

## कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र पर साधा निशाना

बंगलूरू, 25 फरवरी। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए सभी राजनीतिक दल चुनावी मोड में नजर आ रही है। जहां एक तरह पीएम मोदी जनसभाओं को संबोधित कर सरकार की उपलब्धियों को बता रहे हैं। वहीं विपक्षी दल लगातार मोदी सरकार पर जुबानी हमला कर रहा है। संविधान एवं राष्ट्रीय एकता सम्मेलन- 2024 के समापन समारोह में पहुंचे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि संविधान को बदलने की कोशिश की जा रही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि अगर जनता आगामी लोकसभा चुनाव में मजूबती और एकजुट होकर खड़ी नहीं होंगी, तो निश्चित ही भारत में तानाशाही होगी। क्योंकि संविधान को बदलने की कोशिश की जा रही है। परोक्ष रूप से मोदी सरकार पर तीखा हमला करते हुए खरगे ने कहा कि हमें एकजुट होना होगा, जनता न्याय के साथ जीवन जीना चाहती है। खरगे ने कहा कि अगर संविधान बचेगा तो इस देश की एकता बची रहेगी। अगर लोकतंत्र बचा रहेगा तो हर कोई समृद्धि के साथ रह सकेगा। लेकिन दुख की बात है कि केंद्र में आज ऐसी कोई सरकार नहीं है जो संविधान की रक्षा रती हो या संविधान को ध्यान में रखकर काम करती हो। इसलिए संविधान की रक्षा करना और उसका पालन करना सबसे जरूरी है। संबोधन के दौरान खरगे ने कहा कि आप सावधान हो जाईये, क्योंकि आपको गुमराह करने की कोशिश की जाएगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मौजूदा संविधान को छोड़कर एक नए संविधान बनाने की साजिश चल रही है।

## अखिलेश बोले-नफरत करने वालों को भी मोहब्बत सिखा देता है

**कौमी संवाददाता**

आगरा, 25 फरवरी। उत्तर प्रदेश के आगरा में रविवार तो राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा आयोजित हुई। इसमें सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भी हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने शायराना अंदाज में भाजपा को निशाने पर लिया। कहा कि आगरा मोहब्बत की नगरी है। यहां से पूरे देश में मोहब्बत का संदेश जाना चाहिए। अखिलेश ने आगरा में भाजपा हटाओ, संविधान बचाओ, देश बचाओ का नारा दिया। कहा कि भाजपा पेपर लीक करने वाली पार्टी है। इनके नेता देश में नफरत फैलाने का कार्य कर रहे हैं। नौजवानों को रोजगार नहीं है। जवान डिग्री जलाने को मजबूर हैं। यह किसानों के लिए काले कानून लेकर आते हैं। अब भाजपा की विदाई तय है। इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत टेड़ी बगिया से हुई। इसमें शामिल होने के लिए राहुल गांधी अलीगढ़ से होते हुए आगरा पहुंचे। वहीं समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव भी

इसमें हिस्सा लेने के लिए आगरा पहुंचे। ऐसे में टेड़ी बगिया पर समाजवादियों ने होर्डिंग और बैनर से पूरा मार्ग पाट दिया। यात्रा राहुल गांधी की है, लेकिन रंग समाजवादी का खिला-खिला नजर आया।

## मलिक को पनाह देने वालों पर पुलिस की नजर

नैनीताल, 25 फरवरी। अब्दुल मलिक को दिल्ली, गुजरात, मुंबई, चंडीगढ़ और भोपाल में किसने पनाह दी। इन पनाह देने वालों पर भी पुलिस कार्रवाई करेगी। इसकी तैयारी पुलिस ने शुरू कर दी है। पुलिस के पास अभी तक दो लोगों की पुख्ता सूचना मिली है। जिन्होंने दो-दो दिन अब्दुल मलिक को अपने घर में रखा। उसे भागने के लिए गाड़ी भी उपलब्ध कराई। अब्दुल मलिक उपद्रव के दिन से ही गायब है। वह 16 दिन अलग-अलग जगह रहा। उसे देश में पनाह देने वालों की कमी नहीं रही। अब्दुल मलिक को जिसने पनाह दी उसे मालूम था कि अब्दुल मलिक मोस्ट वांटेड है। उसके जगह-जगह पोस्टर लगे थे। उसके खिलाफ लुक आउट नोटिस भी जारी हो चुका था। पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। 16 दिन बाद पुलिस अब्दुल मलिक को गिरफ्तार करने में कामयाब रही। पुलिस सूत्रों के अनुसार अब्दुल मलिक से जब पुलिस ने पूछताछ की तो उसने पुलिस को बताया कि वह कहां-कहां रूका था। उसे भागने के लिए गाड़ी किसने उपलब्ध कराई। पूछताछ में अभी तक दो नाम सामने आए हैं। पुलिस जल्द ही इनको भी पूछताछ के लिए हिरासत में ले सकती है। एसएसपी प्रहलाद नारायण मीणा ने बताया कि पूछताछ चल रही है। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी। जिस-जिसके नाम पनाह देने में, भागने में मदद करने में सामने आएंगे। उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

## समृद्ध होते यूपी पर अपने विचार रखेंगे सीएम योगी

लखनऊ, 25 फरवरी। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को राजधानी लखनऊ में आयोजित अमर उजाला संवाद कार्यक्रम में समृद्धि की ओर बढ़ते यूपी विषय पर अपने विचार रखेंगे। इस दौरान वह प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य में आए सकारात्मक बदलाव और सुदृढ़ होती प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर भी चर्चा करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन राजधानी के शहीद पथ स्थित होटल द सेंट्रम में 26 व 27 फरवरी को किया जा रहा है। अमर उजाला के 75 वर्ष पूरे होने पर आयोजित इस कार्यक्रम में देश की नामचीन हस्तियां मौजूद रहेंगी। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक भी सशक्त होते प्रदेश और भविष्य की संभावनाओं को सामने रखेंगे। इसके अलावा, अयोध्या में बालक राम की अलौकिक मूर्ति तैयार करने वाले प्रतिष्ठित मूर्तिकार अरुण योगीराज, आध्यात्मिक गुरु आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण, हिंदी सिनेमा की जानी मानी हस्ती अक्षय कुमार व टाइगर श्राफ, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पद्मश्री पीटी उषा, राज्यसभा सदस्य डॉ. सुधांशु त्रिवेदी, बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल, केंद्रीय कौशल विकास व उद्यमिता मंत्रालय के सचिव अतुल कुमार तिवारी, केंट ग्रुप के सीएमडी महेश गुप्ता, ले. जनरल (रिटायर्ड) आरआर निंभोरकर, एडलवाइस म्यूच्यूअल फंड की एमडी व सीईओ राधिका गुप्ता व पीडब्ल्यूसी इंडिया के एसोसिएट डायरेक्टर मो. आसिफ इकबाल कई सत्रों में अलग-अलग विषयों पर चर्चा करेंगे। संवाद का दूसरा दिन महिलाओं व बेटियों पर केंद्रित होगा। इसका शुभारंभ केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी करेंगी।

# शाहजहां शेख को नहीं बचा रही तृणमूल कांग्रेस: अभिषेक बनर्जी

**सौरभ शर्मा**

कोलकाता, 25 फरवरी। लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी ने रविवार को पहली संदेशखाली के मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) अपने फरार नेता शाहजहां शेख को नहीं बचा रही है। शेख और उनके समर्थकों पर संदेशखाली की महिलाओं ने यौन शोषण और जमीन हड़पने का आरोप लगाया है। बनर्जी ने यह भी दावा किया कि कुछ बाहरी लोग लोकसभा चुनाव से पहले इलाके में अशांति पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, तृणमूल कांग्रेस शाहजहां शेख को नहीं बचा रही है। हमरी किसी भी अपराध को बर्दाश्त न करने की नीति है। राज्य के विपक्षी दलों ने टीएमसी पर शाहजहां शेख को बचाने का आरोप लगाया है। वहीं, इस मामले पर टीएमसी नेता कुणाल घोष ने कहा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, असम और मणिपुर में यह फैक्ट फाइंडिंग टीम कहां थी। ये भाजपा के कैडर हैं और उससे नियंत्रित हैं। वे केवल टीएमसी सरकार को बदनाम करने के लिए यहां आ रहे हैं। भाजपा को बंगाल की जनता पर भरोसा नहीं

हैं और न ही उनका उनसे कोई संबंध हैं। घोष ने कहा, वे (भाजपा) जानते हैं कि बंगाल के लोग उनका समर्थन नहीं करते। यही वजह है कि वे विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह केवल यही साबित करता है कि बंगाल में उनका कोई जनाधार नहीं है। इससे पहले फैक्ट फाइंडिंग टीम को पुलिस ने संदेशखाली पहुंचने से पहले ही रोक दिया। इसके विरोध में टीम वहीं पर धरने पर बैठ गई। हंगामे के बाद पुलिस ने टीम के सभी सदस्यों को गिरफ्तार किया। छह सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग टीम का नेतृत्व पटना उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति एल नरसिम्हा रेड्डी कर रहे हैं। पुलिस ने संदेशखाली में धारा 144 लागू होने का हवाला देकर फैक्ट फाइंडिंग को रोका। पुलिस ने टीम को भोजेरहाट इलाके में रोका और फिर हंगामे के बाद वहीं से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद फैक्ट फाइंडिंग टीम के सदस्यों को कोलकाता के पीएचक्यू लाल बाजार पुलिस स्टेशन लाया गया। संदेशखली मामले पर भाजपा और अन्य विपक्षी दलों के बढ़ते हमलों के बीच टीएमसी ने रविवार को घोषणा की कि वह राज्य की सामाजिक कल्याण परियोजनाओं के खिलाफ केंद्र सरकार के कथित भेदभाव के विरोध में 10 मार्च को ब्रिगेट परेड ग्राउंड में एक महारैली करेगी। पार्टी सूत्रों ने बताया कि टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी और पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी महारैली को संबोधित करेंगे। अभिषेक बनर्जी ने एक्स पर इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा, जन गर्जन सभा रैली बंगाल से उन बाहरी अत्याचारियों को बाहर निकालने का संकल्प लेगी, जो विभिन्न मुद्दों पर राज्य का दौरा कर रहे हैं। उनका इशारा भाजपा और उसके राष्ट्रीय नेताओं की ओर था।

## मनसे प्रमुख ठाकरे पर सुप्रिया सुले का पलटवार

मुंबई, 25 फरवरी। महाराष्ट्र की राजनीतिक गलियारे में हलचल मची हुई है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। एक तरफ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में टूट और पार्टी पर हक को लेकर विवाद बना हुआ है। तो वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी

(भाजपा) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के गठबंधन की अटकलें लगाई जा रही हैं। इन सबके बीच राकांपा-शरदचंद्र पवार की नेता और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने मनसे प्रमुख राज ठाकरे पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि शरद पवार का नाम लिए बिना वह लोगों का ध्यान अपनी ओर नहीं खींच पाते हैं। दरअसल, राज ठाकरे ने शनिवार को कहा था, कभी छत्रपति शिवाजी महाराज का नाम तक नहीं लेने वाले शरद पवार आज उन्हें याद कर रहे हैं। उन्होंने अपने भाषणों में कभी छत्रपति शिवाजी महाराज का नाम नहीं लिया क्योंकि शायद उन्हें चिंता हो सकती है कि उनका नाम लेने से मुसलमानों से मिलने वाले वोट रुक जाएं, लेकिन अब वह छत्रपति शिवाजी महाराज का नाम ले रहे हैं। इस पर पलटवार करते हुए सुले ने कहा, शरद पवार का नाम लिए बिना वह लोगों का ध्यान अपनी ओर नहीं खींच पाते हैं। शरद पवार के खिलाफ टिप्पणी करने के बाद राज ठाकरे और देवेंद्र फडणवीस दोनों सुर्खियों में आ गए। वहीं, बारामती से सांसद सुप्रिया ने पार्टी के नए चिह्न पर शीर्ष अदालत का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, यह एक लोकतांत्रिक देश है। पार्टी और चुनाव चिह्न रखना हमारा अधिकार है। उन्होंने आगे कहा, पार्टी का गठन शरद पवार ने किया था और उनसे वह छीन ली गई। पार्टी और चुनाव चिह्न रखना हमारा अधिकार है। हम अदालत गए। मैं सुप्रीम कोर्ट को निष्पक्ष होने के लिए धन्यवाद देती हूं। मैं चुनाव आयोग को भी धन्यवाद देती हूं।

# मायावती ने कहा कि सबको टिकट नहीं दिया जा सकता?

**नरेश मल्होत्रा**

लखनऊ, 25 फरवरी। बहुजन समाज पार्टी की एकला चलो रणनीति अब मायावती की अपनी ही सियासत पर हावी होने लगी है। बहुजन समाज पार्टी के कई कद्दावर नेता मायावती की रणनीति का न सिर्फ अंदर खाने विरोध कर रहे हैं बल्कि बगावत के मूड में भी आ गए हैं। बसपा के अंदरूनी हालात ऐसे हो गए हैं कि पिछले लोकसभा चुनाव में जीते ज्यादातर सांसद नए ठिकाने की तलाश में लगे हैं। बहुजन समाज पार्टी के नेता ही इस बात को मानते हैं कि बगैर गठबंधन के चुनाव में उतरना न सिर्फ पार्टी के लिए बल्कि बसपा से ताल्लुक रखने वाले नेताओं के सियासी करियर के लिहाज से भी मुफीद नहीं है। वहीं बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने भी स्पष्ट इशारा कर दिया कि ज्यादातर वर्तमान लोकसभा सांसदों को टिकट दिया जाना संभव नहीं है। जैसे-जैसे लोकसभा के चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं सियासी दांव पेंच भी उसी लिहाज से तेज होते जा रहे हैं। सियासी उठापटक के बीच बहुजन समाज पार्टी के भीतर नेताओं में खूब नाराजगी देखने को मिल रही है। दरअसल बहुजन समाज पार्टी के कई नेता यह मानते हैं कि 2019 में गठबंधन के सहारे बहुजन समाज पार्टी की नैया पार हुई थी। इस बार गठबंधन नहीं हुआ तो बहुजन समाज पार्टी की जीत की नैया मंझधार में फंस सकती है। हालांकि बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने स्पष्ट किया है कि वह आने वाले लोकसभा चुनाव में किसी से गठबंधन नहीं करने वाली। मायावती के इस बयान के बाद पार्टी के अंदर खूब उठा पटक और चर्चाएं हो रही हैं। सियासी जानकार भी मानते हैं कि बहुजन समाज पार्टी के ज्यादातर सांसद या तो दल बदलने में लगे हुए हैं या फिर पार्टी में रहकर अंदरूनी तौर पर गठबंधन की वकालत कर रहे हैं। बहुजन समाज पार्टी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक पिछले चुनाव में जीते ज्यादातर सांसद अलग-अलग सियासी राह तलाशने में लगे हैं। बहुजन समाज पार्टी से अमरोहा के सांसद दानिश अली पहले से ही राहुल गांधी की यात्रा में शामिल होकर अपना सियासी संदेश दे चुके हैं। जबकि बसपा के ही श्याम सिंह यादव भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी के साथ शामिल हो चुके हैं। इसके अलावा बसपा के सांसद मलूक नागर भारतीय जनता पार्टी की सरकार के तारीफ में कसीदे पढ़ते आए हैं। लालगंज के सांसद संगीत आजाद के बारे में पूरे क्षेत्र में भाजपा से नजदीकी की चर्चाएं हो रही है। श्रावस्ती के सांसद राम शिरोमणि वर्मा भी नए

सियासी ठौर की तलाश में बताए जा रहे हैं। बसपा के ही सांसद रहे अफजाल अंसारी को समाजवादी पार्टी ने अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। अंबेडकर नगर के सांसद रितेश पांडे भी भारतीय जनता पार्टी का दामन पकड़कर इस साल चुनावी नैया पार लगाने के मूड में हैं। बहुजन समाज पार्टी से निलंबित सांसद दानिश अली कहते हैं कि यह तो उन सियासी दलों को सोचना होगा कि आखिर लोग क्यों किसी दल से अपना दामन छुड़ा रहे हैं। राजनीतिक जानकार और वरिष्ठ पत्रकार प्रेम सिंह कहते हैं कि 2019 और 2014 के लोकसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी को मिली सीटों से ही 2024 में मची उथल पुथल का अंदाजा लग रहा है। वह कहते हैं 2014 में बहुजन समाज पार्टी ने अकेले सियासी मैदान में ताल ठोकी थी और एक भी सीट नहीं जीत सकी थी। 2019 में मायावती ने जो समाजवादी पार्टी से समझौता किया तो उनकी पार्टी शून्य से 10 पर पहुंच गई। अब जब कुछ समय बाद लोकसभा का चुनाव है और मायावती किसी से गठबंधन किए बगैर चुनावी मैदान में जाने की बात कर रही है तो पार्टी में उथल-पुथल मच गई है। यही नहीं कभी अपने दम पर अकेले उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने वाली मायावती की पार्टी अकेले उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने वाली मायावती की बहुजन समाज पार्टी का इस समय सिर्फ एक विधायक ही सदन में है।

## दोस्ती-16 से भारत-मालदीव और श्रीलंका के बीच बढ़ेगा सहयोग: मौमून माले

**इंटरनेशनल डेस्क.** मालदीव, भारत और श्रीलंका के तटरक्षक कर्मियों के बीच सहयोग और पारस्परिकता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मालदीव के रक्षा मंत्री मोहम्मद गासन मौमून ने कहा कि त्रिपक्षीय अभ्यास दोस्ती तीनों देशों को सहयोग के माध्यम से समुद्री सुरक्षा चिंताओं के समाधान के लिए एकजुट करेगा। मौमून द्विवार्षिक अभ्यास दोस्ती के 16वें संस्करण का औपचारिक उद्घाटन करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे।यह अभ्यास बृहस्पतिवार को शुरू हुआ और रविवार तक जारी रहेगा।

भारतीय तटरक्षक पोत 'समर्थ और 'अभिनव के साथ-साथ श्रीलंकाई नौसेना का पोत 'समुदुरा दोस्ती-16 में शामिल हैं जबकि बांग्लादेश पर्यवेक्षक के रूप में भाग ले रहा है। श्रीलंका ने दोस्ती को एक त्रिपक्षीय अभ्यास के रूप में वर्णित किया है जिसका उद्देश्य भारत, मालदीव और श्रीलंका के तटरक्षक कर्मियों के बीच सहयोग बढ़ाना, दोस्ती को मजबूत करना और पारस्परिक परिचालन क्षमता में सुधार करना है। मौमून ने कहा कि त्रिपक्षीय अभ्यास दोस्ती तीनों देशों को सहयोग के माध्यम से समुद्री सुरक्षा चिंताओं के समाधान के लिए एकजुट करेगा।

## रूस-यूक्रेन संघर्ष के दो वर्ष पूरे होने पर बोले PM सुनक- पुतिन अवैध आक्रमण खिलाफ मुक्त दुनिया एकजुट

**लंदन.** ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने रूस-यूक्रेन संघर्ष के दो वर्ष पूरे होने पर शनिवार को यूक्रेन का समर्थन करने का ब्रिटेन का दृढ़ संकल्प दोहराया। सुनक ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन के खिलाफ अवैध आक्रमण÷ के जवाब में मुक्त दुनिया के एकजुट होने की घोषणा की। सुनक ने यूक्रेन की राजधानी कीव की अपनी हालिया यात्रा का उल्लेख किया जब उन्होंने यूक्रेन को रक्षा सहायता के एक बड़े पैकेज की घोषणा की थी, जिससे ब्रिटेन का कुल समर्थन बढ़कर 12 अरब पाउंड हो गया।

सुनक ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट से एक बयान में कहा, ''जब पुतिन ने दो साल पहले अपना अवैध आक्रमण शुरू किया था, तब मुक्त दुनिया इसकी प्रतिक्रिया में एकजुट थी। हम यूक्रेन के पीछे एकसाथ खड़े थे। और इस युद्ध के दो वर्ष पूरे होने पर अपने दृढ़ संकल्प को दोहराते हैं। उन्होंने कहा, ''मैं कुछ सप्ताह पहले कीव में था और मैंने घायल यूक्रेनी सैनिकों से मुलाकात की। प्रत्येक की दर्दनाक कहानी यूक्रेन के साहस की याद दिलाती थी। यह उस कीमत की याद दिलाता है जो वे न केवल पूरी तरह से अनुचित आक्रमण के खिलाफ अपने देश की रक्षा के लिए चुका रहे हैं, बल्कि स्वतंत्रता, संप्रभुता और कानून के शासन के सिद्धांतों की रक्षा के लिए भी चुका रहे हैं।उन्होंने कहा, ''ब्रिटेन समर्थन में आगे बढ़ रहा है। मैंने पिछले महीने यूक्रेन को रक्षा सहायता के सबसे बड़े एकल पैकेज की घोषणा की, जिससे हमारा कुल समर्थन 12 अरब पाउंड हो गया और सुरक्षा सहयोग पर दस साल के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा, ''यह दिखाने का क्षण है कि अत्याचार कभी जीत नहीं पाएगा और एक बार फिर यह कहने का कि हम आज और कल यूक्रेन के साथ खड़े रहेंगे।

# दिल पर एक मुक्के ने ली नवलनी की जान, शातिर KGB की पुरानी तकनीक; जिसका पुतिन भी रहे हिस्सा

**आरोप है कि रूस के सबसे बड़े विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की दिल पर एक ही मुक्का मारकर जान ली गई। ऐसा दावा है कि यह रूस की खुफिया एजेंसी केजीबी द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली एक पुरानी तकनीक है।**

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सबसे बड़े दुश्मन एलेक्सी नवलनी की जेल में मौत के एक हफ्ते बाद शव परिवार को सौंप दिया गया है। रूस में नवलनी के समर्थक काफी दिनों से सोशल मीडिया के जरिए शव की मांग कर रहे थे।नवलनी के घरवाले गुप्त अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे हैं, जैसा कि उन्हें सरकार द्वारा बताया जा रहा है। इस बीच मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि रूस के सबसे बड़े विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की दिल पर एक ही मुक्का मारकर जान ली गई। ऐसा दावा है कि यह रूस की खुफिया एजेंसी केजीबी द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली एक पुरानी तकनीक है। केजीबी दुनिया में जासूसी इतिहास में सबसे खूंखार एजेंसी है, जिसका कभी व्लादिमीर पुतिन भी हिस्सा रहे हैं।

व्लादिमीर पुतिन के सबसे बड़े आलोचक और रूस में सबसे बड़े विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की एक सप्ताह पहले आर्कटिक दंड कॉलोनी में मृत्यु हो गई थी। रूस की तरफ से ऐसा बताया जरूर गया लेकिन, लोगों का मानना है कि नवलनी की मौत 16 फरवरी से पहले ही हो गई थी। यह बात इसलिए राज रखी गई ताकि जेल से सारे सबूत मिटा दिए जाएं। नवलनी 30 साल से अधिक समय से जेल की सजा काट रहे थे।

**दिल पर मुक्का मारकर ले ली जान**

मानवाधिकार समूह गुलगु.नेट के

संस्थापक व्लादिमीर ओसेकिन ने एक स्रोत का हवाला देते हुए टाइम्स ऑफ लंदन को बताया, नवलनी की हत्या दिल पर मुक्का मारकर ली गई होगी। यह केजीबी के विशेष बल डिवीजनों की एक पुरानी पद्धति है। ओसेकिन ने कहा, ÷उन्होंने ऐसा करने से पहले नवलनी को काफी प्रताड़ित किया होगा और उसे कमजोर करने की सारी कोशिशें की गई ताकि एक ही झटके में नवलनी को मार दिया जाए।÷ ऐसा दावा है कि इसके लिए पहले नवलनी को जीरो डिग्री से नीचे तापमान में घंटो रखा गया होगा, खाना नहीं दिया गया। शरीर इतना कमजोर हो गया होगा कि एक झटके से दिल का दौरा आ जाए।

**KGB की पुरानी तकनीक**

केजीबी सोवियत रूस के इतिहास में सबसे खतरनाक सुरक्षा एजेंसी रही। इसे आधिकारिक तौर पर 3 दिसंबर, 1991 को भंग कर दिया गया था। बाद में इसे नया नाम एसवीआर दिया गया जो बाद में संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) बन गई। केजीबी के बारे में कहा जाता है कि यह दुनिया की सबसे खूंखार और खतरनाक खुफिया एजेंसी थी। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान स्टालिन को अमेरिका समेत मित्र देशों की सेना की सभी हरकतें पता होती थी, यह सब केजीबी के मजबूत सुरक्षा तंत्र से मुमकिन था। ऐसा माना जाता था कि केजीबी के एजेंट दुनिया के हर कोने में किसी न किसी रूप में मौजूद हैं।

**पुतिन भी रहे केजीबी का हिस्सा**

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी केजीबी का हिस्सा रहे हैं। ऐसा बताया जाता है कि उन्होंने 16 साल की उम्र में पहली बार केजीबी के ऑफिस जाकर एजेंसी जॉइन करने की पेशकश की थी। तब उन्हें बताया गया कि इसके लिए आपके पास डिग्री होनी चाहिए या सेना में कार्य अनुभव। पुतिन 1971 से 1985 तक केजीबी में सेवारत रहे।

**नवलनी के शरीर में चोट के गहरे निशान**

एक रिपोर्ट के अनुसार, व्लादिमीर पुतिन के सबसे मुखर आलोचक के शरीर पर ÷चोट के निशान÷ थे। सूत्रों का कहना है कि जेल में मरने वालों के शवों को आमतौर पर सीधे विदेशी चिकित्सा ब्यूरो में ले जाया जाता है, लेकिन उनके शरीर को किसी कारण से अस्पताल में ले जाया गया।

## मैं अपनी जुबान की पक्की हूं, साउथ कैरोलाइना में हार के बाद निक्की हेली ने जानिए क्यों कही ये बात

**वॉशिंगटन.** साउथ कैरोलाइना में हुए प्राइमरी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप ने निक्की हेली को हरा दिया है। हार के बाद अपने समर्थकों से बात करते हुए निक्की हेली ने कहा कि वे हार से निराश हैं, लेकिन इसके बावजूद वह राष्ट्रपति पद की रेस से नहीं हटेंगी। निक्की हेली ने कहा कि मैं अपनी जुबान की पक्की हूं और पीछे नहीं हटूंगी। निक्की हेली ने कहा कि अगले 10 दिनों तक 21 राज्यों में चुनाव होंगे। उन्हें भी अपनी पसंद चुनने का अधिकार है। यह कोई सोवियत संघ का चुनाव नहीं है, जिसमें सिर्फ एक उम्मीदवार होता है। ये मेरा कर्तव्य है कि मैं उन्हें चुनाव का मौका दूं।

**निक्की हेली ने समर्थकों के प्रति जताया आभार**

निक्की हेली ने कहा कि उनका मानना है कि डोनाल्ड ट्रंप, जो बाइडन से नहीं जीत पाएंगे। साउथ कैरोलाइना की हार पर भारतीय मूल की निक्की हेली ने माना कि हार का अंतर ज्यादा रहा, लेकिन इसके बावजूद उन्हें 40 फीसदी मत मिले। हेली ने कहा कि 40 फीसदी कोई छोटा आंकड़ा नहीं है। हेली, ट्रंप से चार राज्यों में हार चुकी हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि अभी कई और राज्यों में चुनाव होने हैं। हेली ने ट्रंप को जीत की बधाई भी दी और उन्हें समर्थन देने वाले मतदाताओं के प्रति आभार भी जताया। साउथ कैरोलाइना निक्की हेली का गृह राज्य है और वे यहां से गवर्नर भी रह चुकी हैं। गृह राज्य में हार पर हेली ने कहा कि नतीजे क्या रहे, ये मायने नहीं रखता। मैं अपने राज्य के लोगों से प्यार करती हूं और हम इसी प्यार से बड़ी से बड़ी चुनौती में भी एकजुट रहते हैं।

## साउथ कैरोलाइना के प्राइमरी चुनाव में भी ट्रंप की जीत, राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी लगभग तय

**वॉशिंगटन.** डोनाल्ड ट्रंप ने साउथ कैरोलाइना प्राइमरी चुनाव में जीत दर्ज कर ली है। शनिवार को घोषित हुए नतीजों में डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय मूल की निक्की हैली को हराया।

गौरतलब है कि साउथ कैरोलाइना, निक्की हैली का गृह राज्य है और वे यहां से गवर्नर रह चुकी हैं। इस जीत के साथ ही डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति उम्मीदवार बनने की दावेदारी और मजबूत हो गई है। **2024 के राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच मुकाबला लगभग तय**

डोनाल्ड ट्रंप साउथ कैरोलाइना से पहले आयोवा, न्यू हैंपशायर, नेवादा और यूएस वर्जिन आइलैंड के प्राइमरी चुनाव में भी जीत दर्ज कर चुके हैं। साउथ कैरोलाइना में हार के साथ ही निक्की हैली पर दबाव बढ़ गया है कि वे राष्ट्रपति पद की दावेदारी छोड़ दें, लेकिन हैली अभी भी डटी हुई हैं और लगातार हार के बावजूद अपनी उम्मीदवारी को लेकर आशावान बनी हुई हैं। वहीं साउथ कैरोलाइना में जीत के साथ ही साल 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में एक बार फिर जो बाइडन का सामना डोनाल्ड ट्रंप से ही होने का रास्ता साफ हो गया है।

**निक्की हैली का पीछे हटने से इनकार**

साउथ कैरोलाइना प्राइमरी चुनाव में जीत के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि मैंने कभी भी रिपब्लिकन पार्टी को कभी भी इतना एकजुट नहीं देखा है।

ट्रंप ने समर्थकों से कहा कि आप 15 मिनट तक इस जीत का जश्न मना सकते हैं, लेकिन उसके बाद हमें फिर से काम में जुटना होगा।

## अमेरिका और ब्रिटेन ने हूती विद्रोहियों को बनाया निशाना, यमन में 18 ठिकानों पर किए हमले

**इंटरनेशनल डेस्क.** अमेरिका और ब्रिटेन ने यमन में हूती विद्रोहियों के 18 ठिकानों पर शनिवार को हमले किए। ईरान समर्थित स्थानीय लड़ाकों के लाल सागर और अदन की खाड़ी में पोतों पर हाल में बढ़ते हमलों के जवाब में ये हमले किए गए हैं। हूती विद्रोहियों ने पिछले सप्ताह एक मिसाइल हमला किया था जिसके कारण एक मालवाहक पोत में आग लग गई थी।

**आठ स्थानों पर हमले किए**

अमेरिकी अधिकारियों ने अपनी पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि अमेरिका और ब्रिटेन के लड़ाकू विमानों ने

मिसाइल, लॉन्चर, रॉकेट, ड्रोन और हवाई रक्षा प्रणालियों को निशाना बनाते हुए आठ स्थानों पर हमले किए। यह चौथी बार है जब अमेरिका और ब्रिटेन की सेनाओं ने 12 जनवरी के बाद से हूती विद्रोहियों के खिलाफ एक संयुक्त अभियान चलाया है। अमेरिका इसके अलावा भी हूती विद्रोहियों पर लगभग रोजाना हमले कर रहा हैं।

अधिकारियों ने बताया कि 'यूएस एफ/ए-18 लड़ाकू विमानों को यूएसएस ड्वाइट डी. आइजनहॉवर विमानवाहक पोत से प्रक्षेपित किया गया। यह पोत इस समय लाल सागर में है।

**हमले बंद नहीं किए तो, परिणाम भुगतने होंगे**

अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा, ''अमेरिका दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण जलमार्गों में शामिल लाल सागर में जीवन और वाणिज्य के मुक्त प्रवाह की रक्षा के लिए आवश्यकतानुसार कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेगा। हम हूती विद्रोहियों को यह स्पष्ट करते रहेंगे कि यदि उन्होंने अपने अनुचित हमले बंद नहीं किए तो उन्हें इसके परिणाम भुगतने होंगे।

## पूर्व पीएम का दावा- 2008-09 में शांति का एतिहासिक अवसर था, लेकिन हमास के कारण सब बर्बाद हो गया

**तेल अवीव.** इस्राइल के पूर्व प्रधानमंत्री एहुद ओलमर्ट ने इस्राइल और हमास के बीच जारी युद्ध के बीच एक दावा किया है। पूर्व पीएम का कहना है कि 2008 के गाजा युद्धविराम के बाद इजरायल और फलस्तीन ने शांति का एक ऐतिहासिक अवसर गंवा दिया था। उन्होंने शांति स्थापति करने में मिली असफलता का कारण हमास के हमलों को बताया। गौरतलब है कि इस्राइल और हमास के बीच सात अक्तूबर से युद्ध जारी है, जब हमास ने इस्राइल पांच हजार से अधिक मिसाइलें दागीं थीं। र्स्टपोस्ट डिफेंस समिट- 2024 में शामिल हुए पूर्व पीएम ने कहा कि हमास के अनचाहे हमले के कारण हमने शांति का मौका गंवा दिया था। 2005 में मैं जब इस्राइल का उप प्रधानमंत्री बना तो गाजा अलग था। हमने गाजा में एक सेंटीमीटर भी कब्जा नहीं किया। हम गाजा से बाहर निकल आए। लेकिन हमास ने हमारे निकलते ही इस्राइली टाउनशिपों पर रॉकेट दागने शुरू कर दिए, जो अब भी जारी है। इसी वजह से इस्राइल को जवाबी कार्रवाई करना पड़ा।ओलमर्ट ने आगे कहा कि 2008 और 2009 का समय था, जब इस्राइल और फलस्तीनियों के बीच संघर्ष खत्म हो सकता था। उस वक्त मैं प्रधानमंत्री था। मैंने शांति योजना के लिए फलस्तीनी प्राधिकरण के राष्ट्रपति महमूद अब्बास को दो राज्य समाधान का प्रस्ताव दिया था।

## हारलेम के एक अपार्टमेंट में लगी भीषण आग, खुद को बचाने को खिड़की से कूदे लोग; 27 साल के भारतीय की भी मौत

**साल 2023 में लिथियम-आयन बैटरी के कारण शहर में 267 आग, 150 घायल और 18 मौतें हुईं। वहीं इस साल सोमवार तक लिथियम-आयन बैटरी के कारण आग लगने के 24 मामले आ चुके हैं।**

**न्यूयॉर्क.** न्यूयॉर्क से एक बड़ी दुखद जानकारी सामने आई है। हारलेम में स्थित एक अपार्टमेंट में भीषण आग लगने से 27 साल के एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई। बता दें, मृतक की पहचान फाजिल खान के रूप में हुई है। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय दूतावास लगातार खान के दोस्तों और परिवार के संपर्क में है।

**हर संभव सहायता कर रहे**

न्यूयॉर्क स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पर कहा, न्यूयॉर्क के हारलेम में आग लगने की घटना में 27 वर्षीय फाजिल खान की मौत के बारे में जानकर दुख हुआ। हम लगातार खान के परिवार और दोस्तों के संपर्क में है। साथ ही, उनके पार्थिव शरीर को भारत वापस लाने के लिए हर संभव सहायता कर रहे हैं।

न्यूयॉर्क के अग्निशमन विभाग के अनुसार, सेंट निकोलस प्लेस अपार्टमेंट बिल्डिंग में लिथियम-आयन बैटरी की वजह से शुक्रवार को भीषण आग लग गई। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, घटना में 17 अन्य घायल हुए हैं। आग से बचने के लिए लोगों ने रस्सी का सहारा लिया।

**आंखों देखी घटना**

एंजी रैचफोर्ड नामक शख्स ने बताया, आग सबसे ऊपर लगी थी। पुलिस लोगों के साथ नीचे आ रही थी। लोग खुद को बचाने के लिए खिड़की से बाहर कूद रहे थे।अपने पिता के साथ आग से बचने वाले एक निवासी अकील जोन्स ने कहा, मेरे पास क्या है कुछ नहीं। बस मेरा फोन, मेरी चाबियां और मेरे पिता।

**कूदने को मजबूर होना पड़ा**

सेंट निकोलस प्लेस अपार्टमेंट बिल्डिंग के निवासियों को अपनी जान बचाने के लिए कूदने के लिए मजबूर होना पड़ा।

अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, 18 लोगों को बचाया गया। 12 लोगों को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और चार पीड़ितों की हालत गंभीर बनी हुई है। विभाग के प्रमुख जॉन होजेंस ने कहा कि आग इतनी भीषण थी कि आग की लपटें कमरे के दरवाजे से बाहर आ रही थीं और सीढ़ी को अवरुद्ध कर रही थीं।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

## राष्ट्रपति जो बाइडन की याददाश्त को लेकर फिर उठे गंभीर सवाल, शी जिनपिंग को बताया रूस का राष्ट्रपति

**जो बाइडन ने व्हाइट हाउस में नेशनल गवर्नर्स एसोसिएशन के वार्षिक कार्यक्रम के दौरान जिनपिंग को रूस का राष्ट्रपति बता दिया। हालांकि तुरंत ही उन्होंने खुद को सही किया और जिनपिंग को चीन का राष्ट्रपति बताया।**

**वॉशिंगटन.** अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को उनकी कमजोर याददाश्त और बढ़ती उम्र के चलते कई बार आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा है। अब एक बार फिर जो बाइडन गलती कर गए हैं। दरअसल एक कार्यक्रम में बोलते हुए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को जो बाइडन ने रूस का राष्ट्रपति बता दिया।

**क्या बोले जो बाइडन**

जो बाइडन ने व्हाइट हाउस में नेशनल गवर्नर्स एसोसिएशन के वार्षिक कार्यक्रम के दौरान जिनपिंग को रूस का राष्ट्रपति बता दिया। हालांकि तुरंत ही उन्होंने खुद को सही किया और जिनपिंग को चीन का राष्ट्रपति बताया। बाइडन ने एक पुराना किस्सा साझा करते हुए कहा कि वह (बराक ओबामा) चाहते थे कि मैं शी जिनपिंग के बारे में जानकारी हासिल करूं क्योंकि ये साफ था कि वे (जिनपिंग) रूस के राष्ट्रपति बनने जा रहे थे, नहीं चीन के। उस वक्त हमारे रूस के साथ संबंध ठीक नहीं चल रहे थे, इसलिए ओबामा चाहते थे कि मैं उनके बारे में जानकारी हासिल करूं। मैंने देश में और चीन में

उनके साथ करीब 17 हजार मील की यात्रा की। तिब्बत में उन्होंने (जिनपिंग) ने मुझसे पूछा कि क्या आप अमेरिका की मेरे लिए व्याख्या कर सकते हैं? इस पर मैंने उनकी तरफ देखा और कहा संभावनाएं...।

**जो बाइडन की कमजोर याददाश्त को लेकर उठ रहे सवाल**

जो बाइडन पहले भी जिनपिंग के साथ 17 हजार मील लंबी यात्रा की बात कह चुके हैं। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स में बाइडन के इन दावों को खारिज किया जा चुका है। मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि बाइडन ने साल 2011 में चीन का दौरा किया था और वहां तीन दिनों तक रुके थे, लेकिन बाइडन के दावे को व्हाइट हाउस ने भी नकार दिया है। हाल के समय में जो बाइडन की कमजोर होती याददाश्त और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं की खूब चर्चा हुई है। बाइडन ने बीते दिनों मिस्त्र को मैक्सिको बता दिया था। साथ ही फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रां को फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति रहे फ्रैंकोइस मितरांद बता दिया था। यूक्रेन युद्ध का जिक्र करते हुए जो बाइडन एक बार यूक्रेन युद्ध को इराक युद्ध कह गए थे।

## राहुल गांधी, प्रियंका गांधी के साथ भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल हुए सांसद दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, (संजय अरोड़ा) सांसद दीपेन्द्र हुड्डा आज पश्चिम उत्तरप्रदेश के अलीगढ़ और आगरा में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में जारी भारत जोड़ो न्याय यात्रा में काँग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के साथ शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश में महंगाई, बेरोजगारी से हाहाकार मचा हुआ है। मौजूदा हालात में लोगों को प्रमुख रूप से पांच तरह के न्याय की जरूरत है जो हैं- भागीदारी न?याय, नारी न?याय, युवा न्याय, किसान न्याय और श्रमिक न?याय है।

लोगों के लिए न?याय सुनि?श्चित करने के पश्?चात ही देश के आम जन को ताकत और राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी जी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के संदेश को हरियाणा में 'घर-घर कांग्रेस, हर घर कांग्रेस अभियान' के जरिये हर गांव, हर शहर, हर घर तक पहुंचाने का अभियान चल रहा है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्दिष्ट एक्शन प्लान के तहत प्रत्येक लोकसभा में इस अभियान को कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता जोर शोर से चला रहे हैं। कांग्रेस कार्यकर्ता हर दिन कम से कम 2 बूथ का दौरा करके घर-घर जाकर लोगों से संवाद स्थापित कर रहे हैं और राहुल गांधी जी की न्याय यात्रा के संदेश का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि पिछले साल राहुल गांधी के नेतृत्व में कन्याकुमारी से कश्मीर तक चली भारत जोड़ो यात्रा देश के विभिन्न राज्यों से हो कर गुजरी। इस दौरान भी कई राज्यो में वे इस यात्रा के साथ भारत यात्री के रूप में शामिल हुए और फिर हरियाणा में तो यात्रा को ऐतिहासिक जनसमर्थन मिला। हरियाणा में ऐतिहासिक जनभागीदारी ने कई कीर्तिमान बनाए। जहां कड़ाके की सर्दी, कोहरे के बीच सुबह 6 बजे रिकार्ड स्वागत रैली हुई वहीं, पानीपत की विशाल रैली ने पिछले सारे रिकार्ड तोड़ दिए और हरियाणा में बीजेपी-जेजेपी के विभाजनकारी मंसूबों की धज्जियां उड़ा दी। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में सत्ता परिवर्तन तय है और कांग्रेस सरकार बनने पर सभी के लिए न्याय सुनिश्चित किया जाएगा।

# फिल्म प्रोड्यूसर ने लिखी 2000 करोड़ की ड्रग्स स्टोरी की पटकथा, 50 KG स्यूडोएफेड्रिन बरामद; विदेशों तक जुड़े तार

**नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) मुख्यालय ने दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के साथ मिलकर जॉइंट ऑपरेशन में एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स कार्टेल नेटवर्क का भंडाफोड़ करने का दावा किया है।**

**नई दिल्ली.** नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) मुख्यालय ने दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के साथ मिलकर जॉइंट ऑपरेशन में एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स कार्टेल नेटवर्क का भंडाफोड़ करने का दावा किया है। एनसीबी अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि छापेमारी में इस गैंग के तीनों सदस्यों की गिरफ्तारी के साथ ही ड्रग्स बनाने में इस्तेमाल होने वाला 50 किलोग्राम स्यूडोएफेड्रिन केमिकल भी जब्त किया गया है। गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी तमिलनाडु के रहने वाले हैं। एनसीबी के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, ड्रग नेटवर्क भारत, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और मलेशिया में फैला हुआ था। इस ऑपरेशन के दौरान, तीन लोगों को गिरफ्तार कर दिल्ली में 50 किलोग्राम स्यूडोएफेड्रिन की जब्त किया गया है।स्यूडोएफेड्रिन का इस्तेमाल मेथामफेटामाइन बनाने में किया जाता है।उन्होंने कहा कि इस केमिकल की हेल्थ मिक्स पाउडर और सूखे नारियल में इत्यादि जैसे खाद्य उत्पादों की आड़ में छिपाकर हवाई और समुद्री कार्गो के माध्यम से स्मगलिंग की जा रही था।प्रवक्ता ने कहा कि गैंग के मास्टरमाइंड की पहचान एक तमिल फिल्म निर्माता के रूप में की गई है जो फरार है। उसे पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि स्यूडोएफेड्रिन के स्रोत का पता लगाया जा सके।उन्होंने कहा कि इस पूरे अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क के बारे में न्यूजीलैंड के कस्टम अधिकारियों और ऑस्ट्रेलियाई पुलिस से सूचना मिली थी कि सूखे नारियल के पाउडर में छुपाकर बड़ी मात्रा में स्यूडोएफेड्रिन दोनों देशों में भेजा जा रहा था। यूनाइटेड स्टेट्स ड्रग एन्फोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन के इनपुट से संकेत मिलता है कि ड्रग्स की इस खेप का स्रोत दिल्ली था।

**दुनियाभर में सबसे अधिक मांग वाली ड्रग्स है मेथमफेटामाइन**

बयान में कहा गया है कि स्यूडोएफेड्रिन से बनी मेथमफेटामाइन दुनियाभर में सबसे अधिक मांग वाली ड्रग्स है और ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में लगभग 1.5 करोड़ रुपये प्रति किलोग्राम पर बिकती है। ड्रग्स स्मगलिंग करने वाले गैंग को पकड़ने के लिए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और एनसीबी की एक जॉइंट टीम का गठन किया गया था।बयान में कहा गया है कि एनसीबी और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की टीमों द्वारा 4 महीने की गहन तकनीकी और फील्ड निगरानी के बाद यह पता चला कि इस गैंग के संचालक फिर से दिल्ली में थे और ऑस्ट्रेलिया में नशे की एक और खेप भेजने की कोशिश कर रहे थे।

एनसीबी प्रवक्ता ने कहा कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा आरोपियों की तलाश में 24 घंटे की कड़ी निगरानी की गई, जो अंततः पश्चिमी दिल्ली के बसई दारापुर में उनके गोदाम तक जा पहुंची।

## दादरी नगर पालिका की चेयरमैन के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले BJP के सभासद 28 से करेंगे भूख हड़ताल

दादरी नगर पालिका में चल रहा घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है। भाजपा चेयरमैन पर आरोप लगाकर इस्तीफा देने वाले सभासदों ने 28 फरवरी से एसडीएम कार्यालय पर भूख हड़ताल पर बैठने का ऐलान किया है।

**ग्रेटर नोएडा.** ग्रेटर नोएडा के दादरी नगर पालिका में चल रहा घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है। भाजपा चेयरमैन पर आरोप लगाकर इस्तीफा देने वाले सभासदों ने 28 फरवरी से एसडीएम कार्यालय पर भूख हड़ताल पर बैठने का ऐलान किया है। असंतुष्ट सभासदों को मना पाने में पार्टी संगठन भी कामयाब नहीं हो सका है।नाराज सभासदों की मांग है कि पालिका में सभासदों की कमेटियों का गठन किया जाए। वर्तमान हालातों में चेयरमैन के अधिकार जब्त किए जाएं। दादरी नगर पालिका सीट पर भाजपा की चेयरमैन गीता पंडित हैट्रिक लगा चुकी हैं। इस बार उनके लिए

अपने ही सभासदों को संतुष्ट कर पाना चुनौती बना हुआ है।

पालिका चेयरमैन के खिलाफ इस्तीफा देने वालों में 8 सभासद भाजपा के हैं। उनके खिलाफ भूख हड़ताल पर भाजपा के ही सभासद बैठने जा रहे हैं। भाजपा के सभासद आदेश भाटी ने कहा कि 28 फरवरी से वह और उनके साथ वार्ड दो से भाजपा सभासद हरीश रावल भूख हड़ताल पर बैठेंगे, जबकि इस्तीफा देने वाले अन्य 13 सभासद एसडीएम कार्यालय पर ही प्रदर्शन में साथ रहेंगे। उन्होंने कहा कि सभासदों के इस्तीफे के बाद अभी तक जिला प्रशासन ने पालिका में हो रहे भ्रष्टाचार के कार्यों की जांच शुरू नहीं कराई है। ना ही पालिका की चेयरमैन के अधिकारों पर अभी तक रोक लगाई गई है।

उन्होंने मांग करते हुए कहा कि नगर पालिका में सभासदों की कमेटियों का गठन कर उन्हें अधिकार सौंपे जाएं और नगर पालिका क्षेत्र में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें भूमाफिया घोषित किया जाए और यह जमीनें कब्जा मुक्त कराई जाएं।

राजनीतिक साजिश की जांच कराएं चेयरमैन

नगर पालिका चेयरमैन गीता पंडित ने कहा कि यह उन्हें बदनाम करने की राजनीतिक साजिश है।

## दिल्ली में सोमवार को फिर बारिश के लिए रहें तैयार, IMD ने गर्मी पर की ये भविष्यवाणी

राजधानी दिल्ली में फरवरी के महीने में सुबह-शाम की ठंडक लगातार बनी हुई है। फरवरी के अंतिम सप्ताह में भी न्यूनतम तापमान सामान्य से कम बना हुआ है। हालांकि एक मार्च से मौसम में गर्माहट आने लगेगी।

**नई दिल्ली.** राजधानी दिल्ली में फरवरी के महीने में सुबह-शाम की ठंडक लगातार बनी हुई है। फरवरी के अंतिम सप्ताह में भी न्यूनतम तापमान सामान्य से कम बना हुआ है। हालांकि एक मार्च से मौसम में गर्माहट आने लगेगी। मौसम विभाग के अनुसार, एक मार्च को अधिकतम तापमान 30 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान 12 डिग्री तक पहुंच जाएगा। सोमवार को राजधानी में हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना भी जताई गई है।

शनिवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 8.7 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से तीन डिग्री कम है। अधिकतम तापमान 24.6 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से एक डिग्री कम है। मौसम विभाग का मानना है कि अगले कुछ दिनों में अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होने लगेगी। दिल्ली में हवा की रफ्तार भी 6 से 12 किलोमीटर प्रतिघंटा रहेगी। इसके चलते सुबह-शाम को हल्की ठंड बनी रहेगी।

**तीन दिन तक मध्यम श्रेणी में रहेगा प्रदूषण**

दिल्ली में बीते तीन दिनों से प्रदूषण मध्यम श्रेणी में बना हुआ है और अगले तीन दिन इसके मध्यम श्रेणी में ही बने रहने का अनुमान है। प्रदूषण में आई कमी के चलते पहले ही ग्रैप के दूसरे चरण की पाबंदियों को हटाया जा चुका है, अगर हवा इसी तरह साफ रही तो जल्द ही ग्रैप को हटाया जा सकता है।

## केजरीवाल को दिल्ली की इस सीट से चुनाव लड़ने की मिली चुनौती, BJP सांसद बोले- तब समझ आएगा...

**नई दिल्ली.**दिल्ली में लोकसभा की सीटों पर चुनाव लड़ने को लेकर आम आदमी पार्टी (Aam Adami Party)और कांग्रेस के बीच फॉर्मूला बन चुका है। आम आदमी पार्टी दिल्ली की चार सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ेगी और कांग्रेस के खाते में तीन सीटें आई हैं। अब बीजेपी ने क्क कांग्रेस गठबंधन पर निशाना साधा है और केजरीवाल को दिल्ली की एक अहम लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए चुनौती भी दे दी है। भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा ने कहा, दिल्ली शीला दीक्षित के नेतृत्व में कभी कांग्रेस की सरकार थी। इसके बाद जनता ने आम आदमी पार्टी को बहुमत दिया और आप ने कांग्रेस को हराया और अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनाया।

## 'प्रोजेक्ट अमृत' का सफल आयोजन

दिल्ली, 25 फरवरी, 2024: सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी की पावन छत्रछाया में प्रात: 8.00 बजे 'अमृत प्रोजेक्ट' के अंतर्गत 'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' परियोजना के दूसरे चरण का शुभारम्भ यमुना नदी के छठ घाट, आई. टी. ओ, दिल्ली से किया गया। बाबा हरदेव सिंह जी महाराज की शिक्षाओं से प्रेरित यह परियोजना समस्त भारतवर्ष के 27 राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों के 1533 से अधिक स्थानों पर 11 लाख से भी अधिक स्वंयसेवकों के सहयोग से एक साथ विशाल रूप में आयोजित की गई। संत निरंकारी मिशन की सामाजिक शाखा संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वाधान में बाबा हरदेव सिंह जी की अनंत सिखलाईयों से प्रेरणा लेते हुए 'प्रोजेक्ट अमृत' का आयोजन किया गया। इस वर्ष 'आओ संवारे, यमुना किनारे' के मूल संदेश द्वारा इस परियोजना को एक जन-जागृति का रूप प्राप्त हुआ। इस अवसर पर संत निरंकारी मिशन के सभी अधिकारीगण, गणमान्य अतिथि तथा हजारों की संख्या में स्वयंसेवक और सेवादल के सदस्य सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण संत निरंकारी मिशन की वेबसाईट के माध्यम से किया गया जिसका लाभ देश एवं विदेशों में बैठे सभी श्रद्धालु भक्तों ने प्राप्त किया। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के हजारों छात्रों एवं शिक्षकों के साथ-साथ कई संस्थाओ व पर्यावरण संरक्षण से जुड़े हुए अनेक गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया। रेडियो चैनल 92.7-बिग एफ.एम. एवं भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की भी इस अवसर पर भागीदारी रही। कार्यक्रम के समापन पर सम्मिलित हुए अतिथि गणों ने मिशन की भूरी-भूरी प्रशंसा की और साथ ही निरंकारी सत्गुरु माता जी का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मिशन ने जल संरक्षण एवं जल स्वच्छता की इस कल्याणकारी परियोजना के माध्यम से निश्चित ही प्रकृति संरक्षण हेतु एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

## कांग्रेस दिल्ली में किस लोकसभा सीट से किन्हें दे सकती है मौका? इनके नाम को लेकर अटकलें

**नई दिल्ली.** इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच लोकसभा सीटों को लेकर समझौता हो गया है। दोनों पार्टियों के नेताओं ने शनिवार को संयुक्त रूप से इसका ऐलान किया। आम आदमी पार्टी नई दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली और पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ेगी, जबकि कांग्रेस उत्तर-पश्चिम, चांदनी चौक और उत्तर पूर्वी दिल्ली से अपने उम्मीदवारों को उतारेगी। दिल्ली में कांग्रेस से किन नेताओं को दिया जा सकता है मौका? सियासी गलियारे में किन नेताओं को लेकर अटकलों का बाजार है गर्म जानने के लिए पढ़ें यह रिपोर्ट...

**लवली को दिया जा सकता है मौका**

समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस अपने दिल्ली इकाई प्रमुख अरविंद सिंह लवली को उत्तर पूर्वी दिल्ली सीट से मैदान में उतार सकती है, जहां शहर के सभी संसदीय क्षेत्रों में मुस्लिम आबादी का प्रतिशत सबसे अधिक (29 प्रतिशत से अधिक) है।

**कन्हैया कुमार को भी टिकट दे सकती है कांग्रेस**

युवा कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार का नाम भी पूर्वोत्तर दिल्ली सीट से संभावित उम्मीदवार के तौर पर चल रहा है, जहां पर पूर्वांचली मतदाताओं का दबदबा है। पूर्वोत्तर दिल्ली क्षेत्र साल 2020 में दंगों से हिल गया था।

**उदित राज का नाम भी चर्चा में**

पार्टी सूत्रों ने कहा कि 2014 में भाजपा के टिकट पर उत्तर पश्चिमी दिल्ली से जीत हासिल करने वाले उदित राज इस बार उसी निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस के उम्मीदवार हो सकते हैं। साल 2019 के चुनावों में टिकट नहीं मिलने के बाद वह बीजेपी छोड़ कर कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

**महाबल मिश्रा को मिल सकता है मौका**

कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि क्क इस बार पश्चिमी दिल्ली के पूर्व सांसद महाबल मिश्रा को उसी निर्वाचन क्षेत्र से मैदान में उतार सकती है। 2019 में कांग्रेस के उम्मीदवार महाबल मिश्रा को भाजपा के प्रवेश वर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के बेटे, ने 5.8 लाख से अधिक वोटों के भारी अंतर से हराया था।

**चांदनी चौक सीट से इन्हें दिया जा सकता है मौका**

कांग्रेस चांदनी चौक निर्वाचन क्षेत्र से भी चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जेपी अग्रवाल, जो इस निर्वाचन क्षेत्र से पूर्व में सांसद रह चुके हैं, इस बार प्रमुख संभावित माने जा रहे हैं। सूत्रों ने दावा किया कि महिला कांग्रेस प्रमुख अलका लांबा पर भी कांग्रेस विचार कर सकती है। अलका लांबा ने पहले क्क नेता के रूप में चांदनी चौक विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व किया था।

## लगातार बेटियां होने से परेशान महिला का खौफनाक कदम, दो बच्चियों को चौथी मंजिल से फेंका

**नोएडा.** नोएडा के बरौला गांव स्थित मकान में किराये पर रहने वाली महिला ने बुधवार दोपहर एक बजे के करीब अपनी दो बेटियों को चौथी मंजिल की छत से नीचे फेंका और महज एक मिनट बाद खुद भी कूद गई। एक बेटी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि महिला ने उपचार के दौरान एक घंटे बाद दम तोड़ दिया। घटना में घायल एक अन्य बेटी तीन वर्षीय दिव्या का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। एसीपी शैव्या गोयल ने बताया कि हाथरस के बोगा गांव का मनोज वर्तमान में बरौला गांव स्थित जितेंद्र शर्मा के मकान में किराये का कमरा लेकर रह रहा है। वह सेक्टर-49 थानाक्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल की कैंटीन में काम करता है। बुधवार को साढ़े नौ बजे वह घर से खाना खाने के बाद कैंटीन आ गया। इस दौरान उसकी सात साल की बड़ी बेटी स्कूल चली गई। घर पर मनोज की पत्नी 32 वर्षीय सरिता और पांच साल की बेटी कृतिका और तीन साल की बेटी दिव्या थीं।

दोपहर एक बजे के करीब पड़ोसियों ने मनोज को सूचना दी कि उसकी पत्नी सरिता दोनों बेटियों को छत से धक्का देने के बाद खुद भी नीचे कूद गई है। कृतिका की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद आनन-फानन में मनोज घर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल सरिता और दिव्या को अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान सरिता की भी मौत हो गई।

घटना की जानकारी होते ही एसीपी और थाना प्रभारी मय पुलिसबल मौके पर पहुंचे।


**NAME CHANGE**

I, Dinesh sehgal s/o Hari Krishan r/o 3693 sgm nagar faridabad haryana have change name to DINESH KUMAR SEHGAL FOR ALL purpose.

**NAME CHANGE**

I, KARTIK CH RANA father of JC-313825H, Rank-NB SUB Name-SANJOY KR RANA residing at VILL-BAGBERIA, PO & PS-SABANG, DISTT-PASCHIM MEDINIPUR, WEST BENGAL-721144 have changed my name from KARTIK CH RANA to KARTIK RANA for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01 July 1962 instead of my correct date of birth as 01 January 1958 Vide Affidavit dated 24/02/2024 before Notary Public Delhi.

**NAME CHANGE**

I, JANARDAN MANDAL father of 16124781P, Rank-HAV Name-APURBA MANDAL residing at VILL-MURURA, PO –HAZARPUR NABAGRAM, PS-KANDI, DISTT-MURSHIDABAD, WEST BENGAL-742136 have changed my name from JANARDAN MANDAL to JANARDAN MONDAL for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01 January 1963 instead of my correct date of birth as 16 January 1961 Vide Affidavit dated 24/02/2024 before Notary Public Delhi.

**NAME CHANGE**

I, hitherto known BABLI D/O RAJ KUMAR Permanent Residence VILLAGE NIMAR BADESRA, NIMAR(61), CHANDWAS, BHIWANI, HARYANA-127308, Presently Residing at RZ-62B, S/F, S-BLOCK, NEW ROSHAN PURA NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name and shall hereafter be known as RISIKA.

**NAME CHANGE**

I, No-15686274W Rank-HAV Name-SUBODH KUMAR GIRI S/o HIRDEYA NAND GIRI residing at VILL-JODHAULI, PO-AMNOUR, TEH-MARHAURAH, DIST-SARAN, BIHAR-841401 have changed my minor daughter's name from KUMARI PRACHI to PRACHI for all future purposes vide affidavit dated 24/02/2024 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**

I,Richa Kapoor W/o Akshay Sehgal R/o-H.no 468 Kashmiri Bagh Kishanganj Delhi-110007 Have Change My Name From Richa Kapoor To Richa Sehgal For All Purposes.

**NAME CHANGE**

I, ASAD AHMED SIDDIQUI S/O EKHLAQUE AHMED SIDDIQUI R/O R-286/2, ABDUL HAMEED ROAD, JOGABAI EXTN., OKHLA, NEW DELHI-110025, mistakenly entered my father's name "AKHLAQUE AHMAD" in my passport whereas the correct name of my father's is "EKHLAQUE AHMED SIDDIQUI" and to be known as "EKHLAQUE AHMED SIDDIQUI" for all purpose.

**PUBLIC NOTICE**

t is for general information that I, VISHAL SINGH S/o RAJ SINGH, R/o 84, Rajapur Gaon, sector - 9, Rohini, North West Delhi, Delhi-110085, declare that name of mine and my Mother have been wrongly written as VISHAL and OM VATI in my 10th, 12th & Graduation Educational Documents. The actual name of mine and my Mother are VISHAL SINGH and OM WATI respectively, which may be amended accordingly.

**PUBLIC NOTICE**

It is for general information that I, VINOD KUMAR CHAURASIYA S/o Shri Ram Dass residing at C-2/ 160, Gali No. 3, 2nd Pusta, Sonia Vihar, Karawal Nagar, North East Delhi, Delhi -110094 declare that the name of mine , my Wife and my minor Daughter have wrongly written as VINOD KUMAR , SUMITRA DEVI and SAKSHI in my minor Daughter namely SAKSHI KUMARI aged 15 years in her School Record. The actual name of mine , my Wife and my minor Daughter are VINOD KUMAR CHAURASIYA , SUMITRA and SAKSHI KUMARI respectively, which may be amended accordingly.

**NAME CHANGE**

I, RAMNAVAL SINGH S/O JWALA SINGH residing at RANIPUR BANDA UTTAR PRADESH DELHI-210203 have changed my name to for RAM NEVAJ SINGH all future purpose.

**सार्वजनिक सूचना**

आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती जमशीर जहां, उम्र लगभग 59 वर्ष, पत्नी स्वर्गीय मोहम्मद हनीफ, निवासी 499, गली नं. 41, जाफिर नगर, ओखला, नई दिल्ली-110025, उन्होंने अपने बेटे श्री रिज़वान हनीफ को अपनी सारी संपत्ति (चल और अचल दोनों) से बेदखल कर दिया है और अब वह उनका कानूनी उत्तराधिकारी नहीं है। मेरे मुवक्किल की मौजूदा और भविष्य की संपत्ति पर उसका कोई अधिकार नहीं है।

[ अनुभव अग्रवाल ]
Off.: 173, Sector-41, Noida, UP-201303
Phone: 9870270278

**सार्वजनिक सूचना**

जन साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती कमलेश कौर पत्नी श्री हरमनजीत सिंह आवासीय संपत्ति डी-3/IV, ब्लॉक-डी, राजौरी गार्डन, दिल्ली-110027 के मलिक व काबिज है।, उपरोक्त संपत्ति आनंद राठी ग्लोबल फाइनेंस लिमिटेड शाखा ए-254, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली, दिल्ली 110024 द्वारा वित्तपोषित है। उपरोक्त संपत्ति के स्वामित्व सम्बंधित दस्तावेज़ मूल उपहार विलेख रजि. संख्या 23433 × सुधार विलेख दिनांक 10.03.2011 रजि. संख्या 5804, कही खो गया है, जिसका एफआईआर (प्राथमिकी नंबर) एल.आर. संख्या 1477486/2024 दिनांक 23.02.2024 को ऑनलाइन पी.एस. क्राइम ब्रांच, दिल्ली में दर्ज की गई है यदि मूल बिक्री विलेख किसी भी व्यक्ति के कब्जे में पाया जाता है तो कृपया मूल संपत्ति दस्तावेजों के साथ हमे इस नोटिस की तारीख से 07 दिनों के भीतर निम्न पते पर संपर्क करें ! ऐसा न करने पर, उपरोक्त बिक्री विलेख के अनुसार विषय संपत्ति के संबंध में शून्य और शून्य के रूप में दावा माना जाएगा.

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122, Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

**NAME CHANGE**

I, BRINDA SINGH W/O RAM NEVAJ SINGH residing at RANIPUR BANDA UTTAR PRADESH DELHI-210203 have changed my name to for BUDDI all future purpose.

**NAME CHANGE**

I, SHALINI PRABHA SRIVASTAVA W/O NITIN SRIVASTAVA residing at JA 51 F HARI NAGAR BEHIND SWARAG ASHRAM MANDIR NEW DELHI-110064 have changed my name to SHALINI SRIVASTAVA for all future purpose.

**PUBLIC NOTICE**

My Client, Mr. Avdhesh Kumar, age 37 years, S/o Lt. Mr. Chattu Sah, R/o House No. RZ-32/397, Gali No. 1-A, Shiv Puri, West Sagarpur, Sagarpur, South West Delhi-110046. Is the owner of Plot of land area measuring total 50 sq. yards out of Khasra No. 34 situated at Akshardham Colony Part-3, B-Block, Village Haldoni, Pargana & Tehsil Dadri, District Gautam Budh Nagar, U.P. After the death of his father Mr. Chattu Lal Shah via GPA & WILL of dated 11.04.2022 executed by his brother Mr. Abadh Shah in favour of himself / Mr. Avdhesh Kumar for 25 sq. yards is now mortgaging the said property total 50 sq. yards w.r.t. to above mentioned property with Fusion Micro Finance Ltd. Any person/bank/financial institution having any claim/right, lien any objection whatsoever in regard to above property, should notify to the undersigned/Adv. Aditya Verma, C-2/12 Yamuna Vihar, Delhi-110053. along with documentary evidence under address through registered a/d within 7 days from the date of publication of this notice, failing which any claim, lien or objection shall be deemed to have been waived.

ADITYA VERMA, ADV.
C-2/12, Yamuna Vihar, Delhi-110053
MOBILE NO. 9999042521.

**NAME CHANGE**

I, hitherto known BABLI D/O RAJ KUMAR Permanent Residence VILLAGE NIMAR BADESRA, NIMAR(61), CHANDWAS, BHIWANI, HARYANA-127308, Presently Residing at RZ-62B, S/F, S-BLOCK, NEW ROSHAN PURA NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name and shall hereafter be known as RISIKA.

**DATE OF BIRTH CHANGE**

I, AMALABALA RANA Mother of JC-313825H, Rank-NB SUB Name-SANJOY KR RANA residing at VILL-BAGBERIA, PO & PS-SABANG, DISTT-PASCHIM MEDINIPUR, STATE-WEST BENGAL, PIN-721144, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01 July 1965 instead of my correct date of birth as 01 January 1969 vide affidavit dated 24/02/2024 before Notary Public, Delhi.

**PUBLIC NOTICE**

All concerned are hereby inform through this public notice that my clients Sh. Baburam S/o Sh. Bhagwan Singh and Smt. Rekha Sharma W/o Sh. Baburam both R/o RZ-15 B, Indira Park, Extn Part-1, Uttam Nagar, West Delhi, Delhi- 110059, have dishonored and debarred and seized all relation with their son Siddharth Gaur S/o Sh. Baburam and his wife Suman Gaur, W/o Sh. Siddharth Gaur from their movable and immovable properties with them as the above said son and his wife had demolish the reputation of my clients in the society and they are not treating my clients as there lawful mother and father, my clients shall not be held responsible for any of his acts, deed and things in whatsoever in any manner and if anyone deal with him, shall be deal as per his/her own risk, cost and consequences.

PRAMOD KUMAR ADVOCATE
Ch.No.437, Lawyers Chambers, Dwarka Court Complex, Dwarka, New Delhi-110075

**PUBLIC NOTICE**

It is for general information that I, SATYA BHAN S/o KAILASI RAM, R/o G-76 Block F/G Nihal Vihar Nangloi West Delhi, Delhi-110041, declare that name of mine has been wrongly written as SATNAM BHAN in my minor son RAHUL aged 17 years in his 10th and 12th Class school certificate. The actual name of mine is SATYA BHAN, which may be amended accordingly.

**PUBLIC NOTICE**

This is for information of General Public that Mr. Vaibhav Sharma is purchasing the Residential Freehold Built up Property Bearing No. A-16, area measuring 83.25 Sq. Yds. (69.61 Sq. Mtrs.), out of Khasra No. 33/1, situated at Radhey Shyam Park Extn, Village Khureji Khas, Delhi-110051 from Mrs. Shanti Devi., who has lost Original Sale Deed dated 12.05.1972 executed by Mr. Kishan Chand Chawla in favour of Mr. Durga Parshad having Registration No. 6453 in Book No. 1, Vol. No. 583 on pages 82 to 83, on dated 12.05.1972 registered with the office of the Sub Registrar-IV, Delhi, Original Will dated 03.04.1973 executed by Mr. Durga Parshad in favour of Mr. Shanti Saroop Narang and Original Agreement to Sell dated 03.04.1973 between Mr. Durga Parshad and Mr. Shanti Saroop Narang, in relation to property in question. In case anybody finds the above said documents and any person having any claim/s in respect of the above said property in any manner whatsoever are hereby required to give notice of the same to the undersigned at the address given below within 10 days from the date of publication hereof together with copies of documents on the basis of which such claim be deemed that there is no claim against the said property and my client may proceed with its intended object as mentioned above.

RAJESH K GUPTA Advocate
F - 43, Dilshad Colony, Delhi- 110095, 8882766856, rlegalloan@gmail.com

# फर्जी फर्म मामले में वीरेंद्र गुप्ता गिरफ्तार

**सिरसा.** एसआईटी ने हिसार रोड स्थित अमृतसर हवेली के संचालक एवं नगर के प्रमुख कारोबारी वीरेंद्र गुप्ता उर्फ डब्बू को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार एसआईटी ने 27 जुलाई 2016 को दर्ज एफआईआर में वीरेंद्र गुप्ता की गिरफ्तारी दशाई गई है। पुलिस ने आबकारी एवं कराधान विभाग सिरसा की शिकायत पारस ट्रेडिंग कंपनी के संचालन पर दर्ज किया गया था। पारस ट्रेडिंग कंपनी का संचालन जनता भवन रोड सिरसा पर दर्शाया गया था। उक्त फर्म द्वारा बोगस दस्तावेज के आधार पर सरकारी खजाने से 24 लाख 17 हजार रुपये का रिफंड लिया गया था। इस मामले में आबकारी एवं कराधान विभाग सिरसा के तत्कालीन अधिकारियों की कथित संलिप्तता रहीं। मामले में एसआईटी कराधान विभाग के तत्कालीन ईटीओ अशोक सुखीजा को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है

**शशिबाला है फर्म की संचालिका**

पुलिस द्वारा मैसर्ज पारस ट्रेडिंग कंपनी के मामले में फर्म की संचालिका शशिबाला पत्नी अशोक कुमार निवासी आरएसडी कालोनी सिरसा के खिलाफ धोखाधड़ी करने की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। उक्त फर्म द्वारा रेडिमेड गारमेंट का कारोबार दर्शाया गया था। जबकि फर्म द्वारा सिगरेट इत्यादि की अन्य प्रदेशों में खरीद-बेच दर्शाई गई। फर्म द्वारा 24 लाख 17 हजार 57 रुपये का रिफंड क्लेम किया गया। बोगस दस्तावेजों के आधार पर सिरसा से दिल्ली माल की सप्लाई दर्शाई गई थी। मामले में दिल्ली की फर्म मैसर्ज श्रीगोपाल इंटरप्राइजिज मोलारगंज बदरपुर एक्सटेंशन नई दिल्ली की भी संलिप्तता सामने आई।

# कुरुक्षेत्र से करेंगे जीत की शुरुआत : अनुराग ढांडा

**चंडीगढ़.** आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने कहा की भाजपा को अब हरियाणा से निकलने की तैयारी कर लेनी चाहिए। 'इंडिया' गठबंधन का ऐलान हो चुका है। हरियाणा की सभी 10 सीटों पर भाजपा का मुकाबला इंडिया गठबंधन से होगा। जहां भाजपा की सीधी टक्कर इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार से होगी, वहां भाजपा हारेगी। आम आदमी पार्टी को इंडिया गठबंधन में कुरुक्षेत्र सीट मिली है। कुरुक्षेत्र अधर्म पर धर्म पर जीत का प्रतीक है। हरियाणा में चुनावी जीत की शुरुआत यहीं से करेंगे।शनिवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में ढांडा ने कहा कि हरियाणा के बजट से स्पष्ट हो गया है कि भाजपा का हरियाणा से जाने का समय नजदीक आ गया है। हरियाणा सरकार लगातार घाटे का बजट पेश कर रही है। कर्जा 70 हजार करोड़ से 3 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। इसकी वजह से हरियाणा की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। किसानों पर लगातार अत्याचार बढ़ रहे हैं। आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं, लाठियां बरसाईं जा रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने कृषि बजट में भी कटौती कर दी। वहीं ग्रामीण विकास और पंचायत के बजट में भी कटौती कर दी गई है। वहीं 9 साल के बाद भी खट्टर सरकार चलो गांव की ओर योजना चला रही है। भाजपा सरकार आम आदमी पार्टी की योजनाएं को नकल करने में लगी है। पहले तो मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना की घोषणा की गई और अब बजट में प्रावधान किया गया है। वहीं इसमें सिर्फ 1 लाख से कम आय वालों को शामिल किया है।

# खुलने लगा कुंडली-सिंघु बॉर्डर, फिलहाल सर्विस लेन खुलेंगी

**सोनीपत.** किसानों के दिल्ली कूच के ऐलान को लेकर बंद किए गए कुंडली-सिंघु बॉर्डर को पुलिस-प्रशासन ने 11 दिन बाद आंशिक रूप से खोलने की प्रक्रिया शनिवार को शुरू कर दी है। हालांकि, अभी सिर्फ सर्विस रोड की दो लेन खोली जा रही हैं। इसके लिए बुलडोजर से सीमेंटिड दीवार को तोड़ा जा रहा है। कंटेनर खाली कर हटाए गए हैं।

इससे क्षेत्र के लोगों के साथ ही आसपास के करीब साढ़े 5 हजार फैक्टरियों व अन्य को बड़ी राहत मिलेगी। इधर, खरखौदो के औचंदी बॉर्डर को भी खोल दिया गया है। उधर, टीकरी बॉर्डर को भी आंशिक रूप से खोला जा रहा है। किसानों ने फिलहाल दिल्ली कूच को 29 फरवरी तक टाल दिया है। बताया जा रहा है कि किसानों व सरकार के बीच वार्ता सफल रहने की उम्मीद है।

**अस्पताल में भर्ती किसान हरियाणा हमें सौंपें पंजाब**

चंडीगढ़ (ट्रिन्यू) पंजाब के मुख्य सचिव ने हरियाणा के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर घायल किसान पंजाब को सौंपने की मांग की है। आंदोलन में घायल किसान प्रीतपाल सिंह पीजीआई रोहतक में उपचाराधीन है। प्रीतपाल सिंह 21 फरवरी को लापता हुआ था। अब शनिवार को पंजाब के मुख्य सचिव अनुराग वर्मा ने हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल को पत्र लिखकर किसान को पंजाब के सुपुर्द करने के लिए कहा है।

**बैनीवाल महासभा, सर्वखाप किसानों के साथ**

कैथल/जींद (हप्र) बैनीवाल महासभा खाप हरियाणा के प्रांतीय प्रधान भरत सिंह बैनीवाल व वरिष्ठ उपप्रधान डॉ. दलबीर ने कहा कि बैनीवाल महासभा खाप किसानों का साथ देगी। वहीं, सर्वखाप, जनकल्याण मंच और किसान संगठनों की जींद के कंडेला गांव में सर्वखाप के राष्ट्रीय अध्यक्ष टेकराम कंडेला की अध्यक्षता में हुई बैठक में भी ऐसा ही फैसला लिया गया।

**खनौरी बार्डर पर निकाला कैंडल मार्च**

संगरूर (निस) खनौरी बॉर्डर पर आज शाम किसानों ने कैंडल मार्च निकाला और हरियाणा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। किसान नेताओं के बुलावे पर दूसरे दिन भी काला दिवस मनाया गया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पुतले जलाए गए।

**डब्ल्यूटीओ सारे मसले की जड़ - डल्लेवाल**

राजपुरा (निस) किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि डब्ल्यूटीओ सारे मसले की जड़ है। यह हर वर्ग के लिये नुकसानदायक है। इसलिये 26 फरवरी को दुबई में हो रही डब्ल्यूटीओ की मीटिंग का हम पूर्ण तौर पर विरोध करते हुये डब्ल्यूटीओ के पुतले फूंकेंगे।

# विभागवार अध्ययन करने के बाद सोमवार को पेश करेंगी रिपोर्ट

**चंडीगढ़.** हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने विधायकों की आठ कमेटियों का गठन किया है। कमेटियों के गठन का नोटिफिकेशन विधानसभा सचिवालय की ओर से जारी कर दिया गया है। इनमें से दो कमेटियों की कमान भाजपा विधायकों तथा छह की भाजपा-जजपा विधायकों के हाथों में है। वित्त मंत्री होने के नाते मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा शुक्रवार को पेश किए गए पांचवें और आखिरी बजट का अध्ययन करेंगी।कमेटियों को अलग-अलग विभागों की कमान सौंपी गई हैं। कमेटियां सभी विभागों के लिए अलॉट बजट, विभिन्न योजनाओं के लिए हुए आवंटन आदि की स्टडी करने के बाद सोमवार को विधानसभा में अपनी रिपोर्ट पेश करेंगी। कमेटियों की सिफारिशों में से अगर जरूरी हुआ तो मुख्यमंत्री योजनाओं और उनके लिए आवंटित किए गए बजट में संशोधन भी कर सकते हैं। हालांकि बजट के स्वरूप में किसी तरह का बदलाव नहीं होगा। स्पीकर ने विधानसभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन को लेकर तय नियमों के नियम 190(ख) के अंतर्गत कमेटियों का गठन किया है। लोक प्रशासन तथा शासन पर बनाई गई कमेटी का नेतृत्व पूर्व शिक्षा मंत्री व झज्जर विधायक गीता भुक्कल करेंगी। यह कमेटी विधानसभा, राज्यपाल व मंत्री परिषद, सामान्य प्रशासन, निर्वाचन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, अग्निशमन सेवाएं तथा आबकारी एवं कराधान विभाग को खंगालेगी। कमेटी में घनश्याम दास सर्राफ, दूड़ाराम, गोपाल कांडा, दीपक मंगला, भव्य बिश्नोई, जोगीराम सिहाग, इंदूराज नरवाल, सुभाष गंगौली व धर्मपाल गोंदर को सदस्य बनाया है।गृह (गृह रक्षी व नागरिक सुरक्षा), जेल, न्यायिक प्रशासन से जुड़ी कमेटी का चेयरमैन डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा को बनाया है। उनके साथ कमेटी में पूर्व सीएम और विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा, जयवीर सिंह वाल्मीकि, शकुंतला खटक, महिपाल ढांडा, मोहन लाल बड़ौली, राजेश नागर, रामनिवास सुरजाखेड़ा व नयनपाल रावत को बतौर सदस्य शामिल किया है। वित्त पर बनाई गई स्थाई समिति के चेयरमैन अंबाला सिटी विधायक असीम गोयल होंगे।इस कमेटी के सदस्यों के रूप में पूर्व मंत्री किरण चौधरी, अभय सिंह चौटाला, हरविंद्र कल्याण, विनोद भ्याना, आफताब अहमद, नैना सिंह चौटाला, सीता राम यादव व अमित सिहाग को शामिल किया है।

कृषि, पशुपालन एवं डेयरी, मत्स्य पालन, खनन एवं भूविज्ञान तथा पर्यावरण, वन एवं वन्य प्राणी विभागों के लिए बनाई कमेटी का नेतृत्व यमुनानगर विधायक घनश्याम दास अरोड़ा करेंगे। उनके सहयोग के लिए मोहम्मद इलियास, बिशन लाल सैनी, बिशम्बर वाल्मीकि, लक्ष्मण नापा, निर्मल रानी, बलबीर सिंह वाल्मीकि, शमशेर सिंह गोगी व रणधीर सिंह गोलन को कमेटी में शामिल किया है।खाद्य एवं सहकारी क्षेत्र का जिम्मा ईश्वर सिंह को स्पीकर ने खाद्य एवं सहकारी क्षेत्र की कमेटी का चेयरमैन गुहला से जजपा विधायक ईश्वर सिंह को बनाया है। सहकारिता, खाद्य एवं आपूर्ति, सैनिक एवं अर्द्धसैनिक कल्याण मामले तथा सेवा विभाग के लिए आवंटित किए बजट और नई योजनाओं पर कमेटी अध्ययन करेगी। कमेटी में राव दान सिंह, धर्म सिंह छोक्कर, कृष्ण लाल मिद्?ढा, संजय सिंह, सुधीर कुमार सिंगला, सत्य प्रकाश जरावता, चिरंजीव राव व कुलदीप वत्स को भी शामिल किया है।

# पुलिस ने मालिकों को लौटाये लाखों की कीमत के बरामद 31 मोबाइल फोन

**फरीदाबाद.** पुलिस उपायुक्त अपराध हेमेंद्र कुमार मीणा ने फरीदाबाद विभिन्न क्राइम ब्रांच के द्वारा तलाश किए गए 31 मोबाइल फोन मालिक के हवाले किया है। इस मौके पर एसीपी क्राइम अमन यादव व पुलिस टीम मौजूद रही।पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि साइबर सेल और अपराध शाखा की टीम ने लाखों रुपये की कीमत के 31 मोबाइल फोन तलाश व बरामद किए। इसमें से कुछ फोन ऐसे थे जो विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में शामिल आरोपियों से बरामद हुए हैं। बरामद किए गए मोबाइल फोन के मालिकों का पता लगाया गया। उनको डीसीपी अपराध के कार्यालय में बुलाया गया। डीसीपी क्राइम हेमेंद्र कुमार मीणा ने फोन मालिकों के हवाले किए।इस दौरान एसीपी क्राइम अमन यादव भी मौजूद रहे। डीसीपी अपराध ने बताया कि बताया कि कई लोगों की थानों पर मोबाइल गुम होने की शिकायतें प्राप्त होती रहती हैं।

उन्होंने बताया कि मोबाइल फोन गुम होने पर या चोरी होने पर पुलिस में शिकायत जरूर दें। गुम या चोरी हुए फोन किसी क्राइम में इंवॉल्व हो सकता है इस तरह की परेशानियों से बचने के लिए गुमशुदगी की सूचना पुलिस को दें। किसी भी व्यक्ति से पुराना मोबाइल खरीदने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर लें अथवा किसी भरोसेमंद दुकान से ही मोबाइल फोन खरीदें।

सस्ते के चक्कर में किसी अनजान से फोन न खरीदें, हो सकता है वह फोन किसी क्राइम में इंवॉल्व हो। सेकंड हैंड फोन किसी दुकान से खरीदे या अपने किसी जानकार से लें उसका बिल अवश्य लें। मोबाइल फोन खरीदने पर उसका बिल एवं आईएमईआई नंबर अपने पास सुरक्षित रखें।

# हरियाणा के कई इलाकों में इंटरनेट सेवा हुई बहाल, किसान मजदूर मोर्चा का फेसबुक पेज सस्पेंड

**हरियाणा डेस्क(अमन कपूर अंबाला)** . राज्य के कई इलाकों में 10 फरवरी को किसान आंदोलन के चलते हरियाणा के कई जिलों में इंटरनेट सेवा को बंद कर दिया गया था और अब कई इलाकों में इसे बहाल कर दिया गया है। इंटरनेट सेवा के शुरू होने से लोगों को बड़ी राहत मिली है। बता दें हरियाणा के सात जिलों अंबाला, कुरुक्षेत्र, कैथल, जींद, हिसार, फतेहाबाद, सिरसा में इंटरनेट सेवाएं बंद की गई थी।

इसके अलावा किसान आंदोलन के बीच सरकार की ओर से एक और कार्रवाई की गई है। मोर्चा का नेतृत्व कर रहे किसान मजदूर मोर्चा का फेसबुक पेज बंद कर दिया गया है। इसके साथ ही सामने वाले के इंस्टाग्राम अकाउंट पर 7 पोस्ट पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है।

**प्रदर्शनकारियों से की जाएगी नुकसान की भरपाई**

हरियाणा की सभी सीमावर्ती जिलों की सीमाएं सील कर दी गई थीं और 15 जिलों में धारा 144 लगाई गई थी। इसके पुलिस उपद्रवियों व शरारती तत्वों पर ड्रोन, सीसीटीवी कैमरे से नजर रख रही थी। संपत्ति की नुकसान की भरपाई प्रदर्शनकारियों से करवाई जाएगी।गौरतलब है कि किसानों का एमएसपी पर फसल खरीद की कानूनी गारंटी, स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू करने समेत अन्य मांगों को लेकर दिल्ली कूच का ऐलान किया गया है। इस मोर्चे का नेतृत्व किसान मजदूर मोर्चा और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) कर रहे हैं। फिलहाल किसान शंभू और खनौरी बॉर्डर पर डटे हुए हैं।वहीं दिल्ली पुलिस ने शनिवार को सिंघू और टीकरी बॉर्डर खोल दिए है। पुलिस ने दोनों बॉर्डर पर आवाजाही के लिए एक हिस्सा खोला है।

किसानों के 'दिल्ली चलो' मार्च के मद्देनजर दिल्ली-हरियाणा सीमा पर सिंघू और टीकरी सीमा मार्गों को करीब दो सप्ताह तक बंद रखने के बाद प्रशासन ने शनिवार को उन्हें आंशिक रूप से खोलने की प्रक्रिया शुरू कर दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

# खबर का असर: फर्जी भर्ती घोटाले में बड़ी कार्रवाई, हैफेड डी.एम. व बैंक मैनेजर सस्पेंड

**कैथल (जयपाल रसूलपुर)** . जिले की विभिन्न कोऑपरेटिव सोसायटी व बैंकों में हुए फर्जी भर्ती घोटालों पर अब सरकार ने एक्शन लेना शुरू कर दिया है। इनमें कैथल नई अनाजमंडी स्थित को-ऑपरेटिव मार्केटिंग सोसायटी में पिछले साल बैक डोर से की गई 14 युवाओं की भर्ती करने के मामले में अब बड़ी कार्रवाई हुई है। चंडीगढ़ हैफेड मुख्यालय ने पत्र जारी करते हुए कैथल हैफेड के डी.एम. सुरेश वैद्य व सी.एम.सी मैनेजर शिशन पाल को फर्जी भर्ती का दोषी मानते हुए तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही दोनों अधिकारियों की सैलरी में 50 प्रतिशत कटौती करके इन्हें मुख्यालय से अटैच किया गया है। इस भर्ती प्रक्रिया में विभाग के और किन-किन अधिकारी व कर्मचारियों की साथ गांठ रही है। इसको लेकर भी मुख्यालय स्तर पर अलग से विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।गौरतलब है कि नई अनाज मंडी स्थित को-ऑपरेटिव मार्केटिंग कम प्रोसेसिंग सोसायटी में साल 2023 के दौरान 14 युवाओं को गलत तरीके से अलग- अलग पदों पर भर्ती किया गया था। जिसको लेकर क्योड़क निवासी कौशल्या ने सीएम विंडो से लेकर मुख्यालय स्तर पर इसकी शिकायत की थी। इसके साथ ही स्वयं राज्यमंत्री कमलेश ढांडा ने भी हैफड प्रबंधक निदेशक को उपरोक्त दोनों अधिकारियों को सस्पेंड करने के लिए पत्र लिखा था। इसके बावजूद भी लंबे समय से यह मामला ठंडे बस्ते में था। पंजाब केसरी ने बैक डोर से की गई इस भर्ती घोटाले को प्रमुखता से प्रकाशित किया जिस पर संज्ञान लेते हुए अब हैफड मुख्यालय द्वारा कैथल हैफेड के डी.एम.

सुरेश वैद्य व सी.एम.सी मैनेजर शिशन पाल के खिलाफ ठोस कार्रवाई की है।

**ऐसे हुआ था भर्ती में गोलमाल**

बता दें कि 22 दिसंबर 2023 को समिति निदेशक मंडल की एक मीटिंग की गई। जिसमें एजेंडा रखा गया कि मार्केटिंग सोसायटी में जिले के विभिन्न स्थानों में फसल खरीद के लिए सहायक लेखाकार,स्टोर कीपर, क्लर्क, विक्रेता, सेवादार व चौकीदार पदों के लिए 14 युवाओं की नियुक्ति करनी है। इस पर सदस्यों के साथ साथ हैफेड डीएम सुरेश वैध, तत्कालीन एआर जितेंद्र कौशिक, सोसायटी मैनेजर शिशन पाल सहित सभी ने हस्ताक्षर करके प्रस्ताव पास किया था। लेकिन निरीक्षक इंचार्ज शमशेर सिंह ने अपने साइन नहीं किए थे। इसके बाद भी उपरोक्त अधिकारियों ने मिली भक्ति कर फर्जी तरीके से इस भर्ती प्रक्रिया को अंजाम दे दिया और मीटिंग के 6 दिन बाद 28 दिसंबर को सभी कर्मचारियों की जॉइनिंग भी करा दी। हालांकि निरीक्षण शमशेर सिंह ने इसका विरोध भी किया था, जैसे ही यह मामला और लोगों तक पहुंचा तो इसकी शिकायत की गई। इसी बीच यह मामला राज्य मंत्री कमलेश ढांडा के संज्ञान में भी आया और उन्होंने भी हैफेड के प्रबंधक निदेशक चण्डीगढ़ को कैथल हैफेड के डी.एम. सुरेश वैद्य व सी.एम.सी मैनेजर शिशन पाल को सस्पेंड करने के लिए लिखा था। इस भर्ती का खुलासा होने के बाद अधिकारियों ने अपनी साख बचाने के लिए आनन फानन में भर्ती प्रक्रिया की प्रोसीडिंग बुक में बाद में अपनी असहमति जताई और भर्ती प्रक्रिया को रद्द करने की बात कही गई। लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी।

सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार इस पूरी भर्ती में बड़े स्तर पर मोटे पैसों की लेनदेन हुई है। जिसमें युवाओं को पक्की नौकरी देने का आश्वासन दिया गया था। हालांकि पैसों की लेनदेन को लेकर अभी तक भी कोई युवा सामने नहीं आया है। लेकिन इस भर्ती प्रक्रिया में डीएम, एआर व मैनेजर से लेकर कमेटी के सदस्यों तक की भूमिका संदेह के घेरे में है। बता दें कि इस भर्ती प्रक्रिया में शामिल तत्कालीन असिस्टेंट रजिस्टार जितेंद्र कौशिक पहले ही भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद है, जबकि हैफड मुख्यालय ने अब कैथल डी.एम. सुरेश वैद्य व सी.एम.सी मैनेजर शिशन पाल को सस्पेंड किया गया है ।

**इन भर्तियों की जांच में भी निकलेंगे घोटाले**

बताते चलें कि पिछले तीन सालों में जिले की विभिन्न को-ऑपरेटिव सोसायटी व बैंकों में भी इसी तरह युवाओं की भर्तियों के नाम पर खूब धांधली हुई है। इन भर्तियों में अधिकारियों द्वारा विभागीय नियमों को दरकिनार कर गलत तरीके से विभिन्न पदों पर पैसे लेकर या अपने चहेतों को नौकरी पर रखा गया है। अब तक की अगर बात की जाए तो जिले के 337 कर्मचारियों की नियुक्ति में धांधली के आरोप लग चुके है। इनमे सबसे बड़ी भर्ती साल 2021 में कैथल के सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक में हुई है। इसमें 231 कर्मचारियों को सरकार द्वारा आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की भर्ती पर रोक लगाने के दो दिन पहले ही बैक डेट में जॉइनिंग करवाने के आरोप लगे हैं। ऐसे ही ग्रामीण क्षेत्रों में बनी एक दर्जन से अधिक को-ऑपरेटिव सोसायटी में भी सैंकड़ों युवाओं गलत तरीके से नियुक्ति देकर नौकरी पर रखा है। जबकि नियम के अनुसार कमेटी सदस्य अपने ब्लड रिलेशन में किसी को भर्ती नहीं कर सकते। ऐसे ही ढांड सी.एम.सी में भी 3 युवाओं को गलत तरीके से भर्ती करने के आरोप हैं।

# CM मनोहर लाल बोले- हरियाणा की पहचान धाकड़ किसान-जवान और पहलवान

**कैथल (जयपाल रसूलपुर)** . हरियाणा के कैथल में मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर शनिवार को एक खेल-कूद स्पर्धा में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की पहचान धाकड़ किसान,धाकड़ जवान व धाकड़ पहलवानों से है। प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए जहां इन्फ्रास्ट्रक्चर पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, वहीं खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता के अलावा नौकरियों में भी ए, बी, सी श्रेणी के तहत आरक्षण देकर उनका भविष्य सुरक्षित किया जा रहा है।

**बजट में 400 और नई खेल नर्सरियां खोलने का रखा प्रावधान**

इस मौके पर उन्होंने विजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया तथा सांसद खेल स्पर्धा में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों व कोचों को एक-एक हजार रुपये देने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने खिलाडियों को खेल की भावना से खेलने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि राज्य में खेलों को बढ़ावा देने के लिए पहले से ही 1100 खेल नर्सरियां चल रही हैं और इस बार बजट में 400 और नई खेल नर्सरियां खोलने का फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में विजेता रहने वाले खिलाड़ियों को पूरे देश में सबसे ज्यादा प्रोत्साहन राशि दी जाती है। ओलम्पिक स्वर्ण विजेता को 6 करोड़ रुपये की राशि दी जाती है जोकि किसी भी प्रदेश से सर्वाधिक है।मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इस खेल स्पर्धा में पहले स्थान पर रही कैथल की टीम को 55 हार्सपॉवर इंडो फार्म ट्रैक्टर, मैडल, सर्टिफिकेट व शील्ड देकर तथा दूसरे स्थान पर रहने वाली कुरूक्षेत्र की टीम को 45 हार्सपावर इंडो फार्म ट्रैक्टर, मैडल, सर्टिफिकेट व शील्ड तथा तीसरे स्थान पर रही यमुनानगर की टीम को मैडल, सर्टिफिकेट, शील्ड व 1 लाख 11 हजार रुपये देकर सम्मानित किया।

## महंगाई से कब मिलेगी राहत? अब एफएमसीजी कंपनियां गिराने वाली हैं गाज

**नई दिल्ली.**

महंगाई से राहत का इंतजार कर रहे आम लोगों को निराशा हाथ लग सकती है. एक तरफ खाने-पीने की चीजों की महंगाई में कमी आ रही है, दूसरी ओर एफमसीजी कंपनियां महंगाई की नई गाज गिराने की तैयारी में हैं. खबरों के अनुसार, एफएमसीजी कंपनियां आने वाले दिनों में अपने विभिन्न उत्पादों के दाम को बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं.

**2 से 4 फीसदी तक बढ़ सकते हैं दाम**

ईटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, डाबर और ईमामी समेत कई एफसीजी कंपनियां अपने विभिन्न उत्पादों के दाम बढ़ाने वाली हैं. ये कंपनियां इस साल अपने उत्पादों के दाम 2 से 4 फीसदी तक बढ़ा सकती हैं. कंपनियों को उम्मीद है कि दाम बढ़ाने से इस साल के दौरान उनकी ग्रोथ को सपोर्ट मिलने वाला है.

**पिछले साल प्रभावित हुई थी ग्रोथ**

एफएमसीजी कंपनियों ने पिछले साल दाम घटाए थे. रिपोर्ट के अनुसार, इनपुट मटीरियल्स की कीमतों में तेज डिफ्लेशन के चलते एफएमसीजी कंपनियों ने अपने उत्पादों के दामों में पिछले साल कटौती की थी, जिससे एफएमसीजी इंडस्ट्री की वैल्यू ग्रोथ रेट प्रभावित हुई थी. इस साल दाम बढ़ाने से ग्रोथ की रफ्तार भी बढ़ने की उम्मीद है.

**इन सामानों के बढ़ सकते हैं भाव**

एफएमसीजी प्रोडक्ट यानी फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स उन उत्पादों को कहते हैं, जिनका लोग रोजमर्रा इस्तेमाल करते हैं. साबून, शैम्पू, टूथपेस्ट, टूथब्रश से लेकर प्रोसेस्ड फूड और सॉफ्ट ड्रिंक आदि एफएमसीजी प्रोडक्ट में गिने जाते हैं. इनके दाम बढ़ने से हर किसी के जीवन पर असर पड़ता है.

## मुकेश अंबानी की इस कंपनी के शेयर मचा रहे गदर, खरीदने की मची है लूट, मिल रहा छप्परफाड़ रिटर्न

**बिजनेस डेस्क.** देश के दिग्गज कारोबारी मुकेश अंबानी (Mukesh Ambani) की कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (Jio Financial Services Ltd) के शेयर तूफानी तेजी से भाग रहे हैं। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को शेयर में 14 फीसदी का उछाल देखने को मिला था। हालांकि कारोबार के अंत में यह 10 फीसदी से ज्यादा की बढ़त के साथ 335 रुपये के स्तर पर बंद हुए थे। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। इस कंपनी के शेयर खरीदने की निवेशकों में होड़ लगी हुई है। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का

मार्केट कैप बढ़कर 2.12 लाख करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी का मार्केट कैप पहली बार 2 लाख करोड़ रुपये के पार हुआ है। निवेशकों को उम्मीद है कि आने वाले समय में शेयर में और उछाल देखने को मिल सकता है। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के साथ इसकी पैरेंट कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी 23 फरवरी को अपने रेकॉर्ड हाई पर पहुंच गए हैं।

**मालामाल हुए निवेशक**

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (Jio Financial Services Ltd) के शेयर में निवेश करने वाले मालामाल हो गए हैं। पिछले एक महीने में जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शेयर में 40 फीसदी का उछाल आया है। जियो के शेयर एक महीने में ही 240 रुपये से बढ़कर 340 रुपये तक पहुंच चुके हैं। पिछले 5 दिनों में जियो के शेयर में 21 फीसदी से ज्यादा का उछाल देखने को मिला है। वहीं बीते 6 महीनों की बता करें तो यह शेयर 56 फीसदी से ज्यादा उछला है।

# अब तुरंत पकड़ में आएंगे शेयर बाजार में हेरफेर करने वाले, सेबी ने शुरू किया एआई का इस्तेमाल

**नई दिल्ली.** स्टॉक मार्केट रेगुलेटर सेबी ने शेयर बाजार में हेरफेर करने वालों पर शिकंजा कसने की तैयारी कर ली है। सेबी ने इसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। सेबी के सदस्य कमलेश चंद्र वार्ष्णेय ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि मार्केट रेगुलेटर जांच के लिए एआई को प्रयोग में ला रही है। शेयर बाजार में गड़बड़ियों पर नकेल कसते हुए सेबी एंटिटी के खिलाफ हेरफेर के लिए कार्रवाई कर रही है। निवेशकों के भरोसे के महत्व पर जोर देते हुए वार्ष्णेय ने कहा कि अगर निवेशकों का भरोसा नहीं है, तो ÷सब कुछ विफल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ ब्रोकर हेराफेरी में शामिल हैं और ब्रोकर समुदाय को नजर रखनी चाहिए क्योंकि ÷सिस्टम में बुरे तत्व आ सकते हैं।

**तकनीकी विकास पर रखें नजर**

वह राष्ट्रीय राजधानी में एसोसिएशन ऑफ नेशनल एक्सचेंजेज मेंबर्स ऑफ इंडिया (एएनएमआई) के 13वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बोल रहे थे। सेबी के सदस्य ने कहा कि संस्थाओं को दक्षता के साथ-साथ व्यवसाय में सुधार के लिए तकनीकी विकास पर ध्यान देना चाहिए। चंद्र वार्ष्णेय ने कहा कि संस्थाओं को तकनीकी विकास पर नजर रखनी चाहिए।

एआई के इस्तेमाल को लेकर एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सेबी में अब जांच के लिए एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है। वहीं कई अन्य चीजों के लिए भी इसका यूज हो रहा है।

## करदाताओं को 1 लाख रुपये तक का टैक्स बकाया भरने से मिली राहत, ऐसे चेक करें अपना स्टेटस

**नई दिल्ली.** आयकर विभाग ने हाल ही में एलान किया है कि बकाया प्रत्यक्ष कर मांगों (outstanding direct ta& demands) को माफ कर दिया गया है। वे टैक्सपेयर्स जो आयकर विभाग से 1 लाख रुपये से कम राशि की कर मांगों का इतंजार कर रहे थे, वे अब राहत की सांस ले सकते हैं।मालूम हो कि अंतरिम बजट के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा इस घोषणा को किया गया था। इस घोषणा के बाद ही इस कार्रवाही को पूरा किया गया है।टैक्स डिमांड को लेकर अपना स्टेटस चेक करना चाहते हैं तो ये आर्टिकल आपके लिए ही लिखा जा रहा है।

**टैक्स डिमांड को लेकर अपना स्टेटस ऐसे करें चेक**

दरअसल, विभाग ने टैक्स पेयर्स को उनका स्टेटस चेक करने के लिए अकाउंट लॉग-इन करने की सलाह दी है। इसके बाद कुछ स्टेप्सट को फॉलो करने के लिए कहा गया है-

**1 करोड़ टैक्सपेयर्स को मिलेगा फायदा**

बजट भाषण के दौरान वित्त मंत्री ने कहा था कि कुछ कर मांगे विवादित हैं, जिनमें से कुछ 1962 से पुरानी हैं। इससे ईमानदार करदाताओं को चिंता हो रही है इसलिए बकाया प्रत्यक्ष कर मांग को वापस लेने का फैसला लिया जा रहा है।इस फैसले के साथ वर्ष 2009-10 तक की अवधि से जुड़े 25,000 रुपये तक और वर्ष 2010-11 और 2014-15 तक के लिए 10,000 रुपये तक की बकाया प्रत्यक्ष कर मांग को वापस लिया जाता है।वित्त मंत्री ने कहा था कि इस फैसले के साथ करीब 1 करोड़ टैक्सपेयर को फायदा मिलने की उम्मीद है।

# IPO खुलने से पहले 130 रुपये का फायदा! 27 फरवरी से दांव लगा पाएंगे निवेशक

**नई दिल्ली.** ग्रे मार्केट के जरिए निवेशक यह अनुमान लगाते हैं कि कंपनी की लिस्टिंग कैसी रह सकती है। मजबूत जीएमपी मजबूत लिस्टिंग की संभावनाओं को बढ़ा देता है। ग्रे मार्केट पर नजर रखने वाले निवेशकों के लिए अच्छी खबर है। E&icom Tele-Systems Limited आईपीओ खुलने से पहले ही लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। आईपीओ इसी हफ्ते ओपन होगा।

**क्या है प्राइस बैंड?**

E&icom Tele-Systems Limited का प्राइस बैंड 135 रुपये से 142 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी का आईपीओ निवेशकों को लिए 27 फरवरी को ओपन होगा। वहीं, 29 फरवरी तक यह खुला रहेगा। कंपनी ने एक लॉट में 100 शेयर रखे हैं। जिस वजह से निवेशकों को कम से कम 14,200 रुपये का दांव लगाना पड़ रहा है। कोई भी रिटेल निवेशक अधिक से अधिक 14 लॉट पर दांव लगा सकता है।

**ग्रे मार्केट से ग्रीन सिग्नल**

इंवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर 130 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं। अगर यही हाल लिस्टिंग तक रहा तो कंपनी शेयर बाजार में योग्य निवेशकों को पहले दिन ही 91 प्रतिशत का फायदा पहुंचा सकती है। अच्छी बात यह है कि 23 फरवरी से अबतक जीएमपी में बदलाव नहीं हुआ है।

**आईपीओ से जुड़ी अन्य डीटेल्स**

दांव लगाने वाले निवेशकों को शेयरों का अलॉटमेंट 1 मार्च को होगा। वहीं, बीएसई और एनएसई में लिस्टिंग 5 मार्च को संभव है।

आईपीओ के साइज की बात करें तो यह 429 करोड़ रुपये का है। कंपनी फ्रेश इश्यू के जरिए 2.32 करोड़ शेयर जारी करेगी। वहीं, ऑफर फॉर सेल के तहत 0.70 करोड़ शेयर जारी होंगे।

## 1 शेयर पर 2 बोनस शेयर दे रही है कंपनी, रिकॉर्ड इसी हफ्ते, कीमत 100 रुपये से कम

**नई दिल्ली.** बोनस शेयर पर दांव लगाने वाले निवेशक ध्यान दें। इस हफ्ते शेयर बाजार में डी आर सी सिस्टम्स लिमिटेड (DRC Systeam Ltd) एक्स-बोनस स्टॉक के तौर पर ट्रेड करने जा रहा है। कंपनी ने कहा है कि योग्य निवेशकों को 1 शेयर पर 2 बोनस शेयर दिया जाएगा। निवेशकों के नजरिए से अच्छी बात यह है कि कंपनी के शेयरों का भाव 100 रुपये से कम का है।

**कब है रिकॉर्ड डेट?**

डी आर सी सिस्टम्स लिमिटेड ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि 1 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 2 शेयर बोनस के तौर पर दिया जाएगा। कंपनी ने इस बोनस इश्यू के लिए 27 फरवरी की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी जिन निवेशकों का नाम कंपनी के रिकॉर्ड बुक में इस दिन रहेगा उन्हें ही बोनस शेयर का लाभ मिलेगा।

**10 टुकड़ों में बंट चुका है शेयर**

कंपनी इससे पहले 2022 में सुर्खियों में थी। कंपनी मार्च 2023 में एक्स-स्प्लिट स्टॉक के तौर पर ट्रेड की थी। तब कंपनी ने 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले शेयरों को 10 हिस्सों में बांट दिया था। जिसके बाद फेस वैल्यू 1 रुपये प्रति शेयर हो गई थी।

**1 साल में पैसा किया डबल**

डी आर सी सिस्टम्स लिमिटेड के शेयरों का भाव शुक्रवार को बीएसई में बाजार बंद होने के समय पर 67 रुपये पर था। 20 और 21 फरवरी को कंपनी के शेयरों में अपर सर्किट लगा था। पिछले एक साल के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 112 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, 6 महीने से स्टॉक को होल्ड करने वाले इंवेस्टर्स ने अबतक 68 प्रतिशत बनाया है। निवेशकों के नजरिए से अच्छी बात यह है कि कंपनी के शेयरों की कीमतों में 1 महीने के दौरान 16 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। शेयर बाजारों में कंपनी का 52 वीक हाई 71.15 रुपये और 52 वीक लो लेवल 27.66 रुपये प्रति शेयर है।

# लहसुन की कीमतों में आई गिरावट, इतने गिर गए दाम

**बिजनेस डेस्क.** लहसुन की बढ़ रही कीमतों से अब लोगों को राहत मिलने वाली है। व्यापारियों के मुताबिक, मध्य प्रदेश के बाद अब राजस्थान से लहसुन की नई फसल की सप्लाई शुरू हो गई है। इसकी वजह से थोक मंडी में कीमत में 100 से 150 रुपए प्रति किलो की गिरावट आई है। जानकारी के मुताबिक, पिछले साल लहसुन की कम फसल हुई थी। इसके चलते चार महीने पहले ही लहसुन की सप्लाई कम होने लगी, जिसके कारण धीरे-धीरे लहसुन के दाम बढ़ने लगे थे।नई फसल की सप्लाई शुरू

लहसुन कारोबारी ने बताया कि थोक मंडी में पिछले दो हफ्ते पहले लहसुन की कीमत ने प्रति किलो 300 रुपए का आंकड़ा छू लिया था। इस वजह से कई रिटेल बाजार में दाम 500 रुपए प्रति किलो से अधिक पहुंच गया था लेकिन अब मध्य प्रदेश के बाद राजस्थान से लहसुन की नई फसल की सप्लाई शुरू हो गई है। इससे आजादपुर मंडी में लहसुन 80 से 150 रुपए प्रति किलो बिक रहा है। मध्य प्रदेश से रोजाना मंडी में करीब 20 ट्रक लहसुन की सप्लाई हो रही है। साथ ही राजस्थान से भी 5 से 8 गाड़ी लहसुन की सप्लाई हो रही है।

**लहसुन की कीमतों में आएगी और कमी**

व्यापारियों का दावा है कि आने वाले कुछ दिनों में लहसुन की कीमत में और कमी आएगी। उधर, प्याज के दाम में अब तेजी आने लगी है।

आजादपुर सब्जी मंडी के ओनियन ट्रेडर्स असोसिएशन के प्रधान श्रीकांत मिश्रा ने बताया कि दूसरे राज्यों से आजादपुर मंडी में आने वाले प्याज के थोक दाम में बढ़ोतरी हुई है। केंद्र सरकार के प्याज निर्यात के फैसले से अचानक मंडियों में प्याज के दाम बढ़ गए हैं।

# सेंसेक्स की टॉप मार्केट कैप 1.10 लाख करोड़ रुपए बढ़ा, RIL को हुआ सबसे अधिक लाभ

**सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह 1,10,106.83 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) रही। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स...**

**बिजनेस डेस्क.** सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह 1,10,106.83 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) रही। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 716.16 अंक या 0.97 प्रतिशत के लाभ में रहा। बीते सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस की बाजार हैसियत सामूहिक रूप से 38,477.49 करोड़ रुपए घट गई। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 43,976.96 करोड़ रुपए बढ़कर 20,20,470.88 करोड़ रुपए हो गया। शुक्रवार को तेल से लेकर दूरसंचार क्षेत्र में कार्यरत समूह का शेयर अपने 52 सप्ताह के नए उच्चस्तर 2,996.15 रुपए पर पहुंच गया।

सप्ताह के दौरान आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 27,012.47 करोड़ रुपए बढ़कर 7,44,808.72 करोड़ रुपए हो गया। वहीं एलआईसी की बाजार हैसियत 17,235.62 करोड़ रुपए बढ़कर 6,74,655.88 करोड़ रुपए हो गई। आईटीसी का बाजार पूंजीकरण 8,548.19 करोड़ रुपए बढ़कर 5,13,640.37 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का मूल्यांकन 4,534.71 करोड़ रुपए बढ़कर 5,62,574.38 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 4,149.94 करोड़ रुपए बढ़कर 6,77,735.03 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। बुधवार को एसबीआई बाजार मूल्यांकन के लिहाज से पांचवीं सबसे बड़ी कंपनी हो गई। इसने मूल्यांकन के मामले में आईटी कंपनी इन्फोसिस को पीछे छोड़ा।समीक्षाधीन सप्ताह में भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 3,855.73 करोड़ रुपए बढ़कर 6,34,196.63 करोड़ रुपए और एचडीएफसी बैंक का 793.21 रुपए के उछाल के साथ 10,79,286.5 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इस रुख के उलट टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 27,949.73 करोड़ रुपए घटकर 14,66,030.97 करोड़ रुपए पर आ गया। इन्फोसिस की बाजार हैसियत 10,527.76 करोड़ रुपए घटकर 6,96,045.32 करोड़ रुपए रह गई।

# Byjus में बढ़ेगा और विवाद! बायूज रवीद्रंन ने EGM के फैसले को बताया गलत, कहा 'मैं ही CEO'

एक वक्त ऐसा था जब भारत की स्टार्टअप की दुनिया में बायूज का नाम उदाहरण के तौर पर पेश किया जाता था। लेकिन एक ही झटके में कंपनी अर्श से सीधा फर्श पर आ गई है। हर रोज इस कंपनी को लेकर विवाद की नई खबरें बाजार में तैरने लगती हैं। शुक्रवार को बायूज की ईजीएम (E&traordinary General Meeting) हुई। इस मीटिंग में निवेशकों (शेयर होल्डर्स) ने बायूज के संस्थापक बायूज रवीद्रंन और उनकी फैमली को बाहर करने के पक्ष में वोट किया। इस फैसले के आने के बाद बायूज रवीद्रंन ने कंपनी के कर्मचारियों के नाम एक पत्र लिखा। उसमें उन्होंने लिखा है कि वो कंपनी के सीईओ बने रहेंगे। साथ ही मैनेजमेंट में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। उनके इस लेटर के आने के बाद एक बात तो साफ हो गई है कि आने वाले समय में बायूज रविन्द्रन (Byju Raveendran) और कंपनी के निवेशकों के बीच तकरार बढ़ने वाली है।

**क्या कुछ लिखा है लेटर में**

पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार कर्मचारियों को लिखे लेटर में रवीद्रंन ने कहा है कि ईजीएम के दौरान कई नियमों को तोड़ा गया है। वो लिखते हैं, नियमों के अनुसार यह मीटिंग नहीं हुई है। इसीलिए जो कुछ भी फैसला उस मीटिंग में हुआ है वो मान्य नहीं है। बता दें, इस मीटिंग में बायूज रवीद्रंन और उनका परिवार शामिल नहीं हुआ था।

**क्या है Byju Raveendran का दावा**

बायूज रवीद्रंन ने लेटर में लिखा है, मैं कंपनी का सीईओ बना रहूंगा। ये आपने जो कुछ मीडिया में पढ़ा होगा उसके विपरीत है। साथ ही मैनेजमेंट भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। बोर्ड भी वही रहेगा। वो लिखते हैं कि किसी भी प्रस्ताव को पारित करने के लिए एक फाउंडर डायरेक्टर का मीटिंग में होना जरूरी है।

**परिवार रहा मीटिंग से दूर**

उन्होंने कहा कि इस मीटिंग में सिर्फ एक स्मॉल ग्रुप ही इकट्ठा था। वो लिखते हैं, 170 शेयर होल्डर्स में से मात्र 35 ही इस मीटिंग में उपस्थित रहे। जोकि साफ दर्शाता है कि इस गैरजरूरी मीटिंग को बहुत ही सीमित समर्थन प्राप्त है।÷ बता दें, ईजीएम को बुलाने वाले लोगों में 6 निवेशक शामिल थे। जिनके पास कंपनी का 32 प्रतिशत हिस्सा है। वहीं, बोर्ड के सदस्यों में रवीद्रंन बायूज, उनकी पत्नी और भाई ही इस मीटिंग से दूर रहे थे। रिपोर्ट्स के अनुसार बायूज के 60 प्रतिशत निवेशकों ने 7 प्रस्तावों के पक्ष में वोट किया है। इन 7 प्रस्तावों में मौजूदा मैनेजमेंट का हटाने का भी मामला शामिल है।

# बेबी केयर और स्किन केयर प्रोडक्ट खरीदने से पहले कुछ जरूरी बातों का रखें ध्यान

नवजात शिशुओं की स्किन बहुत ही नाजुक होती है। इनकी केयर करना हमारे लिए एक हार्ड वर्क जैसा ही है, क्योंकि ये पैदा होने के बाद प्रकृति के सम्पर्क में पहली बार आते हैं और फिर गर्मी,सर्दी और बरसात के मौसमों को सहना इनके लिए थोड़ा कठिन होता है। ऐसे में सभी को इनकी बहुत ज्यादा केयर करनी पड़ती है।वैसे तो बच्चों को प्रोटेक्ट करने के लिए मार्केट में बहुत सारे प्रोडक्ट्स हैं, लेकिन उनमें से कौन-सा प्रोडक्ट आपके बच्चे के लिए सही रहेगा, इसका निर्णय आपको ही करना पड़ता है। क्योंकि आपके बच्चों की स्किन और हेल्थ को क्या सूट करेगा और क्या नहीं इसे आप ही बेहतर समझ पाएंगी। ऐसे में अगर आप भी अपने बच्चे में बेबी केयर प्रोडक्ट्स लेने जा रही हैं, तो इन बातों का ध्यान रखें।

ऑर्गेनिक स्किन केयर प्रोडक्ट ही चुनें

बच्चों की स्किन बहुत ही नाजुक होती है। इतना ही नहीं धूप हो या सर्द हवाएं हों उनके स्किन को तुरंत प्रभावित करती हैं। इसलिए उनके लिए हमेशा ऑर्गेनिक स्किन प्रोडक्ट का ही चयन करें। जो उनके स्किन की देखभाल अच्छे से करें। ध्यान रखें कि स्किन केयर प्रोडक्ट बहुत ज्यादा सुगंध वाली नहीं होनी चाहिए, क्योंकि सुगंध आपके बच्चे की स्किन को नुकसान पहुंचा सकती है। बेहतर होगा कि आप अपने शिशु के लिए सोप, शैम्पू,लोशन,सनस्क्रीन,डाइपर,यहां तक की वाइप्स भी ऑर्गेनिक ही खरीदें।

कैमिकल युक्त प्रोडक्ट से बचें

बच्चे के लिए कोई प्रोडक्ट खरीदते समय कैमिकल युक्त प्रोडक्ट से बचें। उनके लिए स्किन केयर प्रोडक्ट खरीदते समय ये जरूर ध्यान रखें कि आपके प्रोडक्ट में सल्फेट और पैराबेंस न हो।

पैच टेस्ट जरूर करें

बच्चों को कौन सा प्रोडक्ट सूट कर रहा है, इसके लिए पैच टेस्ट जरूर करें। इसके लिए प्रोडक्ट उनकी स्किन के छोटे से हिस्से पर लगाकर देखें कि उन्हें किसी तरह की एलर्जी तो नहीं हो रही है, तभी प्रोडक्ट इस्तेमाल कीजिए।

मौसम के हिसाब से चुनें

मौसम के हिसाब से अपने बच्चों के लिए स्किन केयर प्रोडक्ट चुनें। जैसे सर्दियों के लिए अलग और गर्मियों के लिए अलग मोइश्राइजिंग क्रीम का चुनाव करें।

उम्र के हिसाब से चुनें

बच्चों की उम्र के हिसाब से स्किन केयर प्रोडक्ट्स का चुनाव करें। जैसे 6 महीने तक के बच्चों के लिए अलग स्किन केयर प्रोडक्ट की जरूरत होती है और उनसे बड़े बच्चों के लिए अलग।

# चिंताजनक है संघ-राज्य संबंधों में तनाव

केंद्र-राज्य संबंधों और कर हस्तांतरण के जटिल मुद्दे ने राज्य व देश की बेहतरी के एजेंडे को आगे बढ़ाने के बजाय एक बदसूरत रस्साकशी में बदल दिया है। लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में बहस की स्थिति चाहे जो भी हो, राज्यों की आर्थिक स्थिति को इस हद तक कमजोर किए जाने की अनुमति नहीं दी जा सकती कि उनके निर्वाचित प्रमुखों को दिल्ली में विरोध मार्च निकालने पड़ें। ये ऐसे हालात हैं जो टूटने के करीब है और यह कोई अच्छी बात नहीं है।

तनाव और मतभेदों का एक सिलसिला देश के धैर्य की परीक्षा ले रहा है। कुछ तनाव और मतभेद सड़कों पर विरोध प्रदर्शन के रूप में सामने आते हैं, जैसे किसानों का पहले और अब चल रहा आंदोलन। फिर भी इसके पहले कभी भी राज्यों के निर्वाचित मुख्यमंत्रियों ने अपनी बात रखने के लिए सड़क पर विरोध प्रदर्शन का रास्ता नहीं अपनाया। इस प्रकार की चरम कार्रवाइयां देश को बनाने वाले आंतरिक ताने-बाने के कमजोर होने की ओर इशारा करती हैं जो विश्व मंच पर एक पुनरुत्थानशील भारत की कहानी के विपरीत है। आखिर आंतरिक असंतुलन बाहरी लचीलापन कैसे पैदा कर सकता है? इस फ्रेम में, केंद्र सरकार तथा विपक्ष शासित राज्य सरकारों के बीच तनाव को विशेष महत्व दिया गया है।

किसानों के अलावा फरवरी में दो राज्यों- केरल और कर्नाटक के मुख्यमंत्रियों ने अपने मंत्रिमंडल और सांसदों के साथ दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया और बताया कि वे संघीय धन के वितरण में भेदभाव के रूप में क्या देखते हैं। केरल ने धन आबंटन की अपनी मांग के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और नई दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया है। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार के कैबिनेट मंत्रियों, विधायकों और सांसदों के नेतृत्व में दिल्ली के जंतर-मंतर पर केंद्र द्वारा वित्तीय अन्याय व देश के संघीय ढांचे में गिरावट के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने एलडीएफ के 8 फरवरी के विरोध दिवस को भारत के इतिहास में एक रेड लेटर दिन बताया। उसी दिन सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल धन जारी करने के केरल सरकार के अंतरिम आवेदन पर केंद्र सरकार को अपना जवाब दाखिल करने के लिए कहा। केंद्र ने तर्क दिया है कि केरल के %वित्तीय कुप्रबंधन% के लिए उसे दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

केरल के मुख्यमंत्री विजयन और उनके मंत्रिमंडल के ऐसा करने से एक दिन पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने धन के अनुचित आवंटन और कर बंटवारे में अन्याय की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए अपने मंत्रिमंडल व विधायकों के साथ विरोध प्रदर्शन किया था। कर्नाटक का कहना है कि जीएसटी संग्रह में वह दूसरे स्थान पर है लेकिन जीएसटी कार्यान्वयन के कारण उसे लगभग 60,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। उसे कर बंटवारे में 63,000 करोड़ रुपये से थोड़ा कम नुकसान हुआ है। कर्नाटक और केरल ने कहा है कि उनका विरोध सभी राज्यों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा और उनके बकाये को सुरक्षित करने के लिए भी है। कर्नाटक तथा केरल की बातों से तमिलनाडु सहमत हैइस प्रकार केंद्र-राज्य संबंधों और कर हस्तांतरण के जटिल मुद्दे ने राज्य व देश की बेहतरी के एजेंडे को आगे बढ़ाने के बजाय एक बदसूरत रस्साकशी में बदल दिया है। लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में बहस की स्थिति चाहे जो भी हो, राज्यों की आर्थिक स्थिति को इस हद तक कमजोर किए जाने की अनुमति नहीं दी जा सकती कि उनके निर्वाचित प्रमुखों को दिल्ली में विरोध मार्च निकालने पड़ें। ये ऐसे हालात हैं जो टूटने के करीब है और यह कोई अच्छी बात नहीं है।

केरल के मामले पर विचार करें तो उसे भारतीय रिजर्व बैंक ने शीर्ष पांच वित्तीय तनावग्रस्त राज्यों में रखा है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा राज्यों के राजकोषीय मानदंडों के अध्ययन में उच्च ऋण स्तरों और राजकोषीय घाटे के स्तरों के कारण बिहार, केरल, पश्चिम बंगाल, पंजाब और राजस्थान की पहचान अत्यधिक दबाव वाले राज्यों के रूप में की गई है। उच्च ऋण का अर्थ है कि राज्य अपने राजस्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा ऋण और ब्याज चुकाने में खर्च करता है। उदाहरण के लिए कई राज्य राजस्व प्राप्तियों का लगभग 10 प्रतिशत या उससे अधिक ब्याज भुगतान पर खर्च करते हैं। पश्चिम बंगाल तथा पंजाब ब्याज भुगतान पर 20 प्रतिशत से अधिक खर्च करते हैं। ऐसा क्यों है और इसे मध्यम और दीर्घकालिक अवधि में कैसे संबोधित किया जा सकता है, यह बहस एवं संवाद का विषय है लेकिन इसे आपसी वाद-विवाद में बदला नहीं जाना चाहिए।

उदाहरण के लिए केरल ने आईओयू (कर्ज के भुगतान की स्वीकारोक्ति) का पहाड़ खड़ा कर दिया है। एलडीएफ ने इस स्थिति के लिए केंद्र को दोषी ठहराते हुए आरोप लगाया है कि उनकी सरकार को राज्य के इतिहास में सबसे खराब वित्तीय संकट में धकेला जा रहा है। 2021-22 के पूर्वव्यापी प्रभाव से केरल की उधार सीमा को कम करने जैसे केंद्र सरकार के कदमों का जिक्र करते हुए एलडीएफ सरकार ने कहा है कि राज्य को 2016 और 2023 के बीच की अवधि के लिए 107513.09 करोड़ रुपये का संचयी नुकसान हुआ है। उदाहरण के लिए, आवंटनों की तुलना करते हुए बताया गया है कि 10वें वित्त आयोग के समय केरल को विभाज्य पूल का 3.8 प्रतिशत मिल रहा था जिसे अब घटाकर 1.9 फीसदी कर दिया गया है। कुछ राजस्व घाटा अनुदान भी रोक दिया गया है। इस महीने की शुरुआत में राज्य का बजट पेश करते हुए केरल के वित्त मंत्री के.एन.बालगोपाल ने मौजूदा वित्तीय संकट के लिए केंद्र के %शत्रुतापूर्ण रुख% को जिम्मेदार ठहराया था।भारत सहकारी संघवाद के सिद्धांतों के अनुसार काम करता है जिसके तहत किया गया व्यय और जुटाए गए कर दोनों ही राज्यों और केंद्र के बीच साझा की गई जिम्मेदारियां हैं। आदर्श रूप से इन जिम्मेदारियों को केंद्र और राज्यों के बीच एक अच्छे संतुलन में बांटा जाना चाहिए। वास्तव में केन्द्र के पास राजस्व का बड़ा हिस्सा है जबकि राज्यों के पास जिम्मेदारी का बड़ा हिस्सा है जिसमें सामाजिक सेवा, आर्थिक व कल्याणकारी योजनाएं तथा परियोजनाएं शामिल हैं। भारत में, राज्य कुल सामान्य सरकारी व्यय का 60 प्रतिशत से अधिक खर्च करते हैं। इसे %ऊर्ध्वाधर असंतुलन% (वर्टिकल इम्बैलेंस) कहा जाता है जिसे केंद्र द्वारा राज्यों को धन के हस्तांतरण के माध्यम से ठीक किया जाता है। धन के हस्तांतरण व वितरण का यही वह मुद्दा है जिसके बारे में राज्य, विशेष रूप से गैर भाजपाई दलों द्वारा शासित दक्षिणी राज्य नाराज हैं जिसे वे असमान वितरण मानते हैं।

केरल के पूर्व वित्त मंत्री डॉ. थॉमस इसाक ने कोविड महामारी के समय कहा था कि यदि महामारी को नियंत्रित करना है तो केंद्र का राज्यों और स्थानीय स्वशासी संस्थाओं के साथ तालमेल आवश्यक तथा अपरिहार्य है। उन्होंने कहा- %हालांकि केंद्र और राज्यों के बीच राजकोषीय संबंध कभी इतने तनावपूर्ण नहीं रहे जितने आज हैं। सहकारी संघवाद की बयानबाजी को बलपूर्वक संघवाद में बदला जा रहा है जो कोविड-19 के प्रति राष्ट्रीय प्रतिक्रिया में बाधा डाल रहा है।% उन्होंने अन्य उदाहरणों के अलावा महामारी की आड़ में केंद्रीय प्रोत्साहन पैकेज के हिस्से के रूप में राज्यों को अतिरिक्त उधार पर शर्तों को लागू करने का उल्लेख किया जो राज्यों की राजकोषीय स्वायत्तता को कमजोर कर रहा था। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि मंदी के दौर में राज्यों के विकास व्यय में किसी तरह की कमी का (जो संयुक्त सरकारी व्यय का 60 प्रतिशत है), सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर विनाशकारी प्रभाव पड़ेगा।भाजपा के सहयोगी रहे तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री के. पलानीस्वामी ने केंद्र सरकार पर ठीक यही आरोप लगाया था। उन्होंने 2020 में प्रधानमंत्री को लिखे एक खुले पत्र में कहा था कि %केंद्र एक ऐसे सुधार एजेंडे को, जिस पर अभी तक आम सहमति विकसित नहीं हुई है, आक्रामक रूप से आगे बढ़ाना सहकारी संघवाद की भावना के अनुरूप नहीं है। खास तौर पर ऐसे समय में जब राज्यों ने केवल हताशा से अतिरिक्त उधार लेने के लिए केंद्र से संपर्क किया है।बजटीय आवंटन, राजकोषीय विवेक, ऋण प्रबंधन और राजस्व व्यय के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा और बहस की जानी चाहिए तथा इस पर पूर्व-सहमत फ्रेमवर्क के तहत काम किये जाने चाहिए। भारत ने अब तक इसी तरह से काम किया है। एक मित्रतापूर्ण एवं उदार दृष्टिकोण केंद्र तथा राज्यों को अपने वित्त प्रबंधन को अधिक संतुलित तथा टिकाऊ तरीके से चलाने के लिए प्रेरित करने में मदद कर सकता है। केरल और इसके बेहतर विकास संकेतकों तथा वास्तव में सभी दक्षिणी राज्यों से केंद्र बहुत कुछ सीख सकता है। इसी तरह राज्यों के घाटे को कम करने के संदर्भ में बहुत कुछ ठीक करने के लिए केंद्रीय मदद की आवश्यकता है। अंत में, बजट को संतुलित करना महत्वपूर्ण है लेकिन इसके लिए समग्र राष्ट्रीय विकास के लिए संघीय संबंधों की एक पूर्व शर्त का प्रबंधन जरूरी है।

## संपादकीय

# हिंसक बालमन

यह विडंबना ही है कि जिस उम्र में छात्रों को एकाग्र होकर पढ़ाई-लिखाई में बेहतर करके अपना भविष्य संवारना चाहिए था, उस उम्र में वे हिंसक गतिविधियों में लिप्त हैं। किशोरों में बढ़ती हिंसक प्रवृत्ति हमारे समाज के लिये एक चेतावनी ही है। आए दिन स्कूली छात्रों के खूनी टकराव और छात्रों की जान जाने की खबरें आ रही हैं। जो शिक्षकों और अभिभावकों के लिये गंभीर चिंता की बात है। विचारणीय प्रश्न यह है कि खेलने-खाने की उम्र में छात्रों के व्यवहार में यह आक्रामकता क्यों आ रही है। दरअसल, इसी संकट की आहट को महसूस करते हुए दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय ने स्कूलों को आदेश दिया है कि विद्यार्थियों के बस्ते की औचक जांच के लिए एक समिति बनायी जाए। जिसका मकसद है कि किसी लड़ाई-झगड़े में छात्रों को नुकसान पहुंचने वाली घातक वस्तुओं की निगरानी करना। ताकि किसी टकराव और संघर्ष की स्थिति में कम से कम किसी छात्र की जिंदगी पर संकट न आए। उद्देश्य यही है कि छात्रों के लिए स्कूल परिसरों में सुरक्षित माहौल बनाया जा सके। यहां सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या छात्रों के बस्ते की निगरानी मात्र से इस समस्या का समाधान संभव है? क्या इस फौरी उपचार से आक्रामक होती मानसिकता पर अंकुश लग पाएगा? क्या शिक्षक भी इस बात पर मंथन कर रहे हैं कि हमारे बच्चे गुस्से में क्यों हैं? आखिर वे किन मनःस्थितियों से गुजरकर घातक कदम उठा रहे हैं। निस्संदेह, हमारे वातावरण, टीवी, फिल्मों और अन्य सूचना माध्यमों में ऐसा बहुत कुछ मौजूद है जो उनके व्यवहार में अप्रत्याशित बदलाव ला रहा है। बेलगाम इंटरनेट के घातक प्रभावों से भी इनकार नहीं किया जा सकता। हाल के दशकों में इंटरनेट में ऐसे तमाम हिंसक वीडियो गेम उपलब्ध हैं जो किशोरों के बालमन पर प्रतिकूल असर डाल रहे हैं। बच्चे खेल-खेल में कई ऐसे हिंसक वीडियो गेम में रम जाते हैं जहां मारने-काटने के खेल आम बात है। किशोरों की ऐसे ऑनलाइन खेलों की लत लगना अब आम बात हो गई है।

कहते हैं बच्चों का मस्तिष्क एक कोरी स्लेट की तरह होता है। उसे जिस तरह का ज्ञान बाह्य स्रोतों से मिलता है उसकी मनोवृत्ति उसी के अनुरूप ढल जाती है। दरअसल, आज भागदौड़ की जिंदगी में अभिभावकों के पास भी इतना समय नहीं है कि वे बच्चों की चौबीस घंटे निगरानी कर सकें। उनकी धारणा है कि कम से कम बच्चा मोबाइल के साथ उनके करीब तो है। मोबाइल आज एक ऐसा बेलगाम साधन बन गया है जिसमें कौन क्या परोस रहा है और उसका बच्चों पर क्या असर होगा, कोई नहीं कह सकता। वहीं स्कूलों के स्तर पर शिक्षकों की भूमिका पहले जैसी नहीं रही, जो छात्रों के रुझान व सोच को संवारने में गहरी रुचि रखते थे।

हमारे राजनीतिक परिदृश्य में भी जो आक्रामकता बढ़ रही है वह भी नई पीढ़ी को संवेदनहीन बना रही है। आए दिन आरोप-प्रत्यारोप और पराभव की राजनीति बालमन पर नकारात्मक प्रभाव डालती है। उन्हें लगता है कि सामाजिक व राजनीतिक जीवन के नायक कहे जाने वाले लोगों के व्यवहार में ऐसी तल्खी है, तो यह सामान्य जीवन का ही हिस्सा है। विडंबना यह भी है कि नई पीढ़ी के बच्चे मैदानी खेलों और श्रम प्रधान व्यवहार से परहेज करने लगे हैं। जिससे उनके व्यवहार में सहजता-सरलता का भाव लगातार घट रहा है। वहीं समाज में नैतिक मूल्यों का पराभव भी इस संकट का एक पहलू है। जिसके चलते संवेदनहीनता पांव पसार रही है। आधुनिक जीवन शैली के दंश भी इसमें भूमिका निभाते हैं। वहीं खान-पान का सात्विक पक्ष भी धीरे-धीरे नदारद होता जा रहा है।

दूषित खानपान व पर्यावरण के प्रदूषण के मानवीय व्यवहार पर पड़ने वाले प्रभाव का अंतिम निष्कर्ष आना अभी बाकी है लेकिन कहीं न कहीं ये घटक हमारे व्यवहार पर असर तो डालते ही हैं। बहरहाल, नई पीढ़ी के बच्चों के व्यवहार में आ रही आक्रामकता हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए।

# गजा में नरसंहार खत्म होने की सारी उम्मीदें खत्म

गजा युद्ध में इजरायल का समर्थन करने वाले वर्तमान अमेरिका के करीबी सहयोगी ब्रिटेन ने भी मतदान में भाग नहीं लिया, लेकिन सुरक्षा परिषद के शेष 13 सदस्यों ने प्रस्ताव का समर्थन किया, जो आसपास के देशों के मजबूत समर्थन को दर्शाता है। युद्ध समाप्त करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव का समर्थन करने वाले देशों में नाटो का एक प्रमुख सदस्य फ्रांस भी शामिल था।

गजा पट्टी में इजरायली रक्षा बलों के युद्ध अपराधों को लगातार समर्थन देने के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका को अंततः अपने समर्थक देशों से बड़े अलगाव का सामना करना पड़ रहा है। बाइडेन सरकार को मंगलवार रात अंतरराष्ट्रीय निंदा का सामना करना पड़ा जब उसके प्रतिनिधि ने गजा में तत्काल मानवीय युद्धविराम की मांग करने वाले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव को वीटो कर दिया।

महत्वपूर्ण बात यह थी कि गजा युद्ध में इजरायल का समर्थन करने वाले वर्तमान अमेरिका के करीबी सहयोगी ब्रिटेन ने भी मतदान में भाग नहीं लिया, लेकिन सुरक्षा परिषद के शेष 13 सदस्यों ने प्रस्ताव का समर्थन किया, जो आसपास के देशों के मजबूत समर्थन को दर्शाता है। युद्ध समाप्त करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव का समर्थन करने वाले देशों में नाटो का एक प्रमुख सदस्य फ्रांस भी शामिल था।

हमास आतंकवादियों और इजरायल के बीच युद्ध पिछले साल 7 अक्टूबर को शुरू हुआ था जब हमास ने इजरायली ठिकानों पर अचानक हमला कर दिया था और अनेक इजरायली सैनिकों को मार डाला था और बंधक बना लिया था। इजरायल ने जवाबी कार्रवाई की। उस समय कई देशों ने हमास की कार्रवाई की निंदा की, लेकिन इज़रायल ने गाजा पट्टी में नागरिकों की बर्बर हत्या जारी रखी और घोषणा की कि जब तक हमास का एक भी आतंकवादी जीवित रहेगा, वे युद्ध नहीं रोकेंगे। इसका पूरा उद्देश्य फिलिस्तीनियों को गाजा पट्टी से खदेड़कर जातीय सफाया करना है।गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 7अक्टूबर के बाद से, पिछले साढ़े चार महीनों में, इजरायल के सैन्य हमले में 29,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गये हैं, जिनमें से अधिकांश महिलाएं और बच्चे हैं। अब तक 1300 से अधिक इजरायली सैनिक मारे गये हैं। अंतर यह है कि जहां हमास के आतंकवादियों ने ज्यादातर इजरायली सैनिकों को मार डाला, वहीं इजरायलियों ने महिलाओं और बच्चों सहित फिलिस्तीनी नागरिकों को निशाना बनाया। इससे पहले भी अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव पर वीटो किया था लेकिन इस बार संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के पक्ष में व्यापक समर्थन मिला।चीन के संयुक्त राष्ट्रदूत झांग जून ने वाशिंगटन के वीटो पर %गंभीर निराशा और असंतोष व्यक्त किया। दूत ने कहा कि अमेरिकी वीटो से गाजा में स्थिति और खतरनाक होने का गलत संदेश जाता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा युद्धविराम पर आपत्ति कुछ और नहीं बल्कि इजरायल को नरसंहार जारी रखने की हरी झंडी है।क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएलडियाज़-कैनेलबरमूडेज़ ने भी अमेरिका पर हमला बोलते हुए कहा कि युद्धविराम के आह्वान को रोककर, अमेरिकी अधिकारियों ने खुद को फिलिस्तीन के खिलाफ इजरायल के इस नरसंहार में भागीदार% बना दिया।फ्रांस, नॉर्वे, रूस, कतर, सऊदी अरब और फिलिस्तीनी प्राधिकरण सहित अन्य लोगों ने अमेरिकी वीटो की आलोचना की। यह गाजा में युद्धविराम की मांग करने वाले सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव को अमेरिका द्वारा खारिज करने की तीसरी घटना थी। अमेरिकी राजदूत लिंडाथॉमस-ग्रीनफील्ड ने हालांकि दावा किया कि अल्जीरिया द्वारा पेश किया गया प्रस्ताव, बंधक समझौते पर संवेदनशील वार्ता पर नकारात्मक प्रभाव डालेगा और लड़ाई में कम से कम छह सप्ताह के लिए रुकावट डालेगा।

पूरे गाजा में, इजरायल द्वारा हत्याओं का दौर जारी है, पिछले दो दिनों में कम से कम 67 फिलिस्तीनियों लोगों की जानें चली गई हैं। सहायता समूह डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने कहा कि इजरायली ऑपरेशन के दौरान गाजा पट्टी में उसके कर्मचारियों के आवास पर हमला होने से दो लोग मारे गये थे। वह एक ऐसा क्षेत्र है जहां फ़िलिस्तीनियों को आश्रय लेने के लिए कहा गया है।विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने मंगलवार को उत्तरी गाजा में भोजन और सहायता वितरण को रोकने की घोषणा की, क्योंकि उसके ड्राइवरों को लॉरियों में इकट्ठा होने वाले हताश निवासियों की गोलीबारी और हिंसा का सामना करना पड़ा। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने कहा कि दो साल से कम उम्र के छह बच्चों में से एक गंभीर रूप से कुपोषित है और लोग भूख से संबंधित कारणों से मर रहे हैं। डब्ल्यूएफपी ने कहा, न पिछले दो दिनों में, हमारी टीमों ने अभूतपूर्व स्तर की हताशा देखी।जबकि एक प्रमुख ब्रिक राष्ट्र दक्षिण अफ्रीका युद्ध अपराधों के लिए इज़रायल को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में ले गया है, जिसने इज़रायली हत्याओं की कड़ी निंदा की है और इसे रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया है। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़इनासियो %लूला% दासिल्वा ने अपने देश के राजदूत को वापस बुला लिया है। इसके बाद इज़रायल ने कहा कि लूला का उनके देश में तब तक स्वागत नहीं किया जायेगा जब तक कि वह साप्ताहांत में की गई अपनी उस टिप्पणी के लिए माफी नहीं मांग लेते, जिसमें गाजा में फिलिस्तीनियों पर इज़रायल के हमले की तुलना नरसंहार से की गई थी। इज़रायल के विदेश मंत्री इज़रायल काट्ज़ ने लूला की टिप्पणियों को %बहुत गंभीर यहूदी-विरोधी हमलाबताया।

ब्राजील के राष्ट्रपति ने रविवार को इथियोपिया के अदीसअबाबा में अफ्रीकी संघ शिखर सम्मेलन में कहा कि %गाजा पट्टी और फिलिस्तीनी लोगों के साथ जो हो रहा है वह इतिहास में किसी अन्य क्षण में नहीं देखा गया।%अजीब बात है कि जबकि अधिकांश प्रमुख ब्रिक देश गाजा पट्टी में नरसंहार के लिए इजरायल पर हमला कर रहे हैं, भारत अभी भी इजरायल के प्रति मैत्रीपूर्ण रवैया अपना रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के साथ मित्रता है जिसका वह दिखावा भी करते हैं। फिलहाल इजरायल अपनी संबंधित गतिविधियों में भर्ती के लिए भारतीय बेरोजगार युवाओं की भर्ती कर रहा है। इज़रायल में युद्ध संबंधी इन नौकरियों के लिए कई हज़ारों लोगों ने आवेदन किया है। भारत सरकार इजरायली युद्ध मशीन की मदद के लिए भारतीय युवाओं को नौकरी करने की अनुमति दे रही है।

# वेतनवृद्धि का आवेदन क्या सही क्या नहीं

**बिना तैयारी के वेतन वृद्धि के बारे में कहना गलत होता है, जबकि इसके लिए की गई तैयारी कार्य को आसान बनाती है। यहां बताए जा रहे हैं इससे जुड़े कुछ जरूरी बिंदु, जो वेतन वृद्धि की मांग करते हुए हमेशा ध्यान रखने चाहिए।**

जब आपके वेतनमान से आपके बारे में सही आकलन नहीं हो पाता या लंबे समय तक वेतन बढ़ाने की आपकी प्रार्थना पर ध्यान नहीं दिया जाता तो यह कुछ उपाय हैं, जो इस दिशा में आपको सफल बना सकते हैं। बेशक, कई बार वेतन बढ़ाने के लिए कहना तनाव भरा हो सकता है। हालांकि वेतन बढ़ाने से जुड़ी योजना में निवेश किए गए समय से आपको आपकी मनचाही सैलरी मिल भी सकती है। हमेशा याद रखें, 'सही तरीके से मोलभाव करके आप अपने विरोधी पक्ष पर विजय प्राप्त कर सकते हैं।' फिर भी हममें से अधिकांश लोगों की प्राथमिकताओं में 'सैलरी नेगोसिएशन स्किल्स' नहीं होतीं, लेकिन यह इतना महत्वपूर्ण मामला होता है कि इसे दरकिनार नहीं किया जा सकता।

## वेतन वृद्धि के लिए एक योजना बनाएं

इस प्रक्रिया की शुरुआत यह जानने से करें कि अप्रेजल और वेतन वृद्धि का समय कब आएगा। इसके बारे में अपने मैनेजर से पहले ही बात कर लें और उन्हें अपनी परफॉरमेंस के बारे में सविस्तार जानकारी दें। अन्य शब्दों में, 'एक आदर्श (आइडियल) के साथ शुरू करके डील के साथ बात समाप्त करें।'

## अपने हुनर और जॉब का आकलन

अपने पिछले कुछ परफॉरमेंस अप्रेजल्स एकत्र करें और देखें कि उनमें आपका क्या आकलन रहा है। इसके बाद अपने कौशल, प्रोडक्टिव आउटपुट, उठाई गई अतिरिक्त जिम्मेदारियों और बेहतर या कमतर समय में कंपनी को दिए गए अपने योगदान के आधार पर अपनी वेतन वृद्धि की दावेदारी तैयार करें। यह सभी बिंदु आपके बारे में फैसला लेने में बहुत महत्वपूर्ण मानक साबित होते हैं।

## अपने इतर कौशल का भी आकलन करें

वेतन वृद्धि पर बात शुरू करने से पहले मार्केट में अपने हुनर की कीमत भी जान लें। इस बारे में शोध करें और पता लगाएं कि आपके कार्यक्षेत्र में आपके बराबर अनुभव प्राप्त व्यक्तियों का वेतनमान क्या है। नेगोसिएशन प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त करें और वेतनवृद्धि में कैश के अतिरिक्त अन्य लाभादि को भी अपनाएं

अपने आवेदन के पक्ष में आप विभिन्न तरह के तथ्य और आंकड़ों की मदद ले सकते हैं। संस्थान के भीतर अपने उज्जवल भविष्य पर फोकस करें। बातचीत के समय दिल-दिमाग खुले रखें और तार्किक तरीके से अपने बॉस के दृष्टिकोण से भी सोच कर देखें। वेतनवृद्धि के बारे में अपने आवेदन में सीधी बात और एक निश्चित राशि की बात करें। यदि आपका बॉस आपके आवेदन को नकार देता है तो उनसे विनम्रतापूर्वक पूछें कि आपको उस स्तर पर पहुंचने के लिए और क्या करना होगा? कंपनी के संदर्भ में अपने प्रयासों पर बात करते हुए बताएं कि आप कितने वेतन के हकदार हैं। इन सबके बावजूद अन्य विकल्पों पर भी नजर रखें।

## बिल्कुल न करें

वेतनवृद्धि पर इसलिए बिल्कुल बात न करें कि आपको पैसे की जरूरत है। आपकी कोई निजी जरूरत वेतनवृद्धि का कारण नहीं होनी चाहिए। इसके विपरीत, आपके किए गए कार्य के आधार पर ही आपकी वेतनवृद्धि तय होनी चाहिए। याद रखें, जरूरत के आधार पर कभी अच्छा मोलभाव नहीं हो सकता। अपने एम्प्लॉयर को किसी अन्य भारी वेतन वाली नौकरी से ब्लैकमेल न करें। एम्प्लॉयर कभी आपके हाथों का खिलौना बनना पसंद नहीं करेगा। इसलिए ऐसा कोई काम न करें। वेतनवृद्धि के लिए नौकरी छोड़ने की धमकी या नोटिस देना कभी सही तरीका नहीं माना जाता। इसलिए किसी नकारात्मक तरीके को अपनाने की बजाय प्रोफेशनल तरीके से पेश आएं।

कभी अस्वाभाविक न हों। ऐसा तब और भी जरूरी हो जाता है, जब आप वेतनवृद्धि से जुड़े तथ्य जानते हों। आपके मित्रों को अधिक वेतन मिलता है, इसे देखते हुए कभी यह मांग न रखें। पहले अपना आकलन करें, उसके बाद ही कोई प्रस्ताव आगे रखें। यह भी न मानें कि आपका कार्य ही आपके बारे में बताएगा। अपने किए काम पर बात करें और उससे जुड़े आंकड़े सामने रखें, क्योंकि इससे आपका सही मूल्यांकन हो सकेगा। बिना अपॉइंटमेंट के वेतनवृद्धि पर बात करने के लिए अपने बॉस के कमरे में न जा घुसें। इसके लिए जरूरी है कि मीटिंग के लिए सही समय पहले से निश्चित कर लें। बातचीत के दौरान वेतनवृद्धि की बात बिना भावुक हुए पूरी तार्किकता के साथ रखें। रुडयार्ड किप्लिंग ने कहा है, 'यदि आप जो चाहते हैं, वह आपको नहीं मिला तो यह इस बात का संकेत देता है कि या तो आप उसके बारे में गंभीर नहीं हैं या आपने कीमत के बारे में मोलभाव का प्रयास किया है।' लिहाजा, जरूरी है कि आपको पता हो कि वेतनवृद्धि पर बात करते हुए कहां सीमारेखा खींचनी है।

# मैनेजमेंट कंसलटेंसी में बढ़ी नौकरियों की संभावनाएं

**पिछले एक दशक में प्रबंधन शिक्षा (मैनेजमेंट एजुकेशन) के साथ ही प्रबंधन अभ्यास के क्षेत्र में आमूल-चूल बदलाव आया है। पारिवारिक बिजनेस (फैमिली डोमिनेटेड बिजनेस) भी पेशेवर (प्रोफेशनल) हुआ है। प्राइवेट कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की सालाना सैलरी भी दो करोड़ से 20 करोड़ तक हो गई है।**

युवा प्रोफेशनल्स 40 के उम्र में न केवल सीईओ बन रहे हैं, बल्कि कंपनियों के बोर्ड के मेंबर्स भी हो जा रहे हैं। इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के साथ ही वितीय सेवाओं और मैनेजमेंट कंसलटेंसी में नौकरियों की संभावनाएं काफी बढ़ी हैं। अब कंपनियां न केवल सीनियर अधिकारियों को लैटरल इंट्री दे रही हैं, बल्कि उन्हें संस्था में लंबे समय तक बनाए रखने की कोशिश भी कर रही हैं। पहले कंपनियां मैनेजमेंट ट्रेनीज पर ज्यादा विश्वास करती थीं। बदलते परिदृश्य में कंपनियों के बोर्ड में गलत मैनेजमेंट प्रैक्टिस सामने आए हैं और कंपनियां इसको लेकर काफी संजीदा हुई हैं। कंपनियों में डेलिगेशंस बढ़ा है, बावजूद प्राइवेट संगठन और फैमिली मैनेज्ड कंपनियों में नीतियों का निर्धारण अभी भी काफी हद तक सेंट्रलाइज्ड (केन्द्रीयकृत) है। कंपनियों के बेहतर परफॉर्मेंस के लिए अब प्राइवेट के साथ ही पब्लिक सेक्टर आर्गेनाइजेशन भी प्रोफेशनल कंसलटेंट का उपयोग ज्यादा से ज्यादा से कर रहे हैं।

## प्रबंधन शिक्षा में भी बदलाव

प्रबंधन शिक्षा देने वाले बिजनेस स्कूलों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। बिजनेस स्कूलों के साथ एमबीए कोर्स की संख्या में भी तेजी से इजाफा हुआ है। मैनेजमेंट के दो साल के कोर्स के अलावा अब वर्किंग एजीक्यूटिव के एक साल का एमबीए प्रोग्राम काफी लोकप्रिय हुआ है। यही नहीं कोर्स कंटेन्ट में भी बदलाव आया है। सूचना प्रधान शिक्षण की जगह फाइनांस, स्ट्रेटजिक मैनेजमेंट को महत्व मिल रहा है।

भारतीय छात्रों का गलोबल एक्सपोजर बढ़ा है। मैनेजमेंट के सभी कोर्स में लड़कियों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। प्रबंधन शिक्षा अब डाटा बेस्ड, केस ओरिएंटेड और पार्टिसिपेटिव हो गई है। अधिकतर बिजनेस स्कूल बिजनेस इथिक्स को अपने कोर्स में शामिल कर रहे हैं।

# आइएएस के लिए कितने तैयार हैं आप

**सिविल सेवा परीक्षा में भाग लेनेवाले युवाओं की संख्या बहुत अधिक होती है, क्योंकि सिविल सेवा उन्हें समाज के लिए कुछ करने का अधिकार देने के साथ-साथ रुतबा और प्रतिष्ठा भी दिलाता है. आइए जानें सिविल सेवा परीक्षा के एक पेपर (सीसैट) की तैयारी के बारे में, जिससे इसमें अच्छा स्कोर किया जा सके.**

सिविल सर्विसेस प्रारंभिक परीक्षा के लिए आवेदन और शेष बचे समय में रणनीति के साथ अंतिम तैयारी परीक्षा में सफलता दिला सकती है.

## परीक्षा का प्रकार

सिविल सर्विसेस प्रारंभिक परीक्षा में दो पेपर होते हैं. सीसैट और जनरल स्टडीज. दोनों का अपना महत्व होता है. इस बार सीसैट की तैयारी के बारे में. ध्यान रखें, सीसैट ऐसे अभ्यर्थियों के लिए वरदान है, जो किसी भी विषय को रटने की अपेक्षा समझने पर बल देते हैं.

## सीसैट की तैयारी

सीसैट (सिविल सर्विसेस एप्टीट्यूड टेस्ट) में 200 अंकों के लिए दो घंटे का समय निर्धारित है. सीसैट के द्वारा सभी विषय के छात्रों को एक समान स्तर पर लाया गया है. इससे रटने की प्रवृत्ति को समाप्त कर अभ्यर्थी की तार्किकता, समझदारी, व्यक्तित्व और उसके अंदर छुपे प्रशासनिक गुणों को देखा जाता है. इसमें अभ्यर्थी की भाषा में पकड़, विभिन्न परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता, तीव्र गति से आकलन एवं गणना करने की क्षमता का भी पता चलता है. सीसैट कई भागों में बंटा है. प्रत्येक भाग की तैयारी के लिए अलग-अलग रणनीति अपनाएं.

## भाषा-हिंदी/अंगरेजी

सीसैट के प्रथम भाग में हिंदी और अंगरेजी में कॉप्रीहेंशन दिये जाते हैं. इसमें कुछ पैसेज के आधार पर प्रश्न पूछे जाते हैं. इस पैसेज को सावधानी से पढ़ कर, अच्छे से समझ लें, फिर उत्तर दें. आपने अपने यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा के फॉर्म में भाषा के स्थान पर जिस भाषा का चयन किया है, कॉप्रीहेंशन उसी भाषा में करें.

## गणितीय योग्यता

सीसैट में गणित के सवालों के जरिये आपकी सटीकता की जांच की जायेगी. गणित में एनसीइआरटी की छठी से लेकर 10वीं तक की पुस्तक से प्रश्न होंगे. इनमें प्रतिशत, औसत, आयु समय एवं काम, समय एवं दूरी, संभावना आदि अध्याय मुख्य होंगे. गणित को नियमित अभ्यास के माध्यम से ही बेहतर किया जा सकता है. कुछ चीजों को याद कर लें. जैसे 1 से 50 तक के वर्ग, 1 से 10 तक वर्गमूल आदि. इसके अलावा गणित के प्रश्न हल करते समय अपने दिमाग को स्थिर रखना अनिवार्य है.

## निर्णय क्षमता

निर्णय लेना ही प्रशासक का मुख्य कार्य है. एक अच्छा निर्णय किसी भी समस्या को सदा के लिए समाप्त कर देता है. निर्णय लेते समय समस्या से संबंधित सूचनाएं एवं आंकड़ों का विश्लेषण करते हैं. इसमें आपकी ज्ञान, समझ, धैर्य, पहल करने की क्षमता आदि का पता चलता है. इसीलिए इस प्रकार के प्रश्नों को कई चरणों में बांट कर हल करें.

## सम्प्रेषण कौशल

लोक सेवक को जनता, नेता, मीडिया एवं नौकरशाह से बातचीत करनी पड़ती है. इसीलिए प्रत्येक लोक सेवक को विभिन्न व्यक्तियों से विभिन्न समय पर संपर्क / संचार / वार्ता स्थापित करने की क्वालिटी आनी चाहिए. प्रशासनिक व्यक्ति तथ्य आधारित संचार देते हैं. सभी संचार औपचारिक माध्यम के द्वारा स्थापित हो, इसका ध्यान रखना चाहिए.

## तार्किक क्षमता

इस मार्ग में मुख्य रूप से अभ्यर्थी की मानसिक शक्ति की जांच की जायेगी. अधिकतर प्रश्न पहेली के रूप में रहेंगे. इसके लिए आरएस अग्रवाल की पुस्तक काफी उपयोगी है. अधिक अभ्यास के द्वारा कम, समय में प्रश्न को हल किया जा सकता है.

## मानसिक योग्यता

यह भी एक प्रकार से रीजिनिंग का ही भाग है. इसके अंतर्गत किसी दिये गये आंकड़ों के आधार पर किसी घटना को सिद्ध करना होता है. इसके लिए भी आरएस अग्रवाल की पुस्तक उपयोगी है.

## अंगरेजी भाषा और बोध परीक्षण

यह भाग सभी अभ्यर्थियों के लिए केवल अंगरेजी में ही होगा. इसमें कुछ पैसेज के आधार पर प्रश्न पूछे जायेंगे. इन्हें सावधानी से पढ़ कर उत्तर दें. इस भाग में कुछ प्रश्न ग्रामर से भी रहेंगे, जिसके लिए कोई भी दसवीं क्लास की ग्रामर की किताब की मदद लें. इस भाग की तैयारी के लिए यूपीएससी द्वारा आयोजित दूसरी बहुविकल्पीय परीक्षाओं, जिसमें अंगरेजी के प्रश्न पूछे जाते हैं, के प्रश्नपत्र को लेकर हल करें और बार-बार अभ्यास करें.

# कुछ पल सिर्फ तुम्हारे–मेरे

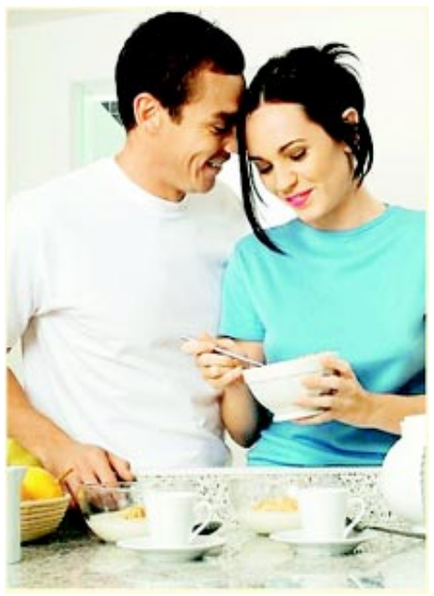

**वैवाहिक** जीवन में उष्णता बनाए रखना दूर जाने से ज्यादा आसान है। मन में कई तरह की गलतफहमियों, अहंकार तथा कड़वेपन को जगह देने की बजाय यदि पति-पत्नी छोटी-छोटी बातों से एक-दूसरे के दिल में बने रहें तो जिंदगी से शायद किसी को शिकायत भी न हो। इससे दाम्पत्य जीवन में हमेशा ताजगी भी बनी रहती है। सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल अदिति ने अपने ही सहकर्मी अतुल से पाँच वर्ष पूर्व विवाह किया है। वे कहती हैं-'यह सही है कि जिंदगी पहले से कहीं ज्यादा रफ्तार भरी हो गई है, लेकिन उसमें से कुछ पल भी अगर हम सिर्फ और सिर्फ अपने लिए चुरा लें तो हमारे बीच का बंधन और मजबूत हो जाता है। चाहे कुछ भी क्यों न हो जाए अतुल और मैं हर साल दस दिन की छुट्टी लेते हैं और आस-पास ही कहीं ऐसी जगह चल पड़ते हैं जहाँ घर और ऑफिस की टेंशन न हो। आप यकीन नहीं मानेंगे कि दस की दिन वे छुट्टियाँ हम दोनों में साल भर के लिए एनर्जी भर देती हैं। इससे हमारे काम करने की इच्छाशक्ति और 'कैपेबलिटी' भी बढ़ जाती है। अब तो किसी बड़े प्रोजेक्ट के आने से पहले मेरे बॉस भी हँसी-हँसी में कह देते हैं कि अदिति, अतुल से बोलो तुम्हें कहीं घुमा लाए। यकीन मानिए, एक-दूसरे के साथ बिताया एक-एक पल आपके लिए जिंदगी भर की अनमोल याद बन जाता है।'

दिन ब दिन व्यस्त होती जिंदगी के बीच रिश्तों में करीबियाँ लाने के लिए लोग अब पहले से कहीं ज्यादा सचेत हो गए हैं। छोटे परिवारों और बढ़ती जिम्मेदारियों के बीच दाम्पत्य जीवन को भी सुदृढ़ तथा प्रवाहमान बनाए रखने के लिए अब लोग पहले से कहीं ज्यादा प्रयोग करने लगे हैं तथा समय देने लगे हैं। एक निजी बुटीक की संचालक पायल मल्होत्रा कहती हैं- 'प्रकाश (पायल के पति) का प्रॉपर्टी का बिजनेस है। उनके पास टाइम की बहुत कमी होती है। फिर जब भी कुछ प्रोग्राम बनाओ कुछ न कुछ अड़ंगे लगे ही रहते हैं। इसके चलते हम पिछले पाँच सालों से दिल्ली के बाहर नहीं जा पाए, लेकिन प्रकाश इस बात को समझते हैं और हम कम से कम महीने में एक बार छत पर साथ बैठकर बतियाने या वीसीडी पर एक अच्छी-सी फिल्म देखने का प्रोग्राम बना ही लेते हैं। हमारी कोशिश होती है कि हम अपने बीच 'कम्युनिकेशन गैप' न आने दें और कैसे भी करके अपने लिए कुछ घंटे निकाल ही लें। जिंदगी की भागदौड़ और काम तो लगे ही रहते हैं। वो कभी खत्म नहीं होने वाले लेकिन उनके पीछे अपने रिश्ते में दूरियाँ पैदा कर लेना बिलकुल गलत है।'

सच तो है, एक-दूसरे के प्रति प्रेम और भावनाओं को यदि जगह नहीं दी गई तो पति-पत्नी का रिश्ता कितना रूखा होकर रह जाएगा। इसके लिए यह भी कतई जरूरी नहीं कि आप किसी पाँच सितारा होटल, विदेशों की सैर या महँगे गिफ्ट्स को ही माध्यम बनाएँ। यह काम तो एक साथ बैठकर सुबह की चाय की चुस्कियाँ लेने, एक फूल उपहार में दे देने, छुट्टी के दिन साथ बैठकर कोई फिल्म देख लेने या फिर पुराने एल्बम के साथ यादों के पन्नो पलटते हुए भी किया जा सकता है। ये बातें आपको न केवल एक-दूसरे के करीब लाएँगी बल्कि एक-दूसरे की उन खूबियों-खामियों से भी परिचित करवा जाएँगी, जिनके बारे में आप जानते नहीं थे। इसलिए जीवन के इन अनमोल पलों की कद्र कीजिए और एक-दूसरे को वक्त दीजिए ताकि आपका दाम्पत्य जीवन हमेशा तरोताजा बना रहे। फिर जब पचास साल बाद भी यादों की पोटली खोलें तो इन पलों की सुनहरी दमक पूरी जिंदगी को रोशन कर डाले।

# स्पेशल क्लोव कुकीज

**सामग्री**- मैदा तीन कप, चीनी 1 कप, मक्खन या घी 1/2 कप, मलाई (फेंटी हुई) 1/2 छोटा चम्मच, बेकिंग पावडर 1/2 छोटा चम्मच, जायफल पावडर चुटकी भर, लौंग पावडर 1/2 छोटा चम्मच, किशमिश 1/2 कप।

**विधि**- किशकिश को छोड़कर सारी सामग्री को मिक्सर में मिक्स करें। किशमिश डालकर मिश्रण को रातभर फ्रीज में रख दें। ओवन को अच्छा गरम कर लें। अब मिश्रण की एक पतली रोटी बेलकर उस पर शकर छिड़क दें। अब एक कटर या तेज चाकू से बेली हुई रोटी के मनचाहे शेप में कुकीज काट लें और कुकीज बेक करने वाली ट्रे पर रख दें। ट्रे को ओवन में रखकर 8 से 10 मिनट या ब्राउन होने तक बेक करें। ठंडा होने पर सर्व करें।

# करियर में सफलता के लिए

- काम शुरू करने से पहले अच्छी तरह प्लानिंग करें। अपनी रूचि, क्षमता व योग्यता के आधार पर कारोबार या जॉब का चुनाव करें।
- अपने करियर प्लान को गोपनीय रखना सफलता के लिए जरूरी है।
- करियर चुनने के पूर्व उसके बारे में समूची जानकारी जुटा लें। उस क्षेत्र से जुड़े लोगों से बात करें।
- उस नए क्षेत्र में अपने प्रतिद्वंद्वी के सामने आप कैसे टिकेंगे, इन सब बातों पर भी पहले विचार कर लें। निर्णय लेने में दिल व दिमाग दोनों का इस्तेमाल करें।
- आपके पास कितनी पूंजी है, किस बैंक व किस शाखा से लोना लेंगे, कौन-सा बैंक किस व्यवसाय के लिए कितना लोन देता है, ब्याज दर, लोन चुकाने की प्रक्रिया, भुगतान कैसे करेंगे-इन तमाम पहलुओं पर विचार करें।
- घर से व्यवसाय शुरू करने की स्थिति में परिवार के सदस्यों से बात करें और उनसे विश्वास व सहयोग की उम्मीद जताएं।
- परिवार के बुजुर्गों तथा उस क्षेत्र से जुड़े लोगों से भी विचार-विमर्श करें, ताकि उनके अनुभवों का लाभ मिल सके।
- आपका नजरिया स्पष्ट व आशावादी हो। कंफ्यूजन में न रहें।
- करियर की मांग, समय व परिस्थिति के अनुकूल खुद को ढाल लें।
- संभावित कठिनाइयों व परेशानियों का आकलन करें और काल्पनिक व वास्तविक समस्याओं को सूझबूझ से हल करें।
- कई समस्याएं एक साथ आ जाने पर उन्हें एक-एक कर सुलझाएं और इस दौरान अपना संयम, धैर्य व आत्मविश्वास बनाए रखें।
- अपने फील्ड से संबंधित संस्थानों व लोगों का नाम-पता व उन तक पहुंचने का जरिया तलाशें। यह भी देखें कि किन लोगों का सहयोग व पथ-प्रदर्शन आपको स्थिरता देगा।
- जो भी करें, पूरे दिल से करें। ऑफिस में काम के घंटे गुजारना ही करियर नहीं होता।
- नई जगह, नए काम, नए माहौल व नए सहयोगियों से तालमेल बनाएं। मेहनत, सहयोग व ईमानदारी से लोगों का दिल जीतें।
- अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें। हर काम को शॉर्टकट करने की आदत छोड़ें।
- उदारता, विचारों में लचीलापन और समय की पाबंदी सफलता दिलाती है।
- किसी को अपने आत्मसम्मान को ठेस न पहुंचाने दें, न दूसरों के साथ ऐसा करें। दोस्ती एक मर्यादा में रहकर करें।
- बात-बात पर झूठ न बोलें।
- देश-विदेश की ताजा खबरों व लेटेस्ट टॉपिक्स पर नजर रखें। बिजनेस व मार्केट के दांवपेंचों का बारीकी से अध्ययन करें।
- दिनभर के काम का आकलन करें और खुद से पूछें कि क्या आप संतुष्ट हैं? अगर नहीं, तो मन को स्थिर रखते हुए उपलब्धियों की ओर बढ़ने के लिए जी-जान से जुट जाएं।

# ब्यूटी टिप्स

- यदि लिपस्टिक लगाने पर मुंह के चारों ओर बारीक लकीरें पर फैल जाती है तो लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों पर हल्का-सा फाऊंडेशन लगाएं, उसके बाद होंठों की बाहरी रेखा को लिप पैंसिल से बनाएं फिर ब्रश की सहायता से लिपस्टिक लगाएं।
- यदि आपका चेहरा चौकोर है तो जॉ-लाइन के सिरों पर त्रिकोण बनाते हुए शेड दें, बालों को छोटा रखें और उन्हें कंधे तक फैलाएं।
- यदि आपका रंग दबा हुआ है तो फाऊंडेशन का प्रयोग कम करें।
- अगर चेहरा रूखा है तो मेकअप करने से पहले बर्फ के टुकड़े को कपड़े में लपेटकर चेहरे पर धीरे-धीरे लगाएं। इससे चेहरे का रूखापन तो दूर होगा ही साथ ही मेकअप भी काफी देर तक टिका रहेगा।
- सोने से पूर्व मेकअप जरूर हटा लें। क्लींजिंग मिल्क या कच्चे दूध से चेहरा साफ करें।
- मेकअप करते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि आप किस अवसर के लिए कैसा मेकअप कर रही हैं।
- रात को सोने से पहले दूध की मलाई में थोड़ा-सा नींबू तथा कुछ बूंदें ग्लिसरीन मिलाकर हाथों पर मलें। कुछ देर बाद रूई से पौंछ लें। हाथ मुलायम हो जाएंगे।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** चू चे चो ला ली लू ले लो आ

जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-5-7

**वृष** इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-3-5-6

**मिथुन** का की कू घ ङ छ के को हा

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-4-6

**कर्क** ही हू हे हो डा डी डू डे डो

परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-6-7

**सिंह** मा मी मू मे मो टा टी टू टे

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। स्वास्थ्य नरम होगा। शुभांक-3-6-8

**कन्या** टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-6-7-8

**तुला** रा री रु रे रो ता ती तू ते

पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-1-4-6

**वृश्चिक** तो ना नी नू ने नो य यी यू

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। कर्ज देने से बचें। शुभांक-4-7-9

**धनु** ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। एकाकी वृत्ति त्यागें। शुभांक-5-7-9

**मकर** भे जा जी खी खू खे खो गा गी

अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। धार्मिक यात्रा का योग। शुभांक-4-7-9

**कुंभ** गू गे गो सा सी सू से सो दा

कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-4-6-9

**मीन** दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-2-5-7

## काकुरो पहेली - 1999

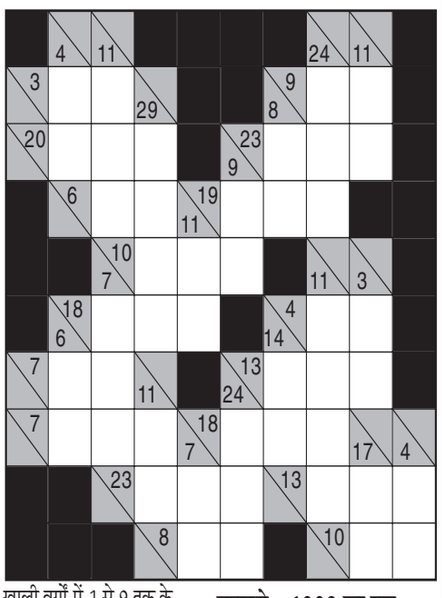

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

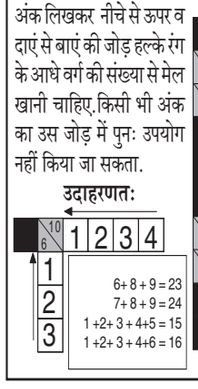


**काकुरो - 1998 का हल**

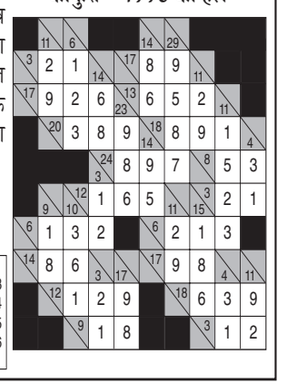

## हंसी के फव्वारें

'यार, एक बात समझ में नहीं आई,तुमने अपनी फर्म के लिए विकलाँग खजांची का चुनाव क्यों किया?' पहले मित्र ने जानना चाहा.

'ताकि फरार होने पर वह जल्द से जल्द पकड़ा जा सके.'दूसरे मित्र ने कारण बताया.

□ □ □

द्वार पर बहुत देर तक दस्तक पड़ने के कारण पति महोदय की नींद खुली,तो पत्नी को जगाते हुए बोली,'सुनती हो, बहुत देर से कोई हमारे द्वार पर दस्तक दे रहा है.'

'ओह! तो तुम घर पर ही हो.' पत्नी उनींदे स्वर में बोली,'मैं तो यह सोचकर निश्चित थी कि द्वार पर तुम खड़े चिल्ला रहे हो.'

□ □ □

'मेरी घरवाली मेरे सिवा किसी और मर्द की ओर देखना तक पसंद नहीं करती.' पहले दोस्त ने बताया.

'पर यह बात आपको कैसे मालूम हुई?'दूसरे दोस्त ने जानना चाहा.

'ऐसे कि कल जब मेरी घरवाली का एक परिचित घर आया, तो वह उसे देखती ही बोली, दफा हो जाओ मेरी नजरों से हमेशा के लिए. अब मैं तुम्हारा चेहरा तक देखना पसंद नहीं करती.' पहला मित्र बोला.

## फिल्म वर्ग पहेली- 1999

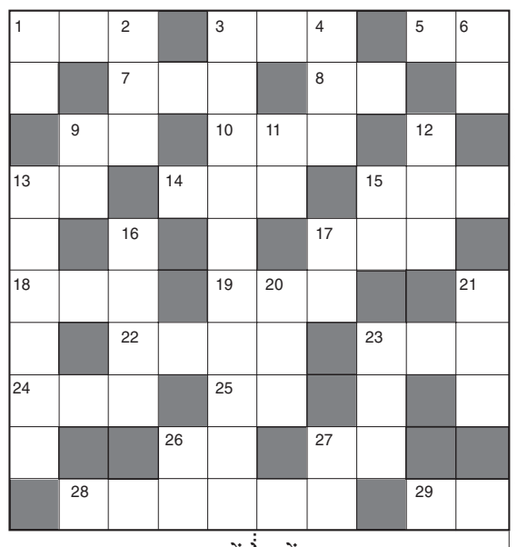

**बायें से दायें:-**

१. मनोजकुमार, साधना की 'तुम बिन जीवन कैसे बीता' गीतवाली फिल्म-३
३. 'चली सात फेरे लेकर' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम फिल्म-३
५. अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, रिमी सेन, ईशा देओल की फिल्म-२
७. 'हो जाता है प्यार' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी और प्राण की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, अजय, मनीषा, रेखा, सोनाली, माधुरी की फिल्म-२
९. 'ना वादा करते हैं' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१०. अनिलकपूर, पूनम ढिल्लों की 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली फिल्म-३
१३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या फिल्म-२
१४. अजय देवगन, विवेक, मनीषा की 'खल्लास' गीत वाली फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
१७. फिल्म 'दोस्ताना' की नायिका थी-३
१८. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली राजकुमार, धर्मेन्द्र की फिल्म-३
१९. शशिकपूर, जीनत अमान की एक फिल्म-३
२२. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीनाराय की १९७२ की एक फिल्म-४
२३. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-३
२४. अनिल, श्रीदेवी, रवीना की फिल्म-३
२५. आमिरखान, मनीषा की फिल्म-२
२६. १९७१ में बनी जीतेंद्र, डिम्पल कपाड़िया की श्याम रल्हन निर्देशित फिल्म-२
२७. 'मिजाजे गिरामी दुआ है आपकी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'जांनशीन' में नायक-४,२
२९. शाहिद कपूर, करीना की 'दिल मेरे ना और' गीत वाली फिल्म-२

**ऊपर से नीचे:-**

१. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली फिल्म-२
२. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३. 'हाय हाय ये मजबूरी' गीत वाली मनोज कुमार जीनत अमान की फिल्म-२,३,२,३
४. फिल्म 'घर में श्याम गली में राम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
६. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२
९. 'बड़ी मुश्किल है खोया मेरा दिल है' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
११. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था-२
१२. मनोजकुमार की राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों में उनके किरदार का नाम है?-३
१३. राजेश, जया भादुड़ी की 'बरस गई रे तरस गई' गीत वाली फिल्म-२,१,३
१५. अक्षय, सुनील, जैकी, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-२
१६. जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१७. 'शीशी भरी गुलाब की' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२
२०. करण दीवान, स्वर्णलता की 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली राजकुमार, मीनाकुमारीकी फिल्म-३
२३. हिमालय, भाग्यश्री की 'मुझको पायल नाम दिया' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली मनोज, धर्मेन्द्र, सायरा बानों की फिल्म-२
२७. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

**फिल्म वर्ग पहेली- 1998**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सं | न्या | सी | | ह | मे | शा | | खौ | फ |
| ध्या | | मा | सू | म | | र | क्षा | | र्ज |
| | रे | | र | | सौ | दा | | त्रि | |
| ना | जा | य | ज | | त | | श्री | दे | वी |
| ग | | की | | जा | न | म | | व | |
| म | हा | न | | गृ | | द | म | | मा |
| णि | | | प्र | ति | का | र | | ज | या |
| | फ | र | हा | | लि | | | मा | |
| रों | की | | र | जि | या | सु | ल्ला | न | |
| | रा | खी | | स्म | | र | | त | ब्बू |

## सूडोकु -1999

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | | 6 | | 3 | | 4 | | 8 |
| | 2 | | | | 9 | | 7 | |
| 4 | | | 1 | 6 | | | | 2 |
| | | 8 | | | 2 | | 3 | |
| 1 | | 4 | | | | 2 | | 5 |
| | 3 | | 5 | | | 8 | | |
| 7 | | | | 9 | 5 | | | 3 |
| | 8 | | 6 | | | | 4 | |
| 6 | | 2 | | 7 | | 5 | | 1 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु -1998 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 6 | 5 | 1 | 8 | 2 | 7 | 4 | 9 |
| 7 | 9 | 2 | 3 | 5 | 4 | 1 | 8 | 6 |
| 4 | 1 | 8 | 6 | 7 | 9 | 5 | 3 | 2 |
| 6 | 5 | 9 | 2 | 4 | 8 | 3 | 7 | 1 |
| 8 | 4 | 7 | 9 | 3 | 1 | 6 | 2 | 5 |
| 1 | 2 | 3 | 5 | 6 | 7 | 4 | 9 | 8 |
| 2 | 7 | 6 | 4 | 9 | 5 | 8 | 1 | 3 |
| 5 | 8 | 1 | 7 | 2 | 3 | 9 | 6 | 4 |
| 9 | 3 | 4 | 8 | 1 | 6 | 2 | 5 | 7 |

## शब्द पहेली - 1999

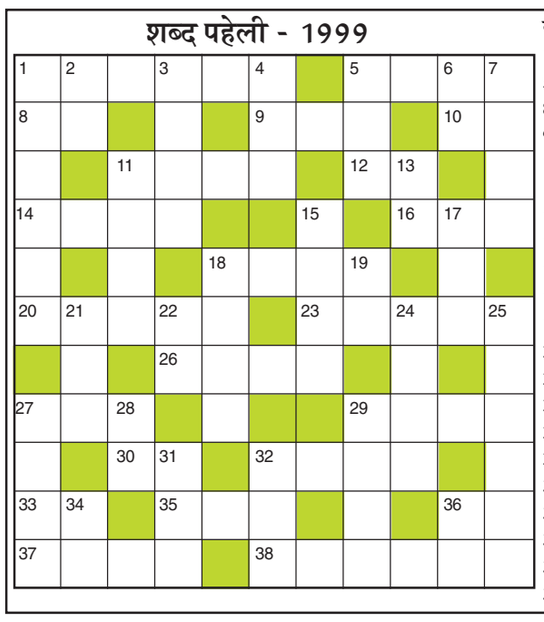

**बाएँ से दाएँ**

1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

**ऊपर से नीचे**

1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

**शब्द पहेली - 1998 का हल**

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आ | द | त | न | | ल | | वा | य | लि | न |
| | ल | | रा | | प | व | न | | ख | फा |
| ए | | | ध | व | ल | | र | | | स |
| ह | र | द | म | | पा | ल | | फ | क | त |
| सा | | म | | दा | ना | | सा | | मा | |
| न | वी | न | त | म | | अ | ज | वा | ई | न |
| | र | | वा | | स | दा | | रि | | वी |
| प | ता | का | | ह | क | | अ | स | मा | न |
| र | | | जी | | प | र | दा | | | ता |
| वा | त | | न | ल | का | | व | | द | |
| ज | रु | र | त | | ना | | त | ल | वा | र |

## ट्रैफिक सिग्नल पर सरकारी अधिकारी ने शख्स को मारी लात, पीछे से आ रही लॉरी ने कुचला; मौके पर मौत

**हैदराबाद.** पुलिस ने शनिवार को कहा कि तेलंगाना के निज़ामाबाद जिले में ट्रैफिक सिग्नल पर कारों की सफाई करने के बाद पैसे मांगने वाले एक व्यक्ति की कथित तौर पर एक लॉरी से कुचलकर मौत हो गई, जब चार पहिया वाहन में यात्रा कर रहे एक सरकारी अधिकारी ने उसे लात मारी। पुलिस ने कहा आरोपियों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। मामला दर्ज कर लिया गया है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामला गुरुवार शाम को उस समय हुआ जब एक व्यक्ति आर्मूर इलाके में एक ट्रैफिक जंक्शन पर सरकारी अधिकारी की कार की खिड़की के शीशे साफ कर रहा था।

उन्होंने बताया कि व्यक्ति ने काम के बाद अधिकारी से बदले में पैसे मांगे। पैसे मांगने पर अधिकारी का मूड बिगड़ गया और वह कार से उतरा और कथित तौर पर उस व्यक्ति को लात मार दी।

लात से धक्का लगने पर जब व्यक्ति पीछे की तरफ गिरा तो तभी सड़क पर तेजी से आ रही एक लॉरी की चपेट में आने से उस शख्स की मौके पर ही मौत हो गई।पुलिस ने कहा कि पीड़ित के रिश्तेदारों की शिकायत के आधार पर कार चला रहे व्यक्ति के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (गैर इरादतन हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है और मामले की जांच की जा रही है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि आरोपियों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

## किस्त जमा न होने पर बैंक ने घर से खिंचवा लिया था ट्रक, आयोग ने ठोका 20 लाख का हर्जाना, जानें पूरा मामला

**लखनऊ.** फाइनेंस करवाये गये वाहन की कुछ किस्तें जमा न कर पाने पर वाहन खिंचवा लेना एक बैंक को महंगा पड़ गया। अब लखनऊ के पार्क रोड स्थित इंडसइंड बैंक पर राज्य उपभोक्ता विवाद एवं प्रतितोष आयोग ने बीस लाख रुपये का हर्जाना ठोंक दिया है।रामपुर जिले के तहसील मिलक क्षेत्र के रहने वाले इफ्तेखार खां द्वारा दायर अपील पर यह फैसला आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अशोक कुमार ने दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद दिया है। इस फैसले में 13 मार्च 2023 के जिला उपभोक्ता आयोग के फैसले को निरस्त कर दिया गया।

विपक्षी बैंक प्रबंधन को आदेश दिया गया कि वह दो महीने के अन्दर शिकायकर्ता को बीस लाख रुपये की क्षतिपूर्ति अदा करे। रअसल इफ्तेखार खां ने रोजगार के लिए एक ट्रक इंडसइंड बैंक की उपरोक्त शाखा से 571740 रुपये के लिए फाइसेंस करवाया था। फरवरी 2020 में शिकायकर्ता को पीलिया हो गया लिहाजा वह किस्तें जमा नहीं कर पाया और एक लाख रुपये से कुछ अधिक रकम बकाया हो गयी। तभी बिहार से आते समय मार्च 2020 में विपक्षी बैंक ने उक्त ट्रक खिंचवा लिया।

# 75825 शिक्षक भर्ती : शेष अभ्यर्थियों की फिर काउंसिलिंग के खिलाफ अपील दाखिल

**यूपी सरकार व बेसिक शिक्षा परिषद ने शिक्षक भर्ती में शेष बची सीटों को भरने के लिए फिर से काउंसिलिंग शुरू करने के आदेश के खिलाफ विशेष अपील दाखिल की है। यानी अब शेष पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया जल्द खत्म ह**

**प्रयागराज.** 30 नवंबर 2011 को जूनियर बेसिक स्कूलों में 75825 शिक्षकों की भर्ती के विज्ञापन में से सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाई 12091 श्रेणी के बचे अभ्यर्थियों की फिर से काउंसिलिंग के लिए नया विज्ञापन जारी करने के एकल पीठ के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार व बेसिक शिक्षा परिषद ने विशेष अपील दाखिल की है। दोनों की अपील पर न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्र एवं न्यायमूर्ति एसक्यूएच रिजवी की खंडपीठ ने दो दिन की बहस के बाद अपीलों पर फिर सुनवाई के लिए 27 फरवरी की तारीख लगाई है। राज्य सरकार की ओर से अपर मुख्य स्थाई अधिवक्ता रामानंद पांडेय और बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से कुष्मांडा शाही ने बताया कि इन अपीलों में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने 25 जुलाई 2017 एवं बाद में इस मामले में अभ्यर्थियों की अवमानना याचिका में 13 दिसंबर 2019 को सरकार द्वारा ट्रेनी टीचरों की सम्पन्न भर्ती को सही मानते हुए अवमानना का मामला खत्म कर दिया था। ऐसे में 2011 की भर्ती को लेकर एकल पीठ द्वारा फिर से शेष बचे अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग का निर्देश दिया

जाना गैरकानूनी है।दूसरी ओर विनय कुमार पांडेय व अन्य अभ्यर्थियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक खरे, एचएन सिंह, आरके ओझा, अनिल तिवारी का कहना है कि एकल पीठ के आदेश में कोई त्रुटि नहीं है। बहस की गई कि सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अवमानना वाद में सही तथ्य प्रस्तुत नहीं किया गया। इस कारण इस प्रकार का आदेश हुआ और सुप्रीम कोर्ट ने भर्ती को सही मानते हुए अवमानना केस समाप्त कर दिया।

कोर्ट ने पूछा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हाईकोर्ट इस मामले में सुनवाई कर सकता है या नहीं। इस पर अभ्यर्थियों की ओर से वकीलों का कहना था कि इस मामले में सुनवाई करने में हाईकोर्ट को कोई विधिक बाधा नहीं है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने कुछ अभ्यर्थियों की याचिका पर हाईकोर्ट को सुनवाई करने का निर्देश दिया है।दो दिन की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट की विशेष अपील बेंच ने परिषद के अधिवक्ता से काउंसिलिंग में अपनाई गई चयन की प्रक्रिया व कट ऑफ मार्क्स को लेकर अपनाए गए नियम बताने को कहा है। कोर्ट मंगलवार को इन अपीलों पर फिर सुनवाई करेगी।गौरतलब है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने विनय कुमार पांडेय व कई अन्य और इससे संबद्ध अन्य याचिकाओं पर निर्देश दिया था कि शेष बचे अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग कराने के लिए ताजा विज्ञापन पांच फरवरी से शुरू होने वाले सप्ताह में जारी किया जाए और यह विज्ञापन तीन अखबारों में प्रकाशित कराया जाए।

## कोलकाता में लैंड होने वाला था विमान मगर लेजर बीम लगने से बंद हुई पायलट की आंखें, फिर जो हुआ

**कोलकाता.** इंडियो की फ्लाइट के लैंड होने से ठीक पहले लेजर पायलट की आंखों के सामने बीम लगने का मामला सामने आया है। यह घटना उस वक्त हुई जब विमान कोलकाता एयरपोर्ट पर लैंड होने से 1 किलोमीटर दूर था। रिपोर्ट के मुताबिक, इस फ्लाइट ने बेंगलुरु से उड़ान भरी थी। लेजर बीम के जरिए विमान के कॉकपीट की ओर काफी तेज लाइट चमकी थी। सके चलते फ्लाइट में सवार पायलट्स की आंखों के सामने कुछ समय के लिए अंधेरा छा गया। एयरलाइन की ओर से इस घटना पर गंभीर चिंता जताई गई है और इसे लेकर बिधाननगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज हुई है। ऐसी हरकत को विमान की सुरक्षा के लिए खतरनाक बताया गया और आरोपियों के खिलाफ सख्त ऐक्शन लेने की मांग की गई है।

विमानन कंपनी इंडिगो की

इस फ्लाइट में 165 यात्री सवार थे और 6 क्रू मेंबर्स थे। एयरपोर्ट अधिकारियों ने कहा, इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6E 223 के कैप्टन शुक्रवार शाम को 7:30 बजे लैंड कराने वाले थे। इसी दौरान उन्हें कैखाली के पास लेजर लाइट की तेज चमक का सामना करना पड़ा। इस दौरान प्लेन लैंड होने के लिए रनवे की ओर तेजी से बढ़ रही थी। ऐसी स्थिति में थोड़े समय के लिए भी अंधेरापन या किसी तरह का भटकाव खतरनाक हो सकता है। यही वजह है कि अगर लैंडिंग स्ट्रिप के पास किसी तरह की दिक्कत आती है तो पायलट लैंडिंग टाल देते हैं और दोबारा यह प्रयास करते हैं।

**पुलिस से एक्शन-टेकन रिपोर्ट मिलने का इंतजार**

एयरपोर्ट अधिकारी ने कहा कि शिकायत **NSCBI** एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन को भेज दी गई है। फिलहाल, उन्हें पुलिस की ओर से एक्शन-टेकन रिपोर्ट मिलने का इंतजार है।

अधिकारी ने बताया कि लेजर लाइट की समस्या और उड़ानों के लिए उनके खतरे पर पिछले हफ्ते हवाई अड्डा पर्यावरण प्रबंधन समिति की बैठक हुई थी। इस दौरान मामले पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें बंगाल की गृह सचिव नंदिनी चक्रवर्ती ने भाग लिया था। नागर विमानन महानिदेशालय ने लैंडिंग के दौरान पायलटों को लेजर बीम से अंधे होने से रोकने के लिए कदम उठाए हैं। इसके तहत हवाई अड्डों के आसपास लेजर लाइट के लिए 18.5 किमी-त्रिज्या बहिष्करण क्षेत्र को अनिवार्य किया गया है।

## 5 हजार किमी की 8 राज्यों में पुलिस की दौड़, हल्द्वानी हिंसा मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक की गिरफ्तारी की पूरी कहानी

**हल्द्वानी.** हल्द्वानी हिंसा में वांटेड अब्दुल मलिक को पुलिस 16 दिन बाद शुक्रवार की देररात दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मलिक की गिरफ्तारी के लिए देश के आठ राज्यों की खाक छानी थी। इसमें नौ टीमों में 45 पुलिस कर्मियों को लगाया था। इसके बाद मात्र ढाई सौ किमी की दूरी पर मलिक मिल गया।हल्द्वानी के वनभूलपुरा में बीते आठ फरवरी को सरकारी जमीन पर बने मदरसा और धार्मिक स्थल को हटाने गई पुलिस का लोगों ने विरोध कर दिया था। पुलिस पर पथराव किया। इसके बाद हिंसा भड़क गई। विरोध में लोगों ने वनभूलपुरा थाना समेत कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया।इस हिंसा में पांच लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने पांच हजार अज्ञात समेत 16 आरोपियों को नामजद किया था। जिसमें अलग-अलग तीन मुकदमे दर्ज हुए थे। मुकदमों में अब्दुल मलिक पहले नंबर पर था।इस मामले में पुलिस अब तक सात वांटेड समेत 82 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, लेकिन अब्दुल मलिक और उसके बेटे अब्दुल मोईद की गिरफ्तारी नहीं हो पाई थी। पुलिस ने गृह मंत्रालय से दोनों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी करा दिया था। पूरे नेपाल बॉर्डर पर वांटेड मलिक के पोस्टर चस्पा कर दिए गए।पुलिस ने दोनों को पकड़ने के लिए उत्तराखंड, यूपी, दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र, बिहार, मध्यप्रदेश और चंड़ीगढ़ तक दबिशें दीं, लेकिन मलिक पुलिस को दिल्ली में मिला, लेकिन उसके बेटे को अभी भी गिरफ्तार नहीं कर पाई है। वांटेड की लिस्ट में अब्दुल मलिक गिरफ्तार होने वाला आठवां आरोपी है।

**तीन सौ किलोमीटर की दूरी पर पकड़ा गया**

नैनीताल पुलिस ने मलिक की गिरफ्तारी के लिए आठ राज्यों में दबिशें दीं। 16 दिन में करीब पांच हजार किमी का सफर मलिक को गिरफ्तार करने के लिए किया। इसमें कई दिनों तक पुलिस कर्मी अपने घर तक नहीं पहुंच पाए।

## बेटी से भीख मंगवाकर शराब पीने वाले शख्स ने पत्नी को जिंदा जलाया, हालत गंभीर

**शराबी पति ने परिजनों के सहयोग से पत्नी को जिंदा जला दिया। गंभीर हालत में पत्नी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी हालत बेहद गंभीर बताई गई है। महिला के पिता की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज किया है।**

**मैनपुरी.** शराबी पति ने परिजनों के सहयोग से पत्नी को जिंदा जला दिया। गंभीर हालत में पत्नी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत बेहद गंभीर बताई गई है। घायल के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पति, सास और उसके चार देवरों के खिलाफ उत्पीड़न और जानलेवा हमला करने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।घटना 23 फरवरी रात की है। उमेश पुत्र फकीरेलाल निवासी कर्नलगंज फतेहगढ़ फर्रुखाबाद ने पुलिस को तहरीर देकर जानकारी दी कि उन्होंने अपनी पुत्री

पूजा की शादी 16 वर्ष पूर्व मैनपुरी शहर के गुरुद्वारा गली निवासी मदन दत्त के साथ की थी। पिता की मौत होने के बाद मदन दत्त जूनियर हाई स्कूल अघार वाली गली में चतुर्थ श्रेणी के पद पर कार्यरत हो गया। पीड़ित का कहना है कि मदन दत्त शराब पीता है। उसकी पुत्री तीन बच्चियों की मां है। जिनका भरण पोषण नहीं हो पा रहा। आरोप लगाया कि मदन दत्त उसकी पुत्री पूजा से सड़क पर भीख मंगवाता है और उसके पैसे से शराब पी लेता है। पिता ने आरोप लगाया कि 23 फरवरी को दामाद मदनदत्त ने अपने परिजनों के सहयोग से ज्वलनशील पदार्थ डालकर अपनी पत्नी पूजा को आग लगा दी। जिससे वह गंभीर रूप से जलकर घायल हो गई। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

**पुलिस आरोपियों की तलाश में दे रही दबिश**

घटना की तहरीर पर पति मदन दत्त, देवर लक्की, आकाश, विकास,, तथा विक्की सभी निवासीगण गुरुद्वारा वाली गली मोहल्ला अग्रवाल कोतवाली मैनपुरी के खिलाफ पुलिस ने उत्पीड़न और जानलेवा हमला करने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी फतेह बहादुर सिंह का कहना है कि आरोपियों की तलाश की जा रही है। जल्द उनकी गिरफ्तारी होगी और उन्हें जेल भेजा जाएगा।

# यूपी के इस पक्षी प्रेमी के पास है दुनियाभर के 2 हजार डाक टिकट, राम मंदिर वाला सबसे खास

**गोरखपुर.** अंतरराष्ट्रीय डाक टिकट संग्रहकर्ता अश्वनी दुबे पर पक्षियों पर जारी डाक टिकट इकठ्ठा करने का ऐसा जुनून सवार है कि दुनिया के किसी भी देश में पक्षी पर डाक टिकट जारी हो जाए तो उसे हासिल करने के लिए बेचैन हो जाते हैं। उनकी बेताबी का नतीजा है कि अब तक उनके टिकट बैंक में दुनिया भर के 2000 डाक टिकट जमा हो चुके हैं। उनके बैंक में श्री राम जन्मभूमि मंदिर को समर्पित 6 विशेष स्मारक डाक टिकट दाखिल हुए हैं जिसमें भगवान गणेश, भगवान हनुमान, राम मंदिर, जटायु, केवटराज और मां शबरी के टिकट शामिल हैं। ये टिकट हाल ही में प्रधानमंत्री ने जारी किए हैं।अश्वनी दुबे का तर्क है कि इस तरह के टिकट अद्भुत पक्षियों के प्रति जागरुकता का काम करते हैं। पक्षियों पर जारी होने वाले टिकटों को संग्रह करने के जुनूनी अश्वनी दुबे ने बताया कि रामायण के प्रमुख किरदार 'जटायु' पर प्रकाशित डाक टिकट भारत में विलुप्त होती 9 जटायु(गिद्ध) प्रजातियों के प्रति आम जनमानस में जागरुकता पैदा करने का काम करेगा। इससे उनमें गिद्धों के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति ध्यान आकृष्ट होगा।

**श्रीराम मंदिर से जुड़े स्मारक टिकटों में बिलुप्त होते जटायु (गिद्ध) को स्थान**

8 जनवरी को श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भगवान गणेश, भगवान हनुमान, राम मंदिर, जटायु, केवटराज और मां शबरी के टिकट जारी किए तो अश्वनी दुबे ने उसे भी अपने बैंक में जमा कर लिया। वह कहते हैं कि ये टिकट देश की युवा पीढ़ी को प्रभु राम और उनके जीवन के बारे

**गोरखपुर के अश्वनी दुबे पर पक्षियों पर जारी डाक टिकट इकट्ठा करने का ऐसा जुनून सवार है कि दुनिया के किसी भी देश में पक्षी पर डाक टिकट जारी हो जाए तो उसे हासिल करने के लिए बेचैन हो जाते हैं।**

में जानने में भी मदद करेंगे। इतना ही नहीं अश्वनी के बैंक में 22 सितंबर 2017 को शिलापूजन कार्यक्रम के दौरान रामायण के महत्वपूर्ण प्रसंगों को दर्शाते 11 स्मारक डाक टिकटों को भी जमा कर रखा है जिसमें सीता स्वयंवर, राम वनवास, भरत मिलाप, केवट प्रसंग, जटायु संवाद, शबरी संवाद, अशोक वाटिका में हनुमान-सीता संवाद, राम सेतु निर्माण, संजीवनी ले जाते हनुमान, रावण वध व भगवान राम के राजगद्दी पर बैठने के आकर्षक दृश्य समाहित हैं।

**83 देशों ने भारतीय गिद्धों पर प्रकाशित किया है डाक टिकट**

अश्वनी कहते हैं कि देश में गिद्धों की 9 प्रजातियां ओरिएंटल व्हाइट बैक्ड वल्चर, लॉन्ग बिल्ड वल्चर, स्लेंडर-बिल्ड वल्चर, हिमालयन ग्रिफॉन वल्चर, रेड-हेडेड वल्चर, इजिप्शीयन वल्चर, बियर्ड वल्चर, सिनेरियस वल्चर और यूरेशियन ग्रिफॉन वल्चर पर विलुप्त होने का खतरा मडरा रहा है। इनके संरक्षण संवर्धन की कड़ी में गोरखपुर वन प्रभाग में भी रेड हेडेड वल्चर का ब्रीडिंग एवं कंजरवेशन सेंटर स्थापित है। इन टिकटों के जारी होने के पूर्व विश्व के 83 देशों के साथ संयुक्त राष्ट्र ने अपने डाक टिकट पर भारतीय गिद्धों की तस्वीर इस्तेमाल की है लेकिन भारत में हिमालयन ग्रिफॉन वल्चर पर डाक टिकट जारी था।

## उत्तर पुस्तिका के साथ खिलवाड़ करना परीक्षार्थियों को पड़ेगा भारी, दर्ज होगी एफआईआर

**आगरा.** उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षा में उत्तर पुस्तिका को लेकर जाना या फाड़ना छात्रों को भारी पड़ेगा। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय डॉ. आईपीएस सोलंकी ने ऑनलाइन जनपद के समस्त परीक्षा केन्द्र व्यवस्थापकों, स्टेटिक मजिस्ट्रेट बैठक की। बैठक में उन्होंने कहा कि परीक्षा समाप्ति तक अपने विद्यालय में बने स्ट्रांग रूम में उचित प्रकाश की व्यवस्था एवं उच्च गुणवत्ता के इंटरनेट का प्रयोग करना सुनिश्चित करें। ताकि निगरानी में कोई समस्या ना हो।डॉ. सोलंकी ने कहा कि डीवीआर से किसी प्रकार की कोई छेड़छाड़ न की जाए। यदि डीवीआर खराब हो जाए और बदलना आवश्यक हो तो इसकी अनुमति जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से अवश्य ली जाए। लिंग और विषय से संबंधित समस्या पर उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय सचिव एवं डीआईओएस ऑफिस के द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में इसे संबंधित कॉलेज से पुष्टि करते हुए अंडरटेकिंग लेकर बच्चों को परीक्षा में शामिल कराया जाए। उन्होंने कहा कि जहां कक्ष निरीक्षकों की कमी है, वह तुरंत अपनी डिमांड प्रेषित करें। सुबह और शाम की परीक्षा पलियों की उत्तर पुस्तिकाएं समय से संकलन केंद्र पर जमा करा दें। यदि कोई परीक्षार्थी परीक्षा के दौरन उत्तर पुस्तिका फाड़ देता है या उत्तर पुस्तिका लेकर चला जाता है तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएं। इसके बाद भी किसी केंद्र पर अनियमिताएं दिखेंगी तो सेंटर को डिबार करने की संस्तुति करते हुए कड़ी कार्यवाही अमल में लायी जाएगी।बोर्ड परीक्षा में सीसीटीवी की निगरानी से खिलवाड़ कॉलेजों को भारी पड़ेगा।

जिला विद्यालय निरीक्षक दिनेश कुमार के अनुसार लगातार यह संज्ञान में आया है कि डबल वॉयस रिकॉर्डर युक्त सीसीटीवी की कनेक्टिविटी बीच-बीच में बाधित हो जाती है जिससे परीक्षा कक्ष कन्ट्रोल रूम में नहीं दिख रहे हैं। ऐसे में केन्द्रों को निर्देश

# सोना सूख गया

**चीन में हुनसेन नाम का राजा शासन करता था। वह बहुत कंजूस था। दान-पुण्य तो दूर, जनता की जरूरतें पूरी करने के लिए भी धन नहीं निकालता था। उसके पास सोने-चांदी का अपार भंडार था, लेकिन वह किसी की मदद नहीं करता था। राजा के महल से कुछ दूरी पर सिनचिन नामक एक वृद्ध की छोटी-सी झोंपड़ी थी। सिनचिन उस समय चीन का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति माना जाता था। राजा की आदतों से वह भी परेशान था। अतः उसने राजा को सबक सिखाने की ठान ली।**

एक दिन वह अपने मित्रों से सोने के नन्हे-नन्हे चार टुकड़े उधार लाया। उसने सोने के उन टुकड़ों को पीली चमकती हुई एक बड़ी छलनी में रखा और पास बहती नदी के किनारे जा बैठा। इस नदी पर राजा रोज स्नान करने आता था। सिनचिन ने दूर से ही राजा को आते हुए देखा। वह ऐसा अभिनय करने लगा, मानो छलनी में कुछ छान रहा हो। राजा ने उसके पास आकर पूछा,

ल्लसिनचिन, यह क्या कर रहे हो? तुम्हें सुबह-सुबह रेत छानने की क्या आवश्यकता पड़ गई?

सिनचिन ने कहा, महाराज, मैं तो इस रेत में छिपा सोना ढूंढ़ रहा हूं।ङ्क

राजा कुछ कहता, इससे पहले ही सिनचिन ने छलनी भर रेत निकाली और छान दी। छलनी के ऊपर सोने के चार छोटे-छोटे टुकड़े चमक रहे थे।

राजा ने आश्चर्य से पूछा, ल्लरेत में सोना! यह कैसे किया?

सिनचिन ने समझाते हुए जवाब दिया, ल्लहुजूर, आज से महीना भर पहले मैंने सोने का एक छोटा सा टुकड़ा इस जगह पर बोया था। देखिए हुजूर, पूरे चार टुकड़े निकले हैं। यदि मैं कुछ और सब्र करता, तो यहां बहुत से टुकड़े मिलते।

राजा ने चौंकते हुए कहा, ल्लक्या बकवास करते हो? भला क्या सोने की भी खेती की जा सकती है?

सिनचिन ने कहा, क्यों नहीं हुजूर? आप खुद ही देख लीजिए। मैं तो गरीब आदमी हूं। पिछले दस वर्षों से इसी प्रकार सोना बोता हूं और काट लेता हूं। इसी सोने से मेरा पेट पलता है।

राजा ने नाराजगी भरे स्वर में कहा, तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया? मेरे पास तो सोने का ढेर है। मुझे पता होता, तो मैं सारा सोना बो देता। आज तक तो मेरा महल सोने से भर गया होता।

इस पर सिनचिन ने कहा, हुजूर, अब भी देर नहीं हुई है। आप अब भी बो लीजिए। छह महीने बाद देखिएगा, तो फसल लहलहाती नजर आएगी।

राजा ने सिनचिन के कंधे पर हाथ रखते हुए जवाब दिया, देखो सिनचिन, तुम तो एक अनुभवी आदमी हो। मेरी ओर से तुम सोने की खेती करो। इसके लिए तुम्हें जितना सोना चाहिए, तुम ले सकते हो। आज ही मेरे साथ महल में चलो। इस काम के लिए तो तुम मेरे सेवकों को भी साथ ले सकते हो।

सिनचिन तो मानो इस मौके की प्रतीक्षा में था। वह तुरंत राजी हो गया। वह महल में गया और सोने के ढेरों टुकड़े ले आया। राजा ने अपने दस सेवक भी सिनचिन को मदद के लिए दे दिए।

देखते ही देखते, नदी के किनारे खुदाई का काम शुरू हो गया। सिनचिन के कहे अनुसार, सेवकों ने वहां पर सोना बीज की तरह बो दिया। ऊपर रेत डाल दी। सिनचिन ने राजा को आश्वासन दिया कि छह महीने बाद बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिल जाएगा।

इस बीच सिनचिन रोज रात को नदी किनारे जाने लगा। वहां पर वह रोज थोड़ा सा हिस्सा खोदता और वहां दबा सोना अपने झोले में रख लाता। अगले दिन सुबह ही वह सारा सोना गरीबों में बांट देता था। धीरे-धीरे जनता की गरीबी मिटने लगी।

इधर राजा इंतजार करता रहा कि कब छह महीने पूरे हों और उसे बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिले। धीरे-धीरे छह महीने भी पूरे हो गए। राजा ने सिनचिन को दरबार में बुलाया। उसे आदेश दिया कि वह सारा सोना खोद लाए। सिनचिन ने इस काम के लिए कुछ सेवकों की मांग की। राजा ने इस बार बीस सेवक उसके साथ कर दिए। सेवकों ने उस स्थान पर काफी गहराई तक खुदाई की, रेत को छाना। लेकिन सभी यह देखकर आश्चर्य में पड़ गए कि उसमें सिवाय दो-चार सोने के टुकड़ों के कुछ नहीं था। सिनचिन भागा-भागा राजा के पास पहुंचा। रोते हुए बोला, हुजूर, आपकी किस्मत खराब थी। जमीन में सोने के दो-चार सूखे हुए टुकड़ों के अतिरिक्त कुछ भी नहीं निकला है।

राजा ने आश्चर्य से पूछा, ल्लसूखे हुए टुकड़े! तुम्हारा मतलब क्या है? सिनचिन ने जवाब दिया, हां हुजूर, इस बार सारा सोना सूख गया है। आप तो जानते ही हैं, इस बार बारिश बिल्कुल नहीं हुई। सारी फसल सूख गई। आपका बहुत नुकसान हो गया इस बार।

हुनसेन ने डांटते हुए पूछा, भला सोना सूख कैसे सकता है? यह तो ठोस चीज है।

सिनचिन ने मुसकराते हुए कहा, हुजूर, आपने इतनी बातों पर विश्वास कर लिया कि सोना बोया जा सकता है, सोने की फसल लहलहा सकती है, सोना काटा जा सकता है। फिर भला इतनी सी बात पर विश्वास क्यों नहीं करते कि सोना सूख गया?

राजा निरुत्तर हो गया। मंत्रियों से सलाह ली, तो उन्होंने कहा, सिनचिन ठीक कहता है। वाकई यदि सोना बोया जा सकता है, तो सूख भी सकता है। अब तो राजा से कुछ कहते नहीं बना। वह सिर पकड़कर बैठ गया। सिनचिन ने कंजूस राजा को अच्छा सबक सिखा दिया था।

# अंतरराष्ट्रीय शोध टीम ने खोजी कछुए की नई प्रजाति

**एक अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ मिलकर जर्मनी के सेनकेनबर्ग के वैज्ञानिक यूवे फ्रिट्ज ने आनुवांशिक विश्लेषण के आधार पर कछुए की एक नई प्रजाति के बारे में बताया है। अब तक माना जाता था कि 'जीनस चेलुस' कछुए की केवल एक ही प्रजाति है। अध्ययन में कहा गया है कि उन जानवरों की प्रजातियों के संरक्षण का पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए, जिनको अक्सर अवैध पशु व्यापार में बेच दिया जाता है। इस अध्ययन को साइंटिफिक पत्रिका मॉलिक्युलर फाइटोलेनेटिक्स एंड इवोल्यूशन में प्रकाशित किया गया है।**

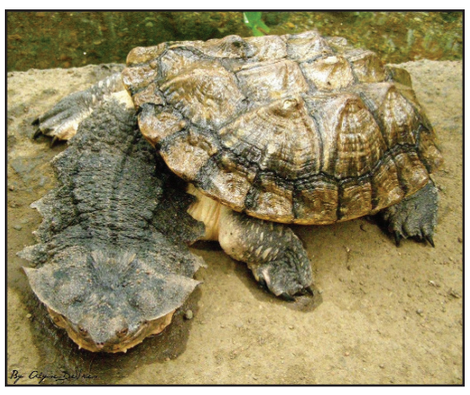

इस प्रजाति का नाम माता-माता बताया गया है, जो पानी के नीचे कीचड़ में छिपे रहते है, इनकी लंबाई 53 सेंटीमीटर तक होती है। ये शैवाल से ढकी चट्टानों की तरह दिखते हैं। लेकिन जब कोई शिकार करने लायक जानवर सामने आता है, तो कछुआ उसे अचानक अपना बड़ा मुंह खोलकर उसे चूसकर पूरा निगल जाता है। ड्रेसडेन में सेनकेनबर्ग प्राकृतिक इतिहास संग्रह के प्रोफेसर डॉ.यूवे फ्रिट्ज बताते हैं यद्यपि ये कछुए अपने विचित्र रूप और असामान्य खाने के व्यवहार के कारण व्यापक रूप से जाने जाते हैं, लेकिन उनकी विविधता और आनुवांशिकी के बारे में बहुत कम जानकारी है। फ्रिट्ज कहते हैं अब हमने यह मान लिया कि इस कवचवाले सरीसृप की केवल एक प्रजाति है जो पूरे दक्षिण अमेरिका में व्यापक रूप से फैली हुई है।

लेकिन ऐसी प्रजातियां, जिन्हें लुप्तप्राय नहीं माना जाता है, वे आश्चर्यजनक हो सकती हैं। आनुवंशिक विश्लेषण के आधार पर, उन्हें अक्सर दो या अधिक स्वतंत्र प्रजातियों में विभाजित किया जाता है। कई अध्ययनों से पता लगा है कि माता-माता कछुए अमेजन बेसिन की तुलना में ओरिनोको नदी में अलग दिखते हैं। ड्रेसडेन के वैज्ञानिक कहते हैं इस अवलोकन के आधार पर, हमने इन जानवरों के जेनेटिक बनावट पर बारीकी से नजर रखने का फैसला किया है।

75 डीएनए नमूनों का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने बताया कि पिछली मान्यताओं के विपरीत, माता-माता कछुओं की आनुवंशिक और दिखने में भी भिन्न-भिन्न दो प्रजातियां हैं। नई प्रजातियां चेलुस ओरिनोकेन्सिस ओरिनोको और रियो नीग्रो बेसिन में निवास करती हैं, जबकि चेलुस फिमब्रिआटा के रूप में जानी जाने वाली प्रजाति विशेष रूप से अमेजॅन बेसिन तक सीमित है।

अध्ययन के अनुसार, लगभग 1 करोड़ 30 लाख साल पहले दोनों प्रजातियां मियोसीन के दौरान विभाजित हो गईं थी। इस अवधि के दौरान, पूर्व अमेजॅन-ओरिनोको बेसिन में जानी पहचानी दो नदी घाटियां अलग-अलग हो गई थी। कई जलीय जीवों की प्रजातियां इस तरह स्थान के आधर पर अलग हो गईं और इन्होंने आनुवंशिक रूप से फैलना शुरू कर दिया।

नई प्रजातियों के विवरण में भी माता माता के संरक्षण की स्थिति का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है। आज तक, इस प्रजाति के व्यापक रूप से फैलने के कारण इन्हें लुप्तप्राय नहीं माना गया था। अध्ययनकर्ताओं ने कहा कि हमारे परिणाम बताते हैं कि, दो प्रजातियों में विभाजित होने के कारण, प्रत्येक प्रजाति की जनसंख्या आकार पहले की तुलना में छोटी हुई है।

इसके अलावा, हर साल इन विचित्र दिखने वाले हजारों जानवरों का अवैध व्यापार होने से इनका जीवन समाप्त हो रहा हैं।

हालांकि इन जानवरों के अवैध व्यापार का पता लगने पर अधिकारियों द्वारा इन्हें जब्त भी किया जाता है। बोगोटा के नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ कोलम्बिया के प्रोफेसर और प्रमुख अध्ययनकर्ता मारियो वर्गास-रामिरेज कहते है कि इससे पहले बहुत देर हो जाए, हमें इन आकर्षक जानवरों की रक्षा करनी चाहिए।

# दुनिया की रहस्यमयी फुन्दूजी झील

दुनिया में लाखों की संख्या में झीलें हैं, कुछ झीलें ऐसा ही जिनका रहस्य आज तक इंसान नहीं जानता.कुछ झीलों काफी डारवनी भी है.आज हम आपको एक ऐसी ही झील के बारे में बताने जा रहे हैं.कहा जाता है कि इस झील का पानी जो भी पी ले वो जिंदा नहीं बचता है और जल्द ही उसकी मौत हो जाती है.यह रहस्यमयी झील दक्षिण अफ्रीका के लिंपोपो प्रांत में है. इसे फुन्दूजी झील के नाम से जाना जाता है.स्थानीय लोगों के अनुसार, किंवदंती है कि इस जगह से प्राचीन काल में एक कोढ़ी व्यक्ति जो कारी लंबा सफर करके यहां आया था, उसे लोगों द्वारा भोजन और आश्रय नहीं दिया गया. कहा जाता है कि इसके बाद उस व्यक्ति ने लोगों को श्राप दिया और झील में प्रवेश किया और फिर गायब हो गया.

कहा जाता है कि झील के अंदर से आज भी डूबे हुए लोगों के रोने, ड्रम बजने की आवाजें आती रहती हैं. स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि पहाड़ों पर मौजूद इस झील की रक्षा एक विशालकाय अजगर करता है.इस अजगर को प्रसन्न करने के लिए हर साल वेन्दा आदिवासी एक नृत्य उत्सव का आयोजन करतें हैं, जिसमें कुवारी लड़कियां नाचती हैं.कहा जाता है कि झील प्राचीन काल में भूस्खलन के कारण बनी थी जिसने मुटाली नदी के प्रवाह को अवरुद्ध कर दिया था, और अब यह एक रहस्य है कि नदी का पानी बहुत साफ है, लेकिन ऐसा क्या है कि जो भी इसके पानी को पीता है उसकी जल्द ही मृत्यु हो जाती है. जानकारी के अनुसार, झील के पानी के रहस्य को जानने की कई कोशिशें हुईं, हालांकि जांचकर्ता हर बार विफल रहे. कहा गया कि 1946 में एंडी लेविन नाम के एक व्यक्ति को झील के पानी की सच्चाई का पता लगाने के लिए यहां आया था.उसने इस झील से थोड़ा पानी लिया और झील के आस-पास के कुछ पौधे लिए और चल दिया. लेकिन वो थोड़ी देर ही चला था कि वो रास्ता भटक गया.एंडी लेविन तब तक रास्ता भटकते रहे जब तक उन्होंने पानी और पौधे नहीं फेंक दिए थे. हालांकि, इस घटना के कुछ दिनों बाद ही उनकी मृत्यु हो गई थी. आज तक किसी को इस बात का पता नहीं चला है कि आखिर इस झील में ऐसा क्या है कि इसका पानी पीने के बाद व्यक्ति कि मौत हो जाती है.कुछ लोगों का मानना है कि इस झील के पानी में कोई खतरनाक जहरीली गैस मिली हो सकती है, लेकिन इसका कोई प्रमाण नहीं मिला है.

# बस्तर में पाई जाने वाली जनजातियां

**आधुनिक भारत में आज भी कई ऐसे स्थान है जहां पर बरसों से चली आ रही जनजातियां निवास करती हैयु तो भारतीय इतिहास में आदिवासी जनजाति संस्कृति का बहुत महत्व है.लेकिन समय के साथ बहुत सी जनजातियों ने स्वयं में बदलाव किये है.जैसे हलबा व भतरा जनजाति इत्यादि. अगर संपूर्ण विश्व की बात की जाए तो सबसे ज्यादा जनजातियां भारत में पाई जाती है जैसे कोल, भील, पहाड़िया, कमार, थारू जनजाति इत्यादि. लेकिन आज हम आपको बस्तर में पाई जाने वाली प्राचीन समय से लेकर अब तक चली आ रही जनजातियों के बारे में बताने जा रहे हैं.ये जनजातियां बस्तर व बस्तर के आस पास के इलाको में निवास करती है.तो जानते हैं इन जनजातियों के बारे में**

## जनजाति का अर्थ

जनजाति को समझने के लिए पहले हमें प्रकृति व जंगलों में रहने वाले मनुष्य के समुदाय को बारीकी से समझना चाहिए.जनजाति वह होती है जो सभी लोगों से दूर पर्वतों,जंगलों, वनो इत्यादि में निवास करती हैं. जिन की भाषा अलग होती है जो भूत-प्रेत, दैवी शक्तियों में बेहद विश्वास रखते हैं. जिन का व्यवसाय जंगली शिकार व जंगली पेड़ पोधो पर निर्भर रहता है. जंगलो में पाई जाने वाली लगभग 90 % जनजातीय असभ्य व हिंसक होती हैजिस प्रकार जंगली जानवर अपने इलाके की रक्षा के लिए अपनी जान तक दे सकता है ठीक इसी प्रकार ये जनजातीया अपने इलाके की रक्षा करती है. अमूमन सभी जनजाती माँसाहारी होती है.

बस्तर में पाई जाने वाली जनजातियों से पहले आपको बस्तर इलाके के बारे में समझना होगा.बस्तर एक जिला है जो चार संस्कृतियों से घिरा हुआ है इसके चारों तरफ छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा और महाराष्ट्र की सीमाएं लगती है.इस जिले के जंगलो में हजारों सालों से विभिन्न जनजातियाँ निवास करती हैं जिनमे से प्रमुख जनजातियों का विवरण इस प्रकार है:

### माडिया जनजाति

माडिया जनजाति बस्तर के जंगलों में पाई जाने वाली जनजाति है.यह जनजाति बस्तर के पहाड़ी इलाकों व जंगलों में निवास करती है.माडिया जनजाति को दो भागों में बांटा गया है 1.अबुझ माड़िया 2. दण्डामी माड़िया (बाईसन होर्न माड़िया) अबूझ मडिया पहाड़ों के घने जंगलों में निवास करती है व दण्डामी माड़िया समतल इलाके के जंगलों में निवास करती हैये लोग माड़िया भाषा बोलते है.इन दोनों जनजातियों की संस्कृति आपस में मिलती जुलती है और यह दोनों ही जनजातियां बाहरी लोगों का अपने इलाके में आना पसंद नहीं करती.जब भी कोई व्यक्ति इनके इलाके में प्रवेश करता है तो यह असहज महसूस करते हैं व बाहरी व्यक्ति पर तीर कमान से हमला कर देते हैं. हमले के बाद इस जनजाति के लोग कर्कश ध्वनि के द्वारा अपनी ताकत का एहसास कराते हैं.माडिया जनजाति के पुरुषों का स्वभाव नटखट व नाच गाने वाला होता है.यह लोग शराब के शौकीन होते हैं.इस जनजाति लोग अच्छी फसल प्राप्त करने के लिए अपने देवताओं के सम्मान में लकड़ियों के द्वारा आग जला कर उसके चारों ओर नृत्य करते हैं.माडिया जनजाति सर्वाहारी जनजातियों की श्रेणी में आती है.इस जनजाति के लोग बहुत बहादुर होते है ८ इस जनजाति के पुरुष शिकार के लिए बाघ, भालू, तेंदवे से भी लोहा लेने से नहीं कतराते.यु तो माडिया जनजाति बाघ का बेहद सम्मान करती है परंतु जब बाघ इन पर हमला करता है तो आत्म रक्षा में बाघ को भी मार सकते है.माड़िया लोगो में घोटुल परंपरा का पालन होता है व यह लोग काकसार नाम के कुल देवता की अराधना करते हैं.

### हलबा जनजाति

हलबा जनजाति छत्तीसगढ़ (बस्तर) में पाई जाने वाली एक विशाल जनजाति है इस जनजाति के लोग छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के इलाकों में निवास करते हैं. प्राचीन समय में यह जनजाति भी जंगलों में रहती थी परंतु आज के समय में इस जनजाति के लोग गांवो की तरफ भी पलायन कर रहे हैं.हलबा जनजाति 17 वीं शताब्दी में बस्तर राज्य के प्रमुख और सबसे प्रभावशाली जनजातीय समूहों में से एक थीं व उस समय हलबा जनजाति बस्तर राज्य की राजनीति और सेना में सक्रिय थीं.देश के विभिन्न हिस्सों में प्रवास के बाद हलबा जनजाति ने अपनी आजीविका के लिए अलग-अलग व्यवसाय को अपना लिया . जैसे कृषि, बुनाई, मजदूरी इत्यादि हल्बा जनजाति की भाषा हल्बी है, जो मराठी और ओडिया का संयोजन से बनी है व ये लोग देवी माँ दंतेश्वरी की पूजा करते है.

### भतरा जनजाति

भतरा जनजाति प्राचीन काल में सम्पूर्ण बस्तर जिले में फैली हुई थी इस जनजाति के लोग कला और नाटक प्रेमी होते थे.इन्हें पेंटिंग करना व नाच गाना पसंद था.परंतु समय के साथ इस जनजाति के लोगो ने खुद में बदलाव किया और यह भी समय की दौड़ के साथ चलना सिख गए.आज भतरा जनजाति के लोगों ने आधुनिक बनना शुरू कर दिया है.इस जनजाति के लोग आज कल शहरों में रोजगार की लिए निवास करते हैं.प्राचीन समय में इस जनजाति के लोगो का प्रिय भोजन केकड़ा व पक्षियों का मॉस था.

### मुरिया जनजाति

मुरिया जनजाति को बस्तर की मूल जनजाति कहा जाता है अर्थात इस जनजाति के लोग हमेशा से इस इलाके में रहे हैं इस जनजाति के लोगों को श्रृंगार करना व कलात्मक वस्तुएं बनाना पसंद है.मुरिया जनजाति में माओपाटा के रूप में एक आदिम शिकार नृत्य किया जाता है जिसमे इस जनजाति के सभी पुरुष बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते है.नृत्य के समय युवा पुरुष नर्तक अपनी कमर में पीतल अथवा लोहे की घंटियां बांधे रहते है साथ में छतरी और सिर पर आकर्षक सजावट कर नृत्य करते है.

## आचार संहिता का उल्लंघन : हसरंगा पर लगा दो मैचों का बैन, गुरबाज पर भारी जुर्माना

**दुबई** . अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने दाम्बुला में तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन के लिए श्रीलंका के कप्तान वानिंदु हसरंगा को दो मैच के लिए निलंबित किया है जबकि अफगानिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया है।

आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर हसरंगा को 24 महीने की अवधि में कुल पांच डिमेरिट अंक मिलने के बाद उन पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसमें आईसीसी आचार संहिता का उनका नवीनतम उल्लंघन भी शामिल है। आईसीसी ने बयान में कहा, 'श्रीलंका के टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान और आईसीसी की टी20 अंतरराष्ट्रीय पुरुष खिलाड़ी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर मौजूद वानिंदु हसरंगा को आईसीसी आचार संहिता के नवीनतम उल्लंघन के बाद 24 महीने की अवधि के भीतर उनके कुल डिमेरिट अंक पांच तक पहुंचने के बाद दो मैचों के लिए निलंबित किया गया है। आचार संहिता के नवीनतम उल्लंघन के लिए उन पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना और तीन डिमेरिट अंक मिले हैं।

हसरंगा से जुड़ी घटना बुधवार को तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के अंत में हुई जब वह फुलटॉस गेंद को नोबॉल करार नहीं दिए जाने के फैसले की आलोचना करने के लिए मैदानी अंपायर लिंडन हैनिबल के पास पहुंचे। इस तरह हसरंगा को खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ से जुड़ी आईसीसी आचार संहिता के नियम 2.13 के उल्लंघन का दोषी पाया गया।

यह नियम अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी खिलाड़ी, खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ, अंपायर या मैच रैफरी से निजी दुर्व्यवहार से संबंधित है। आईसीसी ने कहा कि हसरंगा के पांच डिमेरिट अंक होने के कारण यह दो निलंबन अंक में बदल गया।

## ध्रुव जुरेल खतरनाक गेंद पर हुए 90 रन बनाकर आउट, आकाश चोपड़ा बोले- शतक नहीं, पर शतक से कम भी नहीं ये पारी

**नई दिल्ली**. रांची में इंग्लैंड के खिलाफ जारी चौथे टेस्ट मैच में ध्रुव जुरेल ने 90 रनों की शानदार पारी खेली। वे एक खतरनाक गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए और इस तरह भारतीय पारी का अंत हो गया। हालांकि, जुरेल की इस पारी की तारीफ बनती है। यही कारण है कि आकाश चोपड़ा ने इस 90 रनों की पारी को शतक से कम नहीं बताया। ध्रुव जुरेल ने इस मुकाबले में पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ बल्लेबाजी की और टीम को सम्मानजनक स्थिति में पहुंचाया।

एक समय पर टीम इंडिया का स्कोर 177/7 था। इसके बाद टीम को 307 रनों तक पहुंचाने में ध्रुव जुरेल का अहम योगदान था।

वे शतक की ओर बढ़ रहे थे और लगातार विकेट पर खड़े थे, क्योंकि दूसरे छोर से विकेट गिर रहे थे। ऐसे में ध्रुव जुरेल ने कुछ आक्रामक शॉट लगाकर 90 रन तो पूरे कर लिए, लेकिन एक खतरनाक गेंद पर बोल्ड हो गए। वे उस गेंद को डिफेंस करना चाहते थे, क्योंकि टॉम हार्टली की ये गेंद थोड़ी सी नीची रही और स्टंप्स की लाइन में भी थी। ध्रुव जुरेल के आउट होने और टीम इंडिया की पारी समाप्त होने पर आकाश चोपड़ा ने जियोसिनेमा पर कमेंट्री करते हुए भारतीय विकेटकीपर की तारीफ की। ध्रुव जुरेल को लेकर आकाश ने कहा कि वह आर्मीमैन के बेटे हैं और जंग लड़ना जानते हैं। भले ही यह 90 रनों की पारी शतक नहीं है, पर ये शतक से कम भी नहीं है। वाकई में अगर ध्रुव जुरेल के बल्ले से ये रन नहीं बनते तो टीम इंडिया मुश्किल में पड़ जाती है, क्योंकि अभी भी इंग्लैंड के पास 46 रनों की बढ़त है। बता दें कि ध्रुव जुरेल को केएस भरत की जगह मौका दिया गया था। केएस भरत विकेट के पीछे अच्छे थे, लेकिन बल्लेबाजी में वे फेल हो रहे थे। 7 मैचों की 12 पारियों में केएस भरत अर्धशतक तक नहीं जड़ पाए थे।

# ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को उसी घर में घुसकर हराया

## T20I सीरीज में किया क्लीन स्वीप

**नई दिल्ली**. ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज में न्यूजीलैंड का सूपड़ा साफ कर दिया है। एक तरह से ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को उसी के घर में घुसकर बुरी तरह रौंदा है। इस सीरीज का पहला मैच जरूर एक समय पर न्यूजीलैंड जीतने की कगार पर थी, लेकिन बाकी के दो मैचों में ऑस्ट्रेलिया ने बड़ी जीत दर्ज की और सीरीज को 3-0 से जीता। टी20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले ये सीरीज ऑस्ट्रेलिया का मनोबल जरूर बढ़ाएगी।

न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टी20 मैच ऑकलैंड में खेला गया।

ये मैच बारिश के कारण छोटा ही रहा। न्यूजीलैंड की टीम के कप्तान टिम साउदी ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10.4 ओवर में 4 विकेट खोकर 118 रन बनाए थे। इसके बाद बारिश ने पारी को पूरा नहीं होने दिया और ऑस्ट्रेलिया को यही अपनी पारी समाप्त करनी पड़ी। इसके बाद डकवर्थ लुईस मेथड लागू हुआ। न्यूजीलैंड को 10 ओवर में 126 रनों का टारगेट मिला। न्यूजीलैंड की टीम 10 ओवर खेलकर 3 विकेट खोकर 98 रन ही बना सकी और मुकाबला 27 रनों के अंतर से हार गई। इस मुकाबले में ट्रेविस हेड ने 33 रन बनाए, जबकि मैथ्यू शॉर्ट ने 11 गेंदों में 27 रन बनाए। ग्लेन मैक्सवेल ने 20 रन की पारी खेली। न्यूजीलैंड की ओर से 24 गेंदों में 40 रन ग्लेन फिलिप्स ने बनाए, लेकिन उनकी ये पारी काम नहीं आई, क्योंकि टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंची।

ऑस्ट्रेलिया ने पहला मैच 6 विकेट के अंतर से जीता था, जबकि दूसरे मैच में 72 रनों से बड़ी जीत दर्ज की थी और तीसरा मुकाबला अब 27 रनों के अंतर से जीता।

सीरीज में दमदार प्रदर्शन के लिए मिचेल मार्श को प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड मिला। वे तीसरे मैच में नहीं खेले थे। पहले दो मैचों में उन्होंने करीब 100 रन बनाए थे। मैथ्यू शॉर्ट आखिरी टी20 मैच में प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए।

## पूर्व कप्तान का दावा- इंग्लैंड के दो युवा स्पिनरों ने भारतीय खिलाड़ियों को कर दिया कन्फ्यूज

**नई दिल्ली.एजेंसी**

रांची में जारी चौथे टेस्ट मैच में इंग्लैंड की टीम के प्रदर्शन को लेकर पूर्व कप्तान माइकल वॉन काफी खुश नजर आए। माइकल वॉन अभी तक इंग्लैंड की टीम की आलोचना कर रहे थे, लेकिन रांची में इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने जैसा प्रदर्शन किया, उससे माइकल वॉन ने टीम इंडिया पर निशाना साधना शुरू कर दिया है। माइकल वॉन ने शनिवार 24 फरवरी को कई एक्स पोस्ट किए, जिसमें उन्होंने ये भी कहा कि इंग्लैंड के दो युवा स्पिनरों ने भारत को कन्फ्यूज करने का काम किया।

वॉन ने कहा है कि भारतीय खिलाड़ियों को ये ही पता नहीं चल रहा कि अपने ही मैदान पर कैसे बल्लेबाजी की जाए। माइकल वॉन ने एक्स पर लिखा, ÷इंग्लैंड के 2 युवा स्पिनर भारतीय खिलाड़ियों को कन्फ्यूज कर रहे हैं कि उन्हें अपनी ही धरती पर किस तरह से खेलना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि बशीर ने 1 भी खराब गेंद फेंकी है।÷ शोएब बशीर और टॉम हार्टली ने इंग्लैंड के लिए रांची टेस्ट मैच के दूसरे दिन दमदार गेंदबाजी की और कई विकेट उन्होंने निकाले।

पूर्व कप्तान ने अगले एक्स पोस्ट में लिखा, भारत ने इस तरह की पिच तैयार करके इंग्लैंड को पूरी तरह से खेल में ला दिया है। इसकी काफी सराहना होनी चाहिए। एक अन्य एक्स पोस्ट में उन्होंने लिखा, शोएब बशीर का चयन एक बड़ा ही अद्भुत फैसला है। उनको कोई प्रथम श्रेणी अनुभव नहीं है। उन्होंने जो मैच खेले हैं, उनमें कोई बड़ी संख्या में विकेट नहीं लिए हैं। बस एक गट फीलिंग है। इंग्लैंड के चयनकर्ताओं ने शानदार प्रदर्शन किया है।

## रांची की पिच को लेकर भारतीय बॉलिंग कोच ये क्या बोले- हमें उम्मीद नहीं थी कि...

**नई दिल्ली.एजेंसी**

टीम इंडिया के बॉलिंग कोच पारस म्हाम्ब्रे ने माना कि इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दूसरे दिन रांची में असमतल उछाल ने उन्हें आश्चर्यचकित किया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने इसी के साथ कहा कि उन्हें केवल विकेट धीमा होने की उम्मीद थी। रांची में दूसरे दिन भारतीय बल्लेबाजों को इंग्लैंड के स्पिनरों के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। शोएब बशीर और टॉम हार्टले ने मिलकर 6 भारतीय बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाई। भारतीय बैटिंग यूनिट में यशस्वी जायसवाल ही एकमात्र असरदार बल्लेबाज दिखे जिन्होंने अर्धशतक जड़ते हुए 73 रनों की पारी खेली। उनके अलावा कोई भी बैटर 40 रन का आंकड़ा पार नहीं कर पाया।

दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद भारतीय बॉलिंग कोच ने प्रेस कॉन्फ्रेंस ने कहा कि उन्हें ऐतिहासिक रूप से उम्मीद थी कि पिच केवल धीमी होगी।उन्होंने कहा, हमने यहां पहले भी जो कुछ मैच देखे हैं, आमतौर पर दिन बढ़ने के साथ विकेट की प्रकृति धीमी होती जाती है। पहले भी यहां जो कुछ मैच खेले गए थे, उनमें विकेट की प्रकृति धीमी होती गई थी। इसलिए हमें इसकी उम्मीद थी। लेकिन ईमानदारी से कहूं तो, हमें उम्मीद नहीं थी कि दूसरे दिन ही पिच इतनी नीचे खेलेगी।

पारस म्हाम्ब्रे ने आगे कहा, मुझे लगता है कि पहली पारी में भी कुछ गेंदें नीची रहीं। हमने इसकी उम्मीद नहीं की थी। हमें उम्मीद थी कि यह धीमी होगी, लेकिन परिवर्तनीय उछाल नहीं जैसा कि हमने पिछले कुछ दिनों में देखा है।भारतीय बॉलिंग कोच ने कहा कि इस तरह का विकेट तैयार करने में उनका कोई हाथ नहीं था और उन्होंने रांची के विकेट को रैंक टर्नर होने की धारणाओं को खारिज कर दिया है।

## प्रो रेसलिंग चैंपियनशिप : संग्राम सिंह की धमाकेदार वापसी, पाकिस्तानी रेसलर को हराया

**दुबई** . छह साल बाद वापसी करते हुए भारत के संग्राम सिंह अपनी जीत की राह पर लौट आए और उन्होंने शबाब अलहली क्लब में अंतर्राष्ट्रीय प्रो रेसलिंग चैंपियनशिप के दौरान पाकिस्तान के मोहम्मद सईद को करीबी मुकाबले में 30-23 के अंतिम स्कोर से हरा दिया। इस जीत के साथ संग्राम सिंह ने कुल 6 राउंड की प्रतिस्पर्धा के बाद प्रतिष्ठित स्वर्ण पदक और 3 करोड़ की पुरस्कार राशि के साथ-साथ एक बार फिर मैट पर अपना दबदबा कायम कर लिया।

जीत के बाद उन्होंने कहा, यह जीत मेरे सभी देशवासियों को समर्पित है जिन्होंने हमेशा मेरा और मेरे प्रयासों का समर्थन किया है और उन सभी युवाओं को भी जो बड़े सपने देखते हैं। हर किसी को अपने सपनों के लिए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने के एकमात्र उद्देश्य के साथ मैट पर वापस आकर मुझे खुशी है।

इस लड़ाई की तैयारी कठिन थी क्योंकि मेरा प्रतिद्वंद्वी मेरे वजन से लगभग 9-10 किलोग्राम अधिक थी और मुझसे लगभग 17 साल छोटा है, लेकिन यह वास्तव में एक अच्छी लड़ाई थी और मैं उसे भी एक शानदार मुकाबले के लिए बधाई देता हूं। अपने आप पर विश्वास रखें और हम सब कर सकते हैं चैंपियन बनें।

## शोभना आशा ने WPL 2024 में 5 विकेट हॉल लेकर रचा इतिहास, बनीं ऐसा कारनामा करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी

शोभना आशा **WPL** में 5 विकेट हॉल लेने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। उनको इस लाजवाब प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया, जब वह इस अवॉर्ड को लेने पहुंची तो उनकी आंखे नम थी।

**नई दिल्ली.एजेंसी**

पहले दो मुकाबलों का नतीजा अंतिम गेंद पर निकलने से टूर्नामेंट का रोमांच काफी बढ़ गया है। शनिवार का रात डब्ल्यूपीएल 2024 का दूसरा मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और यूपी वॉरियर्स के बीच खेला गया। इस मैच में भारतीय हरफनमौला शोभना आशा चमकीं जिन्होंने 5 विकेट हॉल लेकर आरसीबी के लिए हारी हुई बाजी पलट दी। शोभना ने इस दौरान एक ओवर में 3 विकेट भी चटकाए। आरसीबी ने इस करीबी मुकाबले में यूपी को मात्र 2 रनों से धूल चटाई। आरसीबी की इस जीत के साथ शोभना आशा भी इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज कराने में कामयाब रहीं।

शोभना आशा वुमेंस प्रीमियर लीग के इतिहास में 5 विकेट हॉल लेने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई है। उनसे पहले यह कारनामा और कोई भारतीय महिला खिलाड़ी नहीं कर पाई हैं। यूपी के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने अपने 4 ओवर के कोटे में 22 रन खर्च कर 5 शिकार किए। इस दौरान उन्होंने एक ओवर में तीन विकेट लेकर मैच का रुख आरसीबी की ओर मोडने का भी काम किया।आशा ने को मैच की पहली सफलता वृंदा दिनेश के रूप में मिली जिन्हें उन्होंने 18 के निजी स्कोर पर आउट किया। इसके बाद उन्होंने धारदार गेंदबाजी जारी रखते हुए ताहलिया मैक्ग्राथ (22), ग्रेज हैरिस (38), श्वेता सहरावत (31) और किरण नावगिरी (1) को भी एक के बाद एक पवेलियन की राह दिखाई।

उन्होंने 17वें ओवर में तीन विकेट लेकर यूपी को बैकफुट पर धकेल दिया था, पहली गेंद पर उन्होंने श्वेता को तो चौथी और पांचवी गेंद पर हैरिस व किरण को पवेलियन की राह दिखाई।

शोभना आशा को उनके इस लाजवाब प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया, जब वह इस अवॉर्ड को लेने पहुंची तो उनकी आंखे नम थी।केरल की शोभना आशा के लिए डब्ल्यूपीएल का पिछला सीजन कुछ खास नहीं रहा था। उन्होंने खेले 5 मुकाबलों में 28.40 की औसत और 8.35 की इकॉनमी के साथ मात्र 5 विकेट चटकाए थे, मगर इस सीजन के पहले ही मैच में वह 5 विकेट झटक चुकी हैं। शोभना को आरसीबी ने 10 लाख रुपए के बेस प्राइज में खरीदा था।

## टीम इंडिया की लचर बल्लेबाजी देख स्टुअर्ट ब्रॉड को आई चेतेश्वर पुजारा की याद, बोले- क्या उनका करियर खत्म हो गया है?

टीम इंडिया की लचर बैटिंग देख स्टुअर्ट ब्रॉड को चेतेश्वर पुजारा की याद आई है। ब्रॉड का कहना है कि क्या विराट कोहली की गैरमौजूदगी में भारत पुजारा का चयन सकता था या फिर उनका करियर खत्म हो गया है?

**नई दिल्ली.एजेंसी**

रांची में जारी इंडिया वर्सेस इंग्लैंड चौथे टेस्ट में भारतीय बैटिंग ऑर्डर में अनुभव की कमी साफ देखने को मिल रही है। विराट कोहली और केएल राहुल की गैरमौजूदगी में रजत पाटीदार और सरफराज खान जैसे युवा खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ मिडिल ऑर्डर का भार संभाल रहे हैं।

राजकोट में तो इन युवा खिलाड़ियों ने अच्छा परफॉर्म किया, मगर रांची में वह इस भार को संभाल नहीं पाए। ऐसे में इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड को टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा की याद आई है, जो इस समय भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं। ब्रॉड का कहना है कि क्या विराट कोहली की गैरमौजूदगी में भारत पुजारा का चयन नहीं कर सकता था या फिर इस खिलाड़ी का इंटरनेशनल करियर खत्म हो गया है?

बता दें, भारत के लिए 100 से अधिक टेस्ट खेल चुके चेतेश्वर पुजार ने टीम इंडिया के लिए आखिरी मुकाबला पिछले साल जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। काउंटी क्रिकेट में धमाकेदार प्रदर्शन करने के बाद उन्हें वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह मिली थी, मगर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वह दोनों पारियों में मिलाकर 50 रन नहीं बना पाए थे।

स्टुअर्ट ब्रॉड ने अपने अधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा कोहली के अनुभव और विश्व स्तरीय प्रतिभा की कमी के साथ, क्या पुजारा को भारत की बल्लेबाजी क्रम में वापस लाने का प्रलोभन होगा? या फिर उनका अंतरराष्ट्रीय करियर खत्म हो गया है? ऐसा लगता है जैसे वह कुछ स्थिरता और एक एंकर ला सकता था।

चेतेश्वर पुजारा इस समय रणजी ट्रॉफी में पसीना बहा रहे हैं। मौजूदा सीजन में उन्होंने खेले 7 मुकाबलों में 78.10 की शानदार औसत के साथ 781 रन बनाए हैं।

इस दौरान उन्होंने 3 बार 100 रन का आंकड़ा भी पार किया जिसमें एक दोहरा शतक भी शामिल है। पुजारा का रणजी ट्रॉफी के मौजूदा सीजन में हाईएस्ट स्कोर नाबाद 243 रनों का रहा है। हालांकि इतने शानदार परफॉर्मेंस के बाद भी उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ स्क्वॉड में जगह नहीं मिली है। ऐसे माना जा रहा है कि उनका टीम इंडिया के साथ सफर अब खत्म हो गया है।

## दादा के निधन से टूटीं

# शरवरी वाग

## अंतिम संस्कार में छलके एक्ट्रेस के आंसू, तस्वीरें झकझोर देंगी आपका दिल

शरवरी वाग का नाम हिंदी सिनेमा के उभरती हुईं अदाकाराओं में शुमार है। इस वक्त उनसे जुड़ी एक बेहद बुरी खबर सामने आ रही है। शुक्रवार को शरवरी के दादा मनोहर जोशी का निधन हो गया है। अदाकारा के दादा महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री रहे हैं। उनके देहांत से एक्ट्रेस का दिल तोड़ गया है।मनोहर के अंतिम संस्कार के दौरान शरवरी वाग भावुक होती हुईं नजर आई हैं। सोशल मीडिया पर उनकी दिल दुखाने वालीं तस्वीरें सामने आई हैं।

**दादा की मौत से टूटा शरवरी वाग का निधन**

शरवरी वाग अपने दादा के कितनी करीब थीं, इसका अंदाजा आप उनकी इन लेटेस्ट फोटो से लगा सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनकी ये तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जो मनोहर जोशी के अंतिम संस्कार के दौरान की हैं। अपने दादा को खोने के गम अदाकारा के चेहरे पर साफ नजर आ रहा है, साथ ही उनकी आंखों से आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं।

सफेद सलवार सूट में वह अपने मनोहर जोशी की अंतिम यात्रा में शामिल हुईं, जहां उनके परिवार के अन्य सदस्य भी दिखाई दे रहे हैं। शरवरी वाग ये फोटो यकीनन तौर पर आपके दिल को झकझोर के रख देंगी। मालूम हो कि मनोहर जोशी 1995 से लेकर 1999 तक महाराष्ट्र के सीएम रहे थे ऐसे में राजनीति के क्षेत्र में उनके योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। शुक्रवार 23 फरवरी को मुंबई के एक हॉस्पिटल में मनोहर जोशी का 86 साल की उम्र में निधन हुआ। शनिवार सुबह उनका अंतिम संस्कार किया गया है। मनोहर के इस दुनिया से जाने से उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

**आलिया भट्ट संग इस मूवी में दिखेंगी शरवरी**

बतौर एक्ट्रेस शरवरी वाग के हाथों हाल ही में एक बड़ी फिल्म लगी है, जिसका टाइटल अभी रिवील नहीं किया गया है। यशराज बैनर की स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म में वह सुपरस्टार आलिया भट्ट के साथ नजर आने वाली हैं। इतना ही नहीं जॉन अब्राहम की वेधा में भी शरवरी लीड रोल में हैं।

# ऋचा चड्ढा

## ने हीरामंडी के डायरेक्टर Sanjay Leela Bhansali को इस अंदाज में किया विश, लंबा-चौड़ा नोट लिख की तारीफ

संजय लीला भंसाली ने इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में अपनी मेहनत के दम पर एक अलग पहचान बनाई है। आज वह बॉलीवुड के सबसे प्रतिष्ठित निर्देशकों में से एक हैं। उनी फिल्मों में काम करने के लिए एक्टर्स बेताब रहते हैं।

संजय लीला भंसाली फरवरी को अपना 61वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास दिन पर फैंस के साथ-साथ उनकी पहली वेब सीरीज हीरामंडी की कास्ट ऋचा चड्ढा, अदिति राव हैदरी समेत कई स्टार्स ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। इस वेब सीरीज से निर्देशक ओटीटी पर अपना डेब्यू करने जा रहे हैं।

**ऋचा चड्ढा ने लिखा लॉन्ग नोट**

हीरामंडी में सोनाक्षी सिन्हा और मनीषा कोइराला के साथ-साथ ऋचा चड्ढा भी नजर आने वाली हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर हीरामंडी के सेट से भंसाली के साथ तस्वीर शेयर की है। इसके साथ ही उन्होंने निर्देशक के साथ कई पुरानी फोटोज भी शेयर की हैं। इन फोटोज को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लॉन्ग नोट भी लिखा।

ऋचा ने लिखा, प्रिय संजय लीला भंसाली, मैं एक एक्टर के रूप में अपने जीवन का वर्णन अपने करियर को दो भागों में विभाजित करके कर सकती हूं। एसएलबी से पहले और एसएलबी के बाद। मैं आपके बारे में क्या कह सकती हूं। हम जानते हैं कि हम कैसा महसूस करते हैं। हम उस बिंदु को जानते हैं जहां हमारे विचार हवा में मिलते हैं और जादू को जन्म देते हैं।

इसके आगे उन्होंने लिखा, कोई शब्द नहीं बोले जाते, सेट दिखता रहता है, लेकिन निगाहों का आदान-प्रदान होता है और हर बार एक नया करैक्टर जन्म लेता है, एक ऐसा करैक्टर जो आपको और मुझे दोनों को जीवित रखेगा और वह दुनिया को आपके प्यार से भरा, नम आंखों वाला उपहार है। इसके आगे भी एक्ट्रेस ने नोट में डायरेक्टर की तारीफ की।

**अदिति राव हैदरी ने ऐसे किया विश**

अदिति राव हैदरी ने भी भंसाली को शुभकामनाएं देते हुए लिखा, जन्मदिन मुबारक हो मेरे सबसे प्यारे संजय सर, अंतहीन प्रेरणा के लिए धन्यवाद। आपके प्रतिभाशाली दिमाग, प्यार से भरे दिल के लिए धन्यवाद। हमें कभी हार न मानने देने के लिए धन्यवाद। तीव्र जुनून, सबसे अद्भुत शिक्षक होने के लिए, अनंत सुंदरता, विस्तार, हंसी, संगीत, नृत्य, सबसे स्वादिष्ट घर का नाश्ता जो अक्षय पात्र की तरह है।

## प्रभास और दीपिका पादुकोण की सबसे महंगी पिक्चर के 9 पार्ट बनेंगे?

प्रभास के लिए साल 2023 की शुरुआत कुछ खास नहीं रही थी. 'आदिपुरुष' से सबको काफी उम्मीदें थीं. लेकिन पिक्चर बुरी तरह से पिट गई. लेकिन फिल्म फ्लॉप होना कोई बड़ी बात नहीं थी. पर इससे देशभर में जितना बवाल हुआ, वो खतरा बन गया था. खैर, साल के अंत में उन्होंने 'सलार' के साथ कमबैक किया और भौकाल काट दिया. अब साल 2024 की शुरुआत से ही वो 'कल्कि 2898 AD को लेकर चर्चा में बने हैं. ऐसा होना लाजमी भी हैं. क्योंकि ये प्रभास के करियर की सबसे महंगी फिल्म होने के साथ ही इंडियन सिनेमा के लिहाज से भी अहम है. 'कल्कि 2898AD 9 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है.

इस फिल्म को बड़े स्केल पर तैयार किया जा रहा है. यही वजह है कि नाग अश्विन एक ही फिल्म में कई बड़े सितारों को लेकर आए हैं. जहां प्रभास, दीपिका पादुकोण के अलावा फिल्म में अमिताभ बच्चन और कमल हासन का नाम सामने आया है. तो वहीं इसमें कई सुपरस्टार्स कैमियो करते नजर आएंगे. बीते दिनों ही इस बात की जानकारी मिली थी कि इस फिल्म को फ्रेंचाइज बनाने की तैयारी है. अब पता लगा है कि, इसके नौ पार्ट्स आएंगे.

**600 करोड़ी पिक्चर के कितने पार्ट्स आएंगे ?**

Cinejosh नाम की वेबसाइट में हाल ही में एक रिपोर्ट छपी है. इसके मुताबिक, 'कल्कि' की सिर्फ एक-दो नहीं, बल्कि नौ फिल्में आने की बात कही जा रही है. लेकिन ये कोई सीक्वल नहीं होगा. यानी प्रभास पहले पार्ट में होंगे. इसके बाद यूनिवर्स के अलग-अलग किरदारों पर फिल्में बनाई जा सकती हैं. इसपर मेकर्स फिलहाल चर्चा कर रहे हैं, लेकिन अबतक कुछ भी फाइनल नहीं किया गया है. दरअसल उनका मानना है कि, 'कल्कि 2898AD ' को जो रिस्पॉन्स मिलेगा. उसके बाद ही कुछ सोचा जाएगा.

इस फ्रेंचाइज को शुरू करने से पहले मेकर्स को मार्केट भी देखना होगा. इसलिए वो पहले पार्ट के रिलीज होने का इंतजार करेंगे. बीते दिनों कल्कि को लेकर जो खबर आई थी. उसमें कहा गया था कि दूसरा पार्ट कमल हासन पर होगा. उनके किरदार को अलग से बड़े लेवल पर दिखाया जाएगा. बताया जा रहा है कि, वो पिक्चर में विलेन के किरदार में नजर आने वाले हैं.बीते दिनों पता लगा था कि, प्रभास और दिशा पाटनी हैदराबाद में एक गाने की शूटिंग कर रहे हैं. उसके तुरंत बाद 23 फरवरी को छोटा सा वीडियो शेयर किया गया. जिसमें एक पैर हिलता हुआ नजर आ रहा है. ऐसा कहा जा रहा है कि ये प्रभास ही हैं. खैर, अबतक फिल्म की शूटिंग पूरी नहीं हुई है. मेकर्स समय पर शूट पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं.

## कुर्सी की पेटी बांध लीजिए... एयर होस्टेस तब्बू, करीना और कृति मचाने वाली हैं धमाल

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर, तब्बू और कृति सेनन अपनी अपकमिंग फिल्म 'क्रू' को लेकर लगातार सुर्खियों का हिस्सा बनी हुई हैं. इस फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर भी सामने आ चुके हैं. तीनों एक्ट्रेस पहली बार किसी फिल्म में साथ नजर आने वाली हैं. बीते दिन फिल्म मेकर्स ने फिल्म के नए पोस्टर शेयर किए थे. जिसमें तब्बू, करीना कपूर और कृति सेनन का लुक सभी का ध्यान अपनी ओर खींचता हुआ नजर आ रहा है.इसी बीच अब मेकर्स ने फिल्म का टीजर भी शेयर कर दिया है. बीते दिन ये जानकारी शेयर की गई थी कि आज यानी 24 फरवरी को 'क्रू' का टीजर आएगा. अपने वादे के मुताबिक मेकर्स ने इसे शेयर कर दिया है.

फिल्म 'क्रू' का टीजर हाल ही में रिलीज कर दिया गया है. इसमें तब्बू, करीना और कृति अपनी एयरहोस्टेस की नौकरी से काफी परेशान हैं. जो कुछ बड़ा प्लान करने की तैयारी कर रही हैं. ये एक दमदार कमर्शियल फैमिली एंटरटेनर भी होने वाली हैं. तीनों अपनी नौकरी के अलावा मर्दों से भी काफी परेशान नजर आ रही हैं. जो अपनी किस्मत की डोर थामे बस निकल पड़ती हैं. कुछ बड़ा करने के लिए. इसके अलावा पिक्चर में दिलजीत दोसांझ और कपिल शर्मा की भी एक झलक देखने को मिली है.फिल्म की कहानी की झलक के बाद अब दर्शकों को फिल्म के ट्रेलर का इंतजार है. फिल्म के पोस्टर देखने के बाद ये माना जा रहा था कि क्रू में करीना कपूर, तब्बू और कृति, जो फिल्म में फ्लाइट अटेंडेंट के रूप में नजर आएंगी. लेकिन टीजर देखने के बाद कहानी में ट्वीस्ट नजर आ रहा है. टीजर में तीनों एक्ट्रेस का ग्लैमरस अंदाज देखने को मिलने वाला है. कुछ लोग इस फिल्म को चार्लीज एंजल्स से कंपेयर कर रहे हैं.बता दें, बीते दिनों करीना कपूर ने अपने एक इंटरव्यू के दौरान ये बताया था कि ये एक डकैती वाली फिल्म थी. करीना, तब्बू और कृति के अलावा फिल्म में दिलजीत दोसांझ भी अहम किरदार में नजर आएंगे. इसके अलावा फिल्म में कॉमेडी किंग कपिल शर्मा का भी स्पेशल कैमियो दिखाया जाएगा. फिल्म को देखने के लिए दर्शक काफी बेकरार हैं.